डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021/2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सोमवार को प्रकाशित भोपाल 23.10.2023 से 29.10.2023 वर्ष 40 अंक 43 मूल्य ₹ 10.00

संक्षिप्त खबर

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने दतिया में तैयारियों को जाना

दतिया, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने दतिया में मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत की जा रही निर्वाचन संबंधी तैयारियों के बारे में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संदीप कुमार माकिन एवं पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा से जानकारी प्राप्त की और आवश्यक निर्देश दिए। श्री राजन ने शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय दतिया में सेवढ़ा, भाण्डेर एवं दतिया विधानसभा क्षेत्र के लिए बनाये गए स्ट्रांग रूम, मतगणना कक्ष, सीलिंग कक्षों का निरीक्षण किया। मतगणना केन्द्र पर की जाने वाली मूलभूत सुविधाओं के साथ मतदान केन्द्रों पर मतगणना अभिकर्ता, मतगणनाकर्मियों आदि के प्रवेश एवं मतगणना कक्षों में बैठक व्यवस्था देखी।

44 जिलों में EVM-VVPAT के प्रथम रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया पूरी

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत प्रदेश के 44 जिलों में 63 हजार 410 बैलेट यूनिट, 63 हजार 410 कंट्रोल यूनिट और 68 हजार 703 वीवीपीएटी के प्रथम रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया विधिवत संपन्न हुई। रेंडमाइजेशन के बाद ईवीएम-वीवीपीएटी संबंधित जिलों को विधानसभा क्षेत्रवार रिटर्निंग अधिकारी को आवंटित कर दी गई। जिला मुख्यालयों में हुए रेंडमाइजेशन के दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तथा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। ग्वालियर एवं चंबल संभाग के जिलों में रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया 17 अक्टूबर से शुरू हुई।

निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण प्रशिक्षण संपन्न

भोपाल, विधानसभा चुनाव अंतर्गत निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण हेतु विधानसभावार गठित एईओ, अकाउंट टीम, वीएसटी, वीवीटी, एफएसटी, एसएसटी टीमों के व्यय लेखा का प्रशिक्षण कार्यक्रम एक्सपेंडिचर नोडल अधिकारी श्रीमती निधि चौकसे एवं वित्त विभाग के डिप्टी डायरेक्टर श्री अश्विनी कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत भोपाल के सभा कक्ष में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित एईओ, अकाउंट टीम, वीएसटी, वीवीटी, एफएसटी, एसएसटी टीमों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूरी निर्भीकता से कार्य करना है।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

विधानसभा चुनाव-2023 ओरछा में हुई समीक्षा बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने अधिकारियों को दिये जरूरी दिशा-निर्देश

निष्पक्ष, स्वच्छ और शांतिपूर्ण मतदान प्राथमिकता

भोपाल, भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री अनुपम राजन ने सागर संभाग में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। निवाड़ी जिले के ओरछा में हुई समीक्षा बैठक में संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक उपस्थित थे। बैठक में विधानसभा चुनाव-2023 की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में निर्देशित किया गया कि निर्वाचन प्रक्रिया में ई-चालान का उपयोग कराएं। मतदान कर्मियों को ईवीएम, वीवीपेट का अधिक से अधिक प्रशिक्षण दिलाया जाए। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान सख्ती के साथ आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित कराएं। शांतिपूर्वक चुनाव के लिए सुरक्षा के दो प्लान तैयार करें। डाक मतदान वाले पात्र व्यक्तियों को डाक मतदान करने की जानकारी समय-सीमा में प्रदान की जाए। मतदाता सूची में डुप्लीकेशन न हो।

60 लाख से अधिक मतदाता करेंगे मतदान

बैठक में बताया गया कि सागर संभाग में सात हजार से ज्यादा मतदान केंद्रों पर साठ लाख से अधिक मतदाता मतदान करेंगे। मृत लोगों के नाम सूची में न रहें, इस बात का विशेष ध्यान रखें। जिन मतदाताओं के नाम सूची में जोड़े गए हों, उनके ईपिक कार्ड वितरित किए जाएं। सभी रिटर्निंग ऑफिसर

अपने क्षेत्र के मतदान केंद्रों का भ्रमण कर लें और मतदान केंद्रों पर सभी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। निर्देशित किया गया कि जिन मतदान केंद्रों में 1500 से अधिक मतदाता हैं, ऐसे मतदान केंद्रों को मतदाता की सुविधा के लिए दो भागों में बाँटा जाए। नया मतदान केंद्र उसी परिसर में या निकटवर्ती भवन में बनाया जाए।

मतदाताओं को दी जानी है पोस्टल बैलेट की सुविधा

श्री राजन ने निर्देश दिए कि तत्काल अन्तर्राज्यीय एवं अंतर जिला नाका प्रारंभ करें, जिससे कार्रवाई प्रारंभ की जा सके। चुनाव कार्य में लगने वाले कर्मचारियों, 80 वर्ष से अधिक की आयु के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों एवं कोविड से अत्यधिक पीड़ित रहे व्यक्तियों के लिए बैलेट की तैयारी अच्छी तरह से की जाये। बीएलओ को भी पता होना चाहिए कि किन मतदाताओं को पोस्टल बैलेट की सुविधा दी जाना है।

- निर्वाचन प्रक्रिया में ई-चालान का उपयोग कराएं।
- मतदानकर्मियों को ईवीएम, वीवीपेट का अधिक से अधिक प्रशिक्षण दें।
- सभी जिले सख्ती के साथ आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित कराएं।
- सागर संभाग में सात हजार से ज्यादा केंद्रों पर साठ लाख से अधिक मतदाता करेंगे मतदान।
- भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर हुई सागर संभाग में चुनाव तैयारियों की समीक्षा।

स्वीप के कार्यों को सराहा

श्री राजन ने सागर में चांदी व धनराशि जब्ती की कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि सभी जिले इस तरह की कार्रवाई करें। सागर के स्वीप प्लान गतिविधियों की भी उन्होंने सराहना की। इसका एक वीडियो कलेक्टर सागर श्री दीपक आर्य ने बैठक में प्रदर्शित किया। इसमें संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राकेश सिंह, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान, पुलिस महानिरीक्षक, कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा मध्यप्रदेश तथा राज्य पुलिस नोडल अधिकारी श्री अनुराग सहित संभागायुक्त डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत, आईजी श्री प्रमोद वर्मा, डीआईजी श्री सुनील कुमार जैन, शामिल सभी कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों ने अपने-अपने जिले में निर्वाचन तैयारियों की जानकारी दी।

सीमाओं पर सख्ती से हो जांच

चुनाव को प्रभावित करने वाली सामग्री की रोकथाम के लिए जिले और राज्य की सीमाओं में नाका स्थापित कर वाहनों की सख्ती से जांच की जाये। मदिरा के अवैध निर्माण और परिवहन पर सख्त कार्यवाही की जाये। फ्लाइंग स्कॉड और एसएसटी द्वारा मुस्तैदी से काम किया जाये। चुनाव संबंधी शिकायतों के लिए बनाए गये सी-विजिल मोबाइल ऐप का व्यापक प्रचार किया जाए। वल्नरेबल क्षेत्र के मतदान केंद्रों में सुरक्षा के इंतजाम करने के साथ ही मतदाता जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिये गए।

मतदाता जागरूकता गतिविधियों में तेजी के लिए स्वीप पार्टनर विभागों को मिले निर्देश

भोपाल, मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 में कोई भी मतदाता मतदान से वंचित न रह जाए, इसके लिए प्रदेश में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। सभी से मतदान करने की अपील की जा रही है। मतदाता जागरूकता अभियान में तेजी लाने के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने स्वीप (व्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता) पार्टनर विभागों को निर्देश दिए हैं।

स्वीप पार्टनर विभाग करें गतिविधियां : आयुक्त आदिवासी विकास, आयुक्त अनुसूचित जाति विकास, आयुक्त पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण द्वारा संचालित प्री-मैट्रिक, पोस्ट-मैट्रिक छात्रावासों एवं विद्यालयों के कक्षा 11वीं एवं 12वीं के छात्र-छात्राओं की जागरूकता के लिए मतदाता साक्षरता क्लब गठित कर मतदाता जागरूकता संबंधी गतिविधियां आयोजित करें। शहरी क्षेत्रों के छात्रावासों एवं विद्यालयों, महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा मतदाता जागरूकता, नैतिक मतदान संबंधी विशेष गतिविधियां आयोजित करें। जिला निर्वाचन कार्यालयों से मतदाता जागरूकता, नैतिक मतदान संबंधी पोस्टर, बैनर लेकर छात्रावासों में लगातार प्रचार-प्रसार करें।

जनजागरुकता और प्रचार आवश्यक : आयुक्त सामाजिक न्याय एवं निशक्तजन कल्याण द्वारा दिव्यांगजनों एवं 80 वर्ष या इससे अधिक आयु के मतदाताओं को फॉर्म 12D (घर बैठे मतदान हेतु) की सुविधा का प्रचार-प्रसार किया जाए। दिव्यांग एवं 80 वर्ष या इससे अधिक आयु के मतदाताओं को मतदान करने हेतु पोस्टर, बैनर और फ्लैक्स के माध्यम से जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं।

ग्वालियर में स्ट्रांग रूम, मतदान केन्द्र एवं मतगणना स्थल का निरीक्षण

ग्वालियर, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन विधानसभा निर्वाचन 2023 की तैयारियों की जानकारी लेने ग्वालियर पहुंचे। महारानी लक्ष्मीबाई महाविद्यालय में स्ट्रांग रूम, मतगणना केंद्र का अवलोकन किया। अधिकारियों के साथ स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान हेतु की जा रही तैयारियों के संबंध में विस्तार से चर्चा की। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने मतदान दलों की रवानगी और मतदान समाप्ति के पश्चात मतदान दलों द्वारा सामग्री जमा करने की व्यवस्था से संबंधित जानकारी प्राप्त की। श्री राजन ने कहा कि अधिक से अधिक मतदान हो, इसके लिये मतदाता जागरूकता अभियान पर विशेष जोर दिया जाए। नए मतदाता एवं दिव्यांग मतदाता भी अपने मताधिकार का उपयोग करें, इसके लिये जन जागरूकता अभियान निरंतर जारी रखा जाए।

फोटोयुक्त दस्तावेजों में से कोई भी एक दिखाकर किया जा सकेगा मतदान

भोपाल, यदि किसी मतदाता का नाम मतदाता सूची में दर्ज है परंतु उसके पास किसी वजह से मतदाता परिचय पत्र उपलब्ध नहीं है तो भी वह मताधिकार का उपयोग कर सकेगा। मतदाता परिचय पत्र के अलावा 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेज दिखाकर मतदान कर सकेंगे। इसी प्रकार यदि किसी कारण से किसी नागरिक को मतदाता सूचना पर्ची प्राप्त नहीं होती है, लेकिन उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज है तो भी वह मतदान कर सकेगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में सभी मतदाताओं को फोटो पहचान पत्र जारी किया जा रहा है। जो मतदाता वोटर आईडी कार्ड प्रस्तुत करने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेजों में से कोई एक दिखाना होगा।

यह दस्तावेज होंगे मान्य

आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र, राज्य सरकार, पीएसयू, सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक, डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों, विधायकों, एमएलसी को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी शामिल है।

मूल पासपोर्ट दिखाना होगा

अप्रवासी भारतीय मतदाताओं (एनआरआई) को केवल पहचान के लिए अपना मूल पासपोर्ट दिखाना आवश्यक होगा। यदि ईपिक में किसी मतदाता के फोटोग्राफ या निवास जैसी अन्य जानकारी आदि का मिलान न हो पाने के कारण मतदाता की पहचान करना संभव नहीं है, तो उस मतदाता को उपरोक्त 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेजों में से कोई एक जरूर दिखाना होगा। इसके बाद ही मतदाता मतदान कर सकेंगे।

14 अक्टूबर

अमेरिका के विदेश मंत्री सऊदी अरब के शहजादे से मिले

● अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रियाद में सऊदी अरब के शहजादे के साथ एक बैठक की। बैठक में सऊदी अरब के शहजादे मुहम्मद बिन सलमान ने इजरायल-हमास संघर्ष को रोकने के तौर-तरीकों तथा अंतर्राष्ट्रीय विधि के पालन पर बल दिया। अमरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक विज्ञप्ति में कहा कि विदेश मंत्री ने हमास के हमलों को रोकने और अपहृत लोगों की रिहाई तथा संघर्ष को नियंत्रित रखने पर बल दिया। इससे पहले ब्लिंकन ने सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैजल बिन फरहान से रियाद में मुलाकात की। उन्होंने नागरिकों के संभावित नुकसान कम से कम करने पर जोर दिया। इससे पहले ब्लिंकन इजरायल की यात्रा पर थे। जहां उन्होंने हमास के विरुद्ध संघर्ष में इजरायल को पूरा समर्थन देने की बात कही थी।

● भारतीय रिज़र्व बैंक ने अपने ग्राहक को जानिए - केवाईसी और अन्य नियमों के

उल्लंघन के मामले में पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड पर पांच करोड़ 39 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने कहा है कि बैंक ने भुगतान बैंकों के लाइसेंस संबंधी दिशा-निर्देशों, असामान्य साइबर सुरक्षा घटनाओं की जानकारी देने संबंधी दिशा-निर्देशों और यूपीआई तंत्र सहित सुरक्षित मोबाइल बैंकिंग एप्लिकेशन के कुछ प्रावधानों का भी उल्लंघन किया है। आरबीआई ने कहा है कि केवाईसी की विशेष जांच से पता चला है कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड ने भुगतान लेन-देन पर निगरानी नहीं रखी। बैंक ने कुछ ग्राहकों के अग्रिम खातों में दिनभर के लेन-देन के बाद बची राशि की विनियामक सीमा का उल्लंघन किया और साइबर सुरक्षा घटना की जानकारी देने में देरी की।

15 अक्टूबर

भारतीय ऋण बाजार में विदेशी निवेशकों ने किया चार हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश

● अक्टूबर के पहले दो सप्ताह में विदेशी निवेशकों ने भारतीय ऋण बाजार में चार हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया है। इसके साथ ही देश के ऋण बाजार में इस साल एफपीआई का निवेश 33 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। लेकिन विदेशी निवेशक इस महीने अब तक भारतीय शेयर बाजार से लगभग 10 हजार करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। इससे पहले सितंबर में उन्होंने लगभग 15 हजार करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। बिकवाली के इस दौर से पहले मार्च से अगस्त तक के छह महीनों में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार पर लगातार भरोसा दिखाते हुए एक लाख 70 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया था।

● फ्रांस में एक शिक्षक की चाकू मारकर हत्या और दो अन्य लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की घटना के बाद आतंकरोधी अलर्ट घोषित कर दिया गया है। ये हमला उत्तरी फ्रांस के अर्रास शहर के गैम्बेटा हाईस्कूल में किया गया। हमलावार अब पुलिस की हिरासत में है। पुलिस ने हमलावर के भाई-बहन, मां और एक अन्य रिश्तेदार को भी हिरासत में ले लिया है। प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बॉर्न ने राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ सुरक्षा बैठक के बाद यह घोषणा की। फ्रांस में मुस्लिम और यहूदी समुदाय की बड़ी संख्या की आबादी निवास करती है और यह हमला इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्ष के दौरान हुआ है। संघर्ष के बाद इन दोनों समुदायों के बीच फिलहाल तनाव बढ़ गया है। अलर्ट के बाद सुरक्षा के लिए पूरे देश में 7 हजार सैनिकों को तैनात किया गया है और पेरिस में लौवर संग्रहालय को सुरक्षा कारणों से बंद कर दिया गया।

16 अक्टूबर

इस साल 40 हजार नई भर्तियां करेगी टीसीएस

● आईटी फर्म टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) इस साल 40,000 नई भर्तियां

करेगी। कंपनी यह हायरिंग कैंपस प्लेसमेंट के जरिए करेगी। टीसीएस के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर एन. गणपति सुब्रमण्यम ने इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि कंपनी हर साल 35 से 40 हजार फ्रेशर्स को कैंपस से हायर करती है। इस ट्रैक को बरकरार रखते हुए इस साल भी कंपनी कैंपस प्लेसमेंट करेगी। इसके अलावा सुब्रमण्यम ने बताया कि कंपनी इस साल किसी भी तरह से बड़े पैमाने पर छंटनी नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि कंपनी के 6 लाख वर्कफोर्स का लगभग 10 प्रतिशत यानी करीब 60 हजार फुली ट्रेंड एम्प्लॉय किसी भी समय काम पर तैनात होने के लिए तैयार है। वहीं लेटरल हायरिंग की संभावनाओं पर सुब्रमण्यम ने कहा कि कंपनी अपनी हायरिंग स्ट्रैटजी मार्केट के अनुसार बनाती है और इसी हिसाब से इस साल भी हायर करेगी।

● दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में शुरू हो रहे पांच दिवसीय प्रौद्योगिकी उत्सव में दुनिया भर के सूचना और संचार प्रौद्योगिकी क्षेत्र के प्रमुख हितधारक जुट रहे हैं। जीटेक्स वैश्विक प्रदर्शनी में 250 से अधिक प्रमुख भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियां वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करेंगी। भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियों की इस जबरदस्त उपस्थिति को इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल द्वारा प्रायोजित एक उच्च-स्तरीय आईसीटी प्रतिनिधिमंडल का सहयोग मिल रहा है। 80 विशिष्ट भारतीय कंपनियां भी इस वैश्विक प्रौद्योगिकी कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार हैं। भारतीय मंडप में आने वाले मेहमानों को एआई-सक्षम उपकरणों और बैंकिंग समाधानों से लेकर क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा, मेटावर्स, शैक्षिक समाधान, दूरसंचार समाधान और कई अन्य उत्पादों और समाधानों के प्रदर्शन से रूबरू होने का अवसर मिलेगा।

17 अक्टूबर

मानवीय आपदा को रोकने में मदद करना चाहता है रूस

● रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू

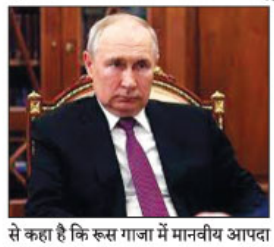

से कहा है कि रूस गाजा में मानवीय आपदा को रोकने में मदद करना चाहता है। रूस के राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी एक वक्तव्य में कहा गया है कि राष्ट्रपति पुतिन ने फिलिस्तीन-इजरायल संघर्ष को समाप्त करने हेतु शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में काम करने की इच्छा व्यक्त की है। उन्होंने संघर्ष में मारे गए इजरायल के लोगों के परिजनों और मित्रों के प्रति अपनी गहरी संवेदना भी व्यक्त की। रूस के राष्ट्रपति ने मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल-सीसी, ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी, सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल अशर और फिलिस्तीनी नेता महमूद अब्बास से फोन पर बात की। वक्तव्य में यह भी कहा गया है कि इजरायल को फिलीस्तीन, मिस्र, ईरान और सीरिया के नेताओं के साथ फोन पर हुई बातचीत के महत्वपूर्ण बिंदुओं से विशेष रूप से अवगत कराया गया।

● बिहार में निर्वाचन आयोग के तीन सदस्यों के दल ने भागलपुर में 15 जिलों के जिला मजिस्ट्रेटों, सह जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ आगामी लोकसभा चुनाव के लिए समीक्षा बैठक की। इस बैठक में भागलपुर, मुंगेर, कोशी और पूर्णिया कमिश्नरी के जिला मजिस्ट्रेटों ने हिस्सा लिया। वरिष्ठ चुनाव उपायुक्त धर्मेन्द्र शर्मा और नितेश व्यास तथा चुनाव उपायुक्त मनोज कुमार साहू के दल ने मतदाता सूची को अद्यतन करने और चुनाव प्रक्रिया में 18 से 19 साल के आयु वर्ग के युवा मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने पर चर्चा की। दल ने युवा मतदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए जिला अधिकारियों से कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में विशेष शिविर आयोजित करने के लिए कहा।

18 अक्टूबर

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X का उपयोग करने के लिए देना होगा चार्ज

● सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X अब सभी के लिए फ्री नहीं रहेगा। न्यूजीलैंड और फिलीपींस में प्लेटफॉर्म ने नए अन वेरिफाइड यूजर्स को पोस्ट करने या किसी पोस्ट के साथ इंटरैक्ट करने के लिए 1 डॉलर के वार्षिक सब्सक्रिप्शन का ऐलान किया है। नए सब्सक्रिप्शन प्लान को 'नॉट अ बॉट' नाम दिया है, जो अभी टेस्टिंग फेज में है। कंपनी के अनुसार यह मुनाफा कमाने के लिए शुरू नहीं किया गया है। यह

प्लेटफार्म पर बॉट एक्टिविटी और स्पैम को कम करने का प्रयास है। कंपनी ने बताया कि सब्सक्रिप्शन की कीमत सालाना 1 डॉलर है। हालांकि, अलग-अलग देश और करेंसी के हिसाब से फीस अलग-अलग हो सकती है।

● मेटा की इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप वॉट्सऐप कॉलिंग सिक्योरिटी के लिए नया प्राइवेसी फीचर लेकर आ रहा है। इस प्रोटेक्ट IP एड्रेस इन कॉल से यूजर अपने कॉल को एक एक्स्ट्रा सिक्योरिटी लेयर से कवर कर पाएंगे। यह फीचर कॉलिंग के दौरान यूजर की लोकेशन में अनऑथराइज्ड एक्सेस और जासूसी जैसे थ्रेट को ब्लॉक करेगा। इसके अलावा हैकर के लिए कॉल के दौरान यूजर्स की लोकेशन पता लगाना मुश्किल हो जाएगा। फिलहाल यह फीचर डेवलपमेंट फेज में है और केवल एंड्रॉयड और iOS के लेटेस्ट बीटा यूजर्स के लिए अवेलेबल है। 'प्रोटेक्ट IP एड्रेस इन कॉल' फीचर यूजर्स के IP एड्रेस की सिक्योरिटी के लिए वॉट्सऐप सर्वर के जरिए कॉल को रिडायरेक्ट करके काम करता है। बता दें, IP एड्रेस इंटरनेट से जुड़े हर डिवाइस का एक यूनिक एड्रेस होता है।

19 अक्टूबर

नौसेना का अत्याधुनिक उन्नत हल्का हेलिकॉप्टर ए एल एच श्रीलंका पहुंचा

● भारतीय नौसेना का अत्याधुनिक उन्नत हल्का हेलिकॉप्टर (ए.एल.एच.) श्रीलंका वायुसेना के कटुनायके बेस पहुंचा। इस हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल श्रीलंका वायुसेना के पायलटों को नौसेना के पोत पर डैक-लैंडिंग में प्रशिक्षित करने में किया जाएगा। यह दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य श्रीलंका वायुसेना के पायलटों को ए.एल.एच. हेलीकॉप्टर के बारे में जानकारी देना और उन्हें सह-चालक के रूप में अनुभव प्रदान करना है। पायलटों को श्रीलंका नौसेना के पोत के डैक पर हेलीकॉप्टर उतारने का गहन प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इससे पहले मार्च 2022 में भी ए.एल.एच. हेलिकॉप्टर श्रीलंका भेजे गए थे और इन पर श्रीलंका वायुसेना के पायलटों को प्रशिक्षण दिया गया था।

● अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि इजरायल और फिलिस्तीनी आतंकी-

समूह हमास के बीच जारी संघर्ष के कारण पैदा हुए तनाव को कम करने के प्रयासों के हिस्से के रूप में मिस्र मानवीय सहायता के लिए अपनी सीमा को खोलने पर सहमत है। इस सहमति के साथ 20 ट्रकों को गाजा में प्रवेश करने की अनुमति पर सहमति बनी है। राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा कि उन्होंने मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी से टेलीफोन पर बातचीत की। इस बातचीत के दौरान उन्होंने इस मानवीय सहायता की अनुमति दी। मिस्र के राष्ट्रपति ने एक बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने रफाह सीमा के जरिए गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने के तरीकों पर फोन पर बातचीत की।

20 अक्टूबर

डेटा आधारित निर्णय लेने के लिए सीबीएसई ने विकसित किया सॉफ्टवेयर

● केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड-सीबीएसई ने डेटा आधारित निर्णय लेने को बढ़ाने के

लिए विद्या समीक्षा केंद्र के हिस्से के रूप में विद्या समीक्षा सॉफ्टवेयर- सागर से सारांश विकसित किया है। इस सॉफ्टवेयर का लक्ष्य निर्णय लेने और शासन में बड़ी सफलता हासिल करने के लिए डेटा और प्रौद्योगिकी का फायदा उठाना है। इस सॉफ्टवेयर में 28 हजार से अधिक सीबीएसई स्कूलों, 13 लाख से अधिक शिक्षकों और लगभग तीन करोड़ छात्रों का डेटा होगा। सीबीएसई के सूचना प्रौद्योगिकी और परियोजना निदेशक डॉ. अंतरिक्ष जौहरी ने कहा कि डेटा का उपयोग सीबीएसई शिक्षा प्रणाली की समग्र निगरानी को बढ़ाने और स्कूलों में शैक्षणिक संवर्धन परियोजनाओं के प्रभावी विश्लेषण के लिए किया जाएगा।

● संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतेरेस ने गाजा पट्टी में फंसे लोगों के लिए शीघ्र, बिना किसी रोक-टोक के मानवीय सहायता प्रदान करने की अपील की है। मिस्र के विदेश मंत्री सामेह शोकरी के साथ कल काहिरा में गुतेरेस ने तत्काल मानवीय आधार पर संघर्ष विराम किये जाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि भोजन, पानी, दवाओं और ईंधन की बड़े पैमाने पर आवश्यकता है और इसे बनाये रखे जाने की भी जरूरत है।

● सूचना और प्रसारण मंत्रालय का प्रकाशन विभाग इंडिया राष्ट्रीय पंडाल के हिस्से के रूप में 75वें फ्रैंकफर्ट पुस्तक मेले में भाग ले रहा है। प्रकाशन विभाग का स्टॉल तथा इंडिया राष्ट्रीय पंडाल का उद्घाटन फ्रैंकफर्ट में भारतीय वाणिज्य दूतावास में वाणिज्यिक दूत विनोद कुमार ने किया था। दुनिया के प्रतिष्ठित पुस्तक मेलों में शामिल फ्रैंकफर्ट पुस्तक मेला 19 अक्टूबर को शुरू हुआ था और 22 अक्टूबर तक चलेगा। प्रकाशन विभाग ने कहा है कि पुस्तक मेले में सांस्कृतिक, इतिहास, सिनेमा, आत्मकथा, धरती और लोग, गांधीवादी साहित्य और बाल साहित्य से जुड़े विषयों पर पुस्तकें प्रदर्शित की हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

वर्ष 40, अंक 43 23.10.2023 से 29.10.2023
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - मनीष सिंह
- सम्पादक - रंजना चितले
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

लोकतंत्र और मताधिकार

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। लोकतंत्र में लोक और तंत्र मिलकर निर्णय लेते हैं। चूंकि निर्णय लेने की प्रक्रिया में सभी नागरिक प्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं हो सकते, इसलिए लोग अपने प्रतिनिधि को चुनते हैं, इस स्थिति में यहां चुनाव महत्वपूर्ण है। चुनाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया का प्रतीक है। जिसकी जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए चलाए जाने वाले शासन का तंत्र निर्मित करने में बड़ी भूमिका है। चुनाव वह प्रक्रिया है जिसमें नागरिक अपना प्रतिनिधि चुनते हैं। यही जनप्रतिनिधि शासन चलाते हैं। लाखों करोड़ों लोगों के निर्णय प्रत्यक्ष न लिये जाकर चुनाव प्रक्रिया से चुने गए प्रतिनिधियों द्वारा लिये जाते हैं। जनता के प्रतिनिधियों द्वारा चलने वाला शासन ही लोकतंत्र में जनता का शासन है। इस तरह नागरिक नीतियों के निर्माण और शासन चलाने में अप्रत्यक्ष रूप से अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से सम्मिलित होते हैं। इस स्थिति में निर्वाचित प्रतिनिधियों का निर्णय महत्वपूर्ण हो जाता है। लोगों द्वारा चुने गये प्रतिनिधि ही देश का शासन और प्रशासन चलाने में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। इन प्रतिनिधियों को चुनाव अथवा निर्वाचन द्वारा चुना जाता है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में इन प्रतिनिधियों का निर्वाचन एक महत्वपूर्ण पक्ष है।

किसी भी लोकतांत्रिक देश के संविधान में चुनाव के लिये कुछ मूलभूत नियम होते हैं। इनमें कौन मत देने योग्य है, कौन चुनाव लड़ने योग्य है, कौन चुनाव की व्यवस्था देखेंगे, नागरिक अपना प्रतिनिधि कैसे चुनेंगे, कैसे मतगणना होगी और प्रतिनिधियों का चुनाव कैसे हो यह सभी शामिल हैं। चुनाव को संचालित करने के लिये सभी लोकतांत्रिक देश अपने देश में निर्वाचन आयोग का गठन करते हैं। हमारे देश में भारत निर्वाचन आयोग चुनाव प्रक्रिया को स्वतंत्र और निष्पक्ष संपन्न करवाने के लिये प्रतिबद्ध है। भारत निर्वाचन आयोग देश का संवैधानिक निकाय है, जिसका गठन संविधान निर्माताओं द्वारा 1950 में किया गया था। यह आयोग चुनाव संपन्न करने की व्यवस्था करता है। इसके लिये प्राधिकार और नियम हैं जो संपूर्ण प्रक्रिया को न्यायपूर्ण बनाते हैं।

लोकतांत्रिक चुनाव में नागरिक अपने वोट से यह तय करते हैं कि उन्हें किस प्रतिनिधि को चुनना है अथवा कौन चुनाव जीतेगा। चुनाव में नागरिक अपने मताधिकार का उपयोग करके अपना प्रतिनिधि चुनता है और उन्हें शासन सौंपता है। जनता द्वारा मत देने और नीति निर्मित करने वाले प्रतिनिधियों को चुनने का अधिकार ही नागरिक का मताधिकार है। अत: चुनाव में मताधिकार ही लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल है। यह मताधिकार संप्रभुता की व्यक्तिगत अभिव्यक्ति भी है। लोकप्रिय संप्रभुता का सार है सबके द्वारा लिया गया निर्णय, जो सबको प्रभावित करता है। मताधिकार इसी उद्देश्य को पूर्ण करता है। इस तरह नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करने में चुनाव की महत्वपूर्ण भूमिका है।

भारत ने प्राचीनकाल में ही कर लिया था साइकोसोमेटिक चिकित्सा का विकास

भारत के मनीषियों ने अपने शोध और अनुसंधान से विज्ञान की परम्परा विकसित की। भारत की वैज्ञानिक प्रगति विश्व के लिए कौतुहल का विषय रहा है। हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की खुदाई से मिले साक्ष्य इस बात का प्रमाण हैं कि उस समय लोगों में विज्ञान की समझ ही नहीं कई खोजे भी हुई थीं। प्राचीनकाल में भारत में विज्ञान की सबसे बड़ी उपलब्धियों में महर्षि सुश्रुत के द्वारा खोजी गई शल्य चिकित्सा है, दुनिया उन्हें फादर ऑफ सर्जरी मानती है। नागार्जुन ने रसायन विज्ञान को जन्म दिया। वस्तुत: मनुष्य और विज्ञान का विकास एक साथ होता है। वेबर ने कहा कि दर्शन के बिना विज्ञान वैसा है जैसे एकता या संगठन के बिना कोई समूह, आत्मा के बिना शरीर, इसी प्रकार विज्ञान के बिना दर्शन ऐसा है, जैसे शरीर के बिना आत्मा। धातु विज्ञान, वस्त्र निर्माण, भवन निर्माण और परिवहन व्यवस्था का विकास सिन्धु सभ्यता के समय हो चुका था। भारत में प्राचीनकाल से चिकित्सा के क्षेत्र में वैज्ञानिकों की अग्रणी भूमिका रही है। यहां शल्य चिकित्सा वैज्ञानिक पद्धति के आधार पर की जाती थी। भारत के चिकित्सा वैज्ञानिकों ने शारीरिक इलाज के साथ मस्तिष्क के इलाज की तकनीकी विकसित की थी। बिना मस्तिष्क इलाज के शारीरिक इलाज पूरी तरह से सम्भव नहीं हो सकता है। डॉक्टर सबसे बड़ी गलती यह करते हैं कि वे मस्तिष्क और इस पर पड़ने वाले प्रभाव को समझे बिना सिर्फ शरीर का इलाज करने की कोशिश करते हैं, जबकि मस्तिष्क और शरीर आपस में जुड़े हुए हैं और उनका अलग-अलग इलाज नहीं किया जाना चाहिए। आज दुनियाभर में साइकोसोमेटिक डिसिज बड़ी समस्या है इसलिए दुनिया के कई देश साइकोसोमेटिक चिकित्सा का विकास कर रहे हैं जबकि भारत में इस तरह की चिकित्सा का विकास प्राचीनकाल में हो गया था। साइकोसोमेटिक बीमारियों का इलाज भारतीय प्रकृति, दर्शन और विज्ञान तीनों पक्षों को मिलाकर किया जाता था। इसीलिए भारत में इन बीमारियों का बचाव तथा निदान संभव था। भारत ने मानव चिकित्सा के साथ पशु चिकित्सा पर भी ध्यान दिया है। भारत में गम्भीर से गम्भीर बीमारियों के इलाज सम्भव हैं। यहां चेचक, हैजा, यलो फीवर, कैंसर और पोलियो जैसी गम्भीर बीमारी को जड़ से खत्म करने की पहल हुई है। वर्तमान में कोरोना के समय में वैश्विक स्तर पर भारत के चिकित्सा वैज्ञानिकों ने दुनिया को राह दिखाने का काम किया है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

एक बूंद स्याही का लोकतांत्रिक उत्सव

यह उत्सव है एक बूंद स्याही का। यह उत्सव है लोकतंत्र को समृद्ध और सशक्त बनाने का। यह उत्सव है एक पारदर्शी और जिम्मेदार सरकार के चयन का। यह उत्सव है एक आम आदमी के अधिकार को उपयोग करने का। यह उत्सव है एक बूंद स्याही अंगुली में टपका कर इस बात की आश्वस्ति का कि भारत के लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हैं और हमारा संविधान उनके मौलिक अधिकारों की रक्षा करता है।

भारत का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा और समृद्ध लोकतंत्र है। सर्वधर्म-समभाव के साथ लोकतंत्र के मंदिर स्वरूप विधायिका कार्य करती है। इसे सुचारु और पारदर्शी बनाने के लिए विधि-सम्मत सामान्य स्थिति में प्रत्येक पांच वर्ष में विधानसभा एवं लोकसभा के चुनाव कराये जाते हैं। इस वर्ष 2023 में देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। राजनीतिक हस्तक्षेप एवं मतदाताओं को लुभाने से बचाने के लिए चुनाव आयोग ने आचार संहिता लागू की है जिसमें सरकार तो चुनाव परिणाम आने तक बनी रहेगी लेकिन लोक-लुभावन घोषणा करने की उसकी शक्ति क्षीण हो गई है। अब वह एक तरह से केयरटेकर सरकार होती है और चुनाव परिणाम के साथ नई सरकार का गठन होता है। चुनाव की तारीख घोषित हो जाने के साथ ही जिन राज्यों में चुनाव होना है, उनमें आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो जाती है। यह सब क्रिया और प्रक्रिया चुनाव को पारदर्शी बनाने की प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए होता है। मतदाता भ्रमित ना हों और ना ही किसी भी राजनीतिक दल के बहकावे में आकर अपने विशिष्ट मत का, अपने अधिकार का उपयोग कर सकें।

भारत की संघीय व्यवस्था में पहला आम चुनाव 1952 को हुआ था और इसके बाद राज्य विधानसभा चुनाव का सिलसिला आरंभ हुआ। संवैधानिक प्रक्रिया के अनुरूप प्रत्येक पांच वर्ष के लिए सरकारों का चयन किया जाता है किन्तु कुछ विषम स्थितियों में इनका कार्यकाल कम भी हो जाता है। आजादी के बाद 1952 से वर्ष 2023 तक भारतीय समाज में ऐसी विकट स्थिति का निर्माण भी हुआ है जब सरकारें अपनी नियत पांच वर्ष की अवधि पूर्ण नहीं कर पायी हैं जिसे हम मध्यावधि चुनाव कहते हैं। मध्यावधि चुनाव में भी वही सम्पूर्ण प्रक्रिया का पालन करना होता है ताकि एक स्वच्छ एवं स्थायी सरकार का निर्माण हो सके।

ग्राम पंचायत के चुनाव से लेकर विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव में एक-एक वोट कीमती होता है। यह वोट आम आदमी की ताकत है जो अपनी पसंद की सरकार का चयन करता है। भारतीय संविधान में भारत के प्रत्येक नागरिक जिनकी आयु 18 वर्ष या उससे ऊपर की है, उन्हें मताधिकार दिया गया है। वोट देना सिर्फ एक अधिकार नहीं है; यह लोकतंत्र का एक मूलभूत स्तंभ है जो नागरिकों को अपने देश के भविष्य को आकार देने का अधिकार देता है। भारत में, वोट डालने का कार्य अत्यधिक महत्व रखता है, क्योंकि यह लाखों लोगों के सपनों, चिंताओं और आकांक्षाओं को आवाज देता है। इस महत्वपूर्ण नागरिक कर्तव्य का पालन करके, प्रत्येक नागरिक बेहतर भारत की दिशा में काम करते हुए परिवर्तन का संवाहक बन जाता है।

समय परिवर्तन एवं बढ़ती आबादी की जरूरत के अनुरूप मतदान की प्रक्रिया में भी काफी परिवर्तन हुए हैं। मतदान एक ऐसी प्रक्रिया होती है जो जनता द्वारा अपने प्रतिनिधि को अपना मत देखकर स्वीकार करती है। मतदान की बदली विधि और कुछ जरूरी तथ्य पर गौर करें-

1. प्राचीन मतदान डिब्बे से लेकर आज के वोटिंग मशीन तक हम अलग-अलग तरीके बदल चुके हैं।
2. पहले आम चुनाव में प्रत्येक उम्मीदवारों के लिए पोलिंग बूथ के अंदर मत पेटियां रखी जाती थीं। आज वोटिंग मशीनों का आविष्कार हो चुका है जिससे मतदाता मत देते हैं।
3. प्रत्येक बॉक्स में उम्मीदवार का नाम और उसका प्रतीक बॉक्स के अंदर और बाहर दोनों जगह प्रदर्शित होता था।
4. मतदाता को पसंदीदा उम्मीदवार के नाम पर मोहर लगानी होती थी।
5. पहले मतदान की प्रक्रिया बहुत ही जटिल थी किंतु आज हर व्यक्ति के लिए मतदान की प्रक्रिया सरल हो चुकी है। जनता अपना मत देकर अपने पसंदीदा व्यक्ति का चुनाव करती है और अपने जनप्रतिनिधि के रूप में चयन करती है।

भारतीय संविधान ने धर्मनिरपेक्षता का सिद्धांत मानते हुए और व्यक्ति की महत्ता को स्वीकारते हुए, अमीर गरीब के अंतर को, धर्म, जाति एवं संप्रदाय के अंतर को, तथा स्त्री पुरुष के अंतर को मिटाकर प्रत्येक वयस्क नागरिक को देश की सरकार बनाने के लिए अथवा अपना प्रतिनिधि निर्वाचित करने के लिए वोट देने का अमूल्य अधिकार प्रदान किया गया है। इस दृष्टि से भी भारतीय जनतंत्र का विशेष महत्व है। वहीं पश्चिमी देशों में, जनतांत्रिक प्रणाली अब विकसित हो चुकी है, एकाएक सभी वयस्क नागरिकों को मताधिकार नहीं प्रदान किया गया था। धीरे धीरे, सदियों में, उन्होंने अपने सभी वयस्क नागरिकों को मताधिकार दिया है।

कौन कर सकता है वोट

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 326 एक सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार को निर्वाचित सरकार के सभी स्तरों के चुनावों के आधार के रूप में परिभाषित करता है। सार्वजनिक मताधिकार से तात्पर्य है कि सभी नागरिक जो 18 वर्ष और उससे अधिक उम्र के हैं, उनकी जाति या शिक्षा, धर्म, रंग, प्रजाति और आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद वोट देने के लिए स्वतंत्र हैं।

मतदान की पुरानी व्यवस्था क्या थी

हालांकि नवीन संविधान लागू होने के पूर्व भारत में 1935 के 'गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट' के अनुसार करीब 13 प्रतिशत जनता को मताधिकार प्राप्त था। मतदाता की अर्हता प्राप्त करने की बड़ी-बड़ी शर्तें थीं। केवल अच्छी सामाजिक और आर्थिक स्थिति वाले नागरिकों को मताधिकार प्रदान किया जाता था। अनेक लोगों को मतदान की इस पुरानी व्यवस्था के बारे में जानकारी ही नहीं है।

अनिवार्य मतदान क्या है

भारत में अनिवार्य मतदान की व्यवस्था नहीं है और यही कारण है कि व्यवस्था और अपने जनप्रतिनिधि से नाराज मतदाता कई बार चुनाव का बायकाट करने का ऐलान कर देते हैं लेकिन अनिवार्य मतदान का कानून होता तो किसी चुनाव में मतदाता को अपना मत देना या मतदान केन्द्र पर उपस्थित होना अनिवार्य होता। यदि कोई वैध मतदाता, मतदान केन्द्र पहुंचकर अपना मत नहीं देता है तो उसे पहले से घोषित कुछ दण्ड का भागी बनाया जा सकता है।

मध्यप्रदेश में मतदाताओं की स्थिति

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 के परिप्रेक्ष्य में मतदाता सूची में करीब 17 लाख मतदाता बढ़े हैं। प्रदेश में सामान्य मतदाताओं की संख्या 5 करोड़ 60 लाख 60 हजार 925 हो गई है। इसमें पुरुष मतदाता 2 करोड़ 88 लाख 25 हजार 607 और महिला मतदाता 2 करोड़ 72 लाख 33 हजार 945 एवं थर्ड जेंडर 1373 हैं। रक्षा सेवा के मतदाता की संख्या 75 हजार 304 है, जिसमें पुरुष 73 हजार 20 और महिला मतदाता 2 हजार 284 हैं। इस प्रकार प्रदेश में कुल 5 करोड़ 61 हजार 36 हजार 229 मतदाता दर्ज हैं। इनमें 6 लाख 53 हजार 640 वरिष्ठ मतदाता और 5 लाख 5 हजार 146 दिव्यांग मतदाता और 99 अप्रवासी भारतीय हैं।

मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन के अनुसार विशेष पुनरीक्षण-2023 में 16 लाख 83 हजार 790 नए मतदाता शामिल हुए हैं। 18-19 साल की उम्र के पहली बार मतदान करने वाले 22 लाख 36 हजार 564 वोटर हो गए हैं, जो आने वाले विधानसभा चुनाव में पहली बार वोट डालेंगे। वहीं, 80 या इससे अधिक उम्र के मतदाताओं की संख्या 6 लाख 53 हजार 640 है। इसमें 100 वर्ष की उम्र पार करने वाले 5124 मतदाता हैं। इसमें पुरुष 1500 और महिलाओं की संख्या 3500 से ज्यादा है। इस बार चुनाव में एक हजार पुरुषों पर 945 महिला मतदाता हैं।

सबसे कम मतदाता- बालाघाट विधानसभा क्षेत्र के सोनेवानी मतदान केंद्र में सबसे कम 42 मतदाता हैं।

अधिक मतदान केंद्र- सिवनी के लखनादौन विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 407 मतदान केंद्र हैं।

सबसे कम मतदान केंद्र- इंदौर के इंदौर-3 विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम मतदान केंद्र 193 हैं।

आयुवार मतदाताओं की संख्या

18 से 19 वर्ष - 22,36,564
20 से 29 वर्ष - 1,41,76,780
30 से 39 वर्ष - 1,45,03,508
40 से 49 वर्ष - 1,06,87,673
50 से 59 वर्ष - 74,85,436
60 से 69 वर्ष - 43,45,064
70 से 79 वर्ष - 19,72,260
80 वर्ष से ज्यादा - 6,53,640

7 लाख 50 हजार से ज्यादा के नाम हटाए

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जानकारी दी कि मध्यप्रदेश में 2 अगस्त से 4 अक्तूबर के मध्य 24 लाख 33 हजार 965 मतदाताओं के नाम जोड़े गए। वहीं, 7 लाख 50 हजार 175 मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। इस तरह कुल 16 लाख 83 हजार 790 मतदाताओं की संख्या में वृद्धि हुई। 15 लाख 1 हजार 146 मतदाताओं के विवरणों में संशोधन की कार्रवाई की जा रही है।

मनोज कुमार

(लेखक : समसामयिक विषय पर लेखन करते हैं।)

वोटिंग मशीन

ईवीएम मतदान की सबसे तेज, सुरक्षित और प्रभावी प्रणाली

नवंबर माह में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम के मतदाता अपने मत का उपयोग कर जनप्रतिनिधियों का चुनाव करेंगे। ऐसा करने के लिए उन्हें मतदान केंद्र जाना होगा और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में अपने पसंदीदा उम्मीदवार के सामने की बटन दबानी होगी। लोकतंत्र के इस पर्व में अपने मत का उपयोग करने से पहले मतदाताओं और आम लोगों को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के बारे में जान लेना जरूरी है। इस लेख में हम इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के बारे में सभी जरूरी जानकारियां दे रहे हैं।

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन क्या है?

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) मतदाता के मतों को दर्ज करने का एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है। इस मशीन में एक कंट्रोल यूनिट और एक बैलेटिंग यूनिट होती है, जो पांच-मीटर केबल से जुड़ी होती हैं। ईवीएम की कंट्रोल यूनिट पीठासीन अधिकारी या मतदान अधिकारी के पास रखी जाती है और बैलेट यूनिट को मतदान कम्पार्टमेंट के अंदर रखा जाता है। कंट्रोल यूनिट के प्रभारी मतदान अधिकारी कंट्रोल यूनिट पर मतपत्र बटन दबाकर एक मतपत्र जारी करते हैं। इसके बाद मतदाता अपनी पसंद के अभ्यर्थी और प्रतीक के सामने बैलेट यूनिट पर नीले बटन को दबाकर अपना वोट डालता है।

ईवीएम का उपयोग करने के फायदे

यह 'अविधिमान्य मत' डाले जाने की संभावना को पूरी तरह से समाप्त कर देता है, जिसे कागज मतपत्र व्यवस्था के दौरान, प्रत्येक निर्वाचन के दौरान बड़ी संख्या में देखा जाता था। कई मामलों में 'अविधिमान्य मतों' की संख्या जीत के अंतर से अधिक हो जाती थी, जिसके कारण ढेरों शिकायतें और मुकदमें होते थे। इस प्रकार, ईवीएम ने निर्वाचक की पसंद के अधिक प्रामाणिक और ठीक-ठीक प्रतिफल को संभव बनाया। ईवीएम के उपयोग से प्रत्येक निर्वाचन के लिए लाखों की संख्या में मतपत्रों की छपाई से छुटकारा मिलता है। इससे कागज, छपाई, परिवहन, भंडारण और वितरण की लागत के हिसाब से भारी बचत होती है। मतगणना की प्रक्रिया अत्यन्त तीव्र होती है और परिणाम पारंपरिक मत-पत्र प्रणाली के तहत औसतन 30-40 घंटों की तुलना में 3 से 5 घंटे के भीतर घोषित किया जा सकता है। इसके अन्य लाभ निम्न हैं -

सुरक्षित और निष्पक्ष - ईवीएम चुनाव प्रक्रिया को सुरक्षित और निष्पक्ष बनाती है। यह वोटर की जरूरी जानकारी को सुरक्षित रखती है और मानव त्रुटियों के कम होने की संभावना होती है।

तेजी और प्रभावी - ईवीएम वोटिंग प्रक्रिया को तेज और प्रभावी बनाती है। वोटर्स अपना वोट तेजी से डाल सकते हैं, जिससे वोटिंग प्रक्रिया कम समय में पूरी हो सकती है।

प्राकृतिक संसाधनों की बचत : पेपर बैलट की तुलना में ईवीएम वोटिंग प्रक्रिया कागज की भारी खपत को कम करती है। यह पेड़ों की कटाई को भी कम करती है और प्राकृतिक संसाधनों की बचत करती है।

गलतियों की कम संभावना - ईवीएम से वोटिंग के दौरान मानव त्रुटियों की संभावना कम होती है। यह वोटर द्वारा की जाने वाली गलतियों की संभावना को भी कम करती है।

ट्रांसपेरेंसी - ईवीएम चुनाव प्रक्रिया को औपचारिकता और पारदर्शिता के साथ संचालित करने में मदद करती है। यह वोटर की सामान्य जानकारी को सुरक्षित रखती है और चुनाव प्रक्रिया की गुणवत्ता और स्थिरता को बढ़ावा देती है।

- ईवीएम का पहली बार 1982 में केरल के 70-पारूर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में इस्तेमाल किया गया था।
- ईवीएम के लिए बिजली की आवश्यकता नहीं होती है। ईवीएम भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा जोड़ी गई एक साधारण बैटरी पर चलती है।
- वीवीपीएटी (वोटर वेरिफाएबल पेपर ऑडिट ट्रेल) भी पावर बैटरी पर चलती है।
- वीवीपीएटी युक्त ईवीएम का पहली बार उपयोग नागालैंड के 51-नोकसेन (अ.ज.जा.) विधानसभा क्षेत्र के उप निर्वाचन में किया गया था।
- भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उपयोग की जा रही ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) अधिकतम 2,000 मत दर्ज कर सकती है।

अधिकतम कितने उम्मीदवारों के लिए ईवीएम से चुनाव कराया जा सकता है?

एम2 ईवीएम जो 2006 से 2010 के बीच इस्तेमाल की गई, उसमें नोटा सहित अधिकतम 64 अभ्यर्थियों के निर्वाचन कराए जा सकते हैं। एक बैलेटिंग यूनिट में 16 अभ्यर्थियों के लिए प्रावधान होता है। यदि अभ्यर्थियों की कुल संख्या 16 से अधिक होती है, तो 4 बैलेटिंग यूनिटों को जोड़कर अधिक से अधिक 64 अभ्यर्थियों तक के लिए एक से अधिक बैलटिंग यूनिट्स जोड़ी जा सकती हैं। हालांकि एम3 ईवीएम जो 2013 के बाद आई, उस ईवीएम से 24 बैलटिंग इकाइयों को जोड़कर नोटा सहित अधिकतम 384 अभ्यर्थियों के लिए निर्वाचन कराया जा सकता है।

यदि किसी मतदान केंद्र में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन खराब हो जाए तो?

यदि किसी मतदान केंद्र की ईवीएम यानी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन खराब हो जाती है, तो उसे नई ईवीएम के साथ बदल दिया जाता है। जब ईवीएम खराब हुई हो तो उस समय तक दर्ज किए गए मत कंट्रोल यूनिट की मेमोरी में सुरक्षित रहते हैं और खराब इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन को नई ईवीएम से बदलने के बाद मतदान प्रक्रिया को जारी रखा जाता है और ऐसी किसी भी स्थिति में मतदान को शुरुआत से शुरू करने की कोई आवश्यकता नहीं होती। मतगणना के दिन दोनों कंट्रोल यूनिट्स में दर्ज मतों को गिना जाता है, जिससे उस मतदान केंद्र का पूर्ण योग परिणाम प्राप्त हो सके।

क्या बार-बार बटन दबाने से एक से अधिक बार मतदान संभव है?

नहीं, ऐसा कभी नहीं हो सकता, क्योंकि जैसे ही बैलेटिंग यूनिट की बटन को दबाया जाता है, उस विशेष अभ्यर्थी के लिए मत दर्ज हो जाता है और मशीन लॉक हो जाती है। यहां तक कि अगर कोई उस बटन को दोबारा या किसी अन्य बटन को दबाता है, तो भी आगे कोई मत दर्ज नहीं किया जाएगा। इस तरह ईवीएम 'एक व्यक्ति, एक मत' के सिद्धांत को सुनिश्चित करती है। अगला मत केवल तभी संभव हो पाता है जब कंट्रोल यूनिट के पीठासीन अधिकारी या प्रभारी मतदान अधिकारी मतपत्र बटन को दबाकर मतपत्र जारी करते हैं।

मतदाता यह कैसे सुनिश्चित करे की ईवीएम सही काम कर रही है?

जब मतदाता अपनी पसंद के उम्मीदवार और प्रतीक चिन्ह के सामने का नीला बटन दबाता है, तो उस उम्मीदवार के प्रतीक चिन्ह के सामने की बत्ती लाल रंग में जल उठती है और एक लंबी बीप की ध्वनि सुनाई देती है। इस प्रकार ध्वनि और लाल बत्ती दोनों संकेतों के जरिए मतदाता यह विश्वास कर सकता है कि उसका मत सही तरह से दर्ज हो गया है। इसके अलावा वीवीपीएटी पेपर स्लिप के रूप में मतदाता को एक अतिरिक्त सत्यापन उपलब्ध कराया जाता है ताकि वह इस बात के प्रति सुनिश्चित हो सके कि उसका मत उसकी पसंद के उम्मीदवार को सही तरह से गया है।

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन को किसने डिजाइन किया है?

ईवीएम को सार्वजनिक क्षेत्र के दो उपक्रमों भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बैंगलोर और इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद के सहयोग से निर्वाचन आयोग की तकनीकी विशेषज्ञ समिति द्वारा तैयार और डिजाइन किया गया है। ईवीएम का विनिर्माण इन दोनों उपक्रमों द्वारा किया जाता है।

वोटर वेरिफायबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी)

वोटर वेरिफायबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से जुड़ी एक स्वतंत्र प्रणाली होती है, जो मतदाताओं को यह सत्यापित करने में मदद करती है कि उनका मत उनकी इच्छा के अनुरूप पड़ा है। जब कोई मत डाला जाता है, तो अभ्यर्थी के नाम, क्रम संख्या और प्रतीक वाली एक पर्ची प्रिंट होती है और 7 सेकंड के लिए एक पारदर्शी खिड़की के माध्यम से दिखाई देती है। उसके बाद यह पर्ची वीवीपीएटी (वोटर वेरिफाएबल पेपर ऑडिट ट्रेल) के सीलबंद ड्रॉप बॉक्स में गिर जाती है।

ईवीएम और वीवीपीएटी की प्रथम स्तरीय जांच कौन करता है?

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) और इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) के अधिकृत इंजीनियर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि की मौजूदगी में जिला निर्वाचन अधिकारी के नियंत्रण में और उप जिला निर्वाचन अधिकारी की सीधी निगरानी में ईवीएम और वीवीपीएटी की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) करते हैं और इसकी वीडियोग्राफी की जाती है।

क्या किसी विशेष मतदान केंद्र पर ईवीएम के आवंटन के बारे में पहले से जानना संभव है?

नहीं, बैलट यूनिट में अभ्यर्थियों के नामों की व्यवस्था वर्णमाला के क्रम में, पहले राष्ट्रीय और राज्य मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के लिए, उसके बाद अन्य राज्य पंजीकृत दलों के लिए और फिर निर्दलीयों के लिए होती है। इस स्थिति में अभ्यर्थी जिस क्रम में बैलेट यूनिट पर दिखाई देते हैं, वह अभ्यर्थियों के नामों और उनकी दलीय संबद्धता पर निर्भर होता है और उसका पहले से पता नहीं लगाया जा सकता है। वहीं ईवीएम को चुनाव आयोग द्वारा विकसित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन ट्रैकिंग सॉफ्टवेयर के माध्यम से दो चरणों के द्वारा मतदान केंद्र को आवंटित किया जाता है। ईवीएम की प्रथम स्तरीय जांच के बाद विधानसभा निर्वाचन में क्षेत्रवार आवंटित करने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी स्तर पर ईवीएम का पहला आवंटन राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि की उपस्थिति में किया जाता है। उसके बाद ईवीएम की कमीशनिंग से पहले रिटर्निंग ऑफिसर स्तर, अभ्यर्थियों या उनके एजेंटों की उपस्थिति में ईवीएम का दूसरा आवंटन किया जाता है ताकि उन्हें मतदान केन्द्रवार आवंटित किया जा सके।

- निशा त्यागी

(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं और समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं)

राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों के लिए दिशा-निर्देश

राजनैतिक दल या अभ्यर्थी ऐसी गतिविधि में शामिल न हों जो भ्रष्ट आचरण एवं अपराध है

भोपाल, मध्यप्रदेश में 9 अक्टूबर से विधानसभा निर्वाचन-2023 की आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श चुनाव आचरण संहिता के संबंध में राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। आयोग द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार सामान्य आचरण के तहत किसी भी राजनीतिक दल या अभ्यर्थी को ऐसी किसी गतिविधि में शामिल नहीं होना चाहिए, जिससे भिन्न जातियों और धार्मिक या भाषायी समुदायों के बीच विद्यमान मतभेद अधिक गंभीर हो सकते हैं या परस्पर नफरत हो सकती है या तनाव पैदा हो सकता है। यदि राजनीतिक दलों की आलोचना की जाए, तो यह उनकी नीतियों और कार्यक्रमों, गत रिकॉर्ड और कार्य तक ही सीमित रखी जाएगी। दलों और अभ्यर्थियों को अन्य दलों के नेताओं या कार्यकर्ताओं की सार्वजनिक गतिविधियों से असंबद्ध निजी जीवन के सभी पहलुओं की आलोचना करने से बचना होगा। असत्यापित आरोपों या मिथ्या कथन के आधार पर अन्य दलों या उनके कार्यकर्ताओं की आलोचना करने से बचना होगा।

निर्वाचन विधि के अधीन अपराध है

सभी दल और अभ्यर्थी ऐसी सभी गतिविधियों से ईमानदारी से परहेज करेंगे जो निर्वाचन विधि के अधीन भ्रष्ट आचरण एवं अपराध हैं जैसे कि मतदाताओं को घूस देना, मतदाताओं को डराना-धमकाना, मतदाताओं का प्रतिरूपण मतदान केंद्रों से 100 मीटर की दूरी के अंतर्गत प्रचार करना, मतदान समाप्त होने के लिए निर्धारित समय के समाप्त होने वाले 48 घंटों की अवधि के दौरान सार्वजनिक सभाएं आयोजित करना और मतदाताओं को मतदान केन्द्रों तक लाने-ले जाने के लिए परिवहन और वाहन उपलब्ध कराना। हर व्यक्ति के शांतिपूर्ण और बाधारहित घरेलू जीवन के अधिकार का सम्मान किया जाएगा, फिर चाहे राजनीतिक दल और अभ्यर्थी उनकी राजनीतिक राय या गतिविधियों से कितने भी अप्रसन्न हों।

अनुमति के बिना कुछ नहीं

कोई भी राजनैतिक दल या अभ्यर्थी अपने अनुयायियों को किसी भी व्यक्ति की अनुमति के बिना उसकी भूमि, भवन, परिसर की दीवारों इत्यादि पर झंडा लगाने, बैनर लटकाने, सूचना चिपकाने, नारा लिखने इत्यादि की अनुमति नहीं देगा। राजनैतिक दल और अभ्यर्थियों द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उनके समर्थक अन्य दलों द्वारा आयोजित सभाओं और जुलूसों में बाधा खड़ी नहीं करेंगे या उन्हें भंग नहीं करेंगे। किसी राजनैतिक दल के कार्यकर्ता या समर्थक अन्य राजनीतिक दल द्वारा आयोजित सार्वजनिक सभा में मौखिक या लिखित रूप में सवाल पूछकर या अपने दल के पर्चे बांटकर बाधा उत्पन्न नहीं करेंगे।

राजनीतिक दल या अभ्यर्थी, जुलूस में भाग लेने वाले लोगों के पास मौजूद ऐसी वस्तुओं जिनका अवांछनीय लोगों द्वारा दुरुपयोग किया जा सकता है, पर अधिकतम संभव सीमा तक नियंत्रण रखेंगे। किसी भी राजनीतिक दल या अभ्यर्थी द्वारा अन्य राजनीतिक दलों के सदस्यों या उनके नेताओं को निरूपित करने वाले पुतले ले जाने, जनता के बीच इन पुतलों को जलाने और इस तरह के अन्य प्रकार के प्रदर्शन का समर्थन नहीं किया जाएगा।

मतदान दिवस के लिये राजनीतिक दल और अभ्यर्थी

सभी राजनीतिक दल और अभ्यर्थी शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित मतदान और मतदाताओं को किसी भी तरह से परेशान किए बिना या कोई अड़चन पैदा किए बिना उन्हें अपने मताधिकार का उपयोग करने की पूरी स्वतंत्रता का सुनिश्चय करने के लिए निर्वाचन ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों के साथ सहयोग करेंगे। अभ्यर्थी अपने प्राधिकृत कार्यकर्ताओं को उचित बैज और पहचान पत्र प्रदान करेंगे। इस बात पर सहमति देंगे कि उनके द्वारा मतदाताओं को प्रदान की गई पहचान पर्ची सादे (सफेद) कागज पर होगी और उस पर कोई प्रतीक, अभ्यर्थी का नाम या दल का नाम नहीं होगा। मतदान के दिन और इससे 48 घंटे पहले शराब देने या बांटने से दूर रहेंगे। राजनीतिक दलों और अभ्यर्थियों द्वारा मतदान बूथों के पास लगाए गई शिविरों के निकट भीड़ इकट्ठा नहीं होने देंगे, जिससे दलों के कार्यकर्ताओं और समर्थकों और अभ्यर्थियों के मध्य टकराव और तनाव से बचा जा सके।

विश्व एनिमेशन दिवस 28 अक्टूबर

जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बना एनिमेशन

28 अक्टूबर को भारत सहित विश्व के कई देशों में अंतर्राष्ट्रीय एनिमेशन दिवस मनाया जाता है। एनिमेशन कला, जिसे हम 'जीवित चित्रण' भी कहते हैं, एक समय की धारा है। एनिमेशन में किसी कथानक को अलग-अलग फ्रेम्स के माध्यम से आकर्षक तरीके से तेजी से बदला जाता है, जिससे तैयार होता है एक चलचित्र। विश्व एनिमेशन दिवस पर, हम सभी को यह सोचने का अवसर मिलता है कि कैसे हम इस कला का समाहित करके, नए और रोचक चरित्रों को जीवंत करके, एक बेहतर और निरंतर बदलती दुनिया में योगदान कर सकते हैं। यह दिन एनिमेशन कला के महत्व को समझने और इसे बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। विश्व एनिमेशन दिवस हमें याद दिलाता है कि किस प्रकार एनिमेशन कला हमारे दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह न केवल मनोरंजन का स्रोत है, बल्कि एक शिक्षात्मक और साहित्यिक माध्यम भी है जिसके द्वारा हम विश्व के साथ जुड़ते हैं। यह दिन पेरिस में 28 अक्टूबर, 1892 में एमिल रेनॉड के थिएटर ऑप्टिक के पहले सार्वजनिक प्रदर्शन की याद दिलाता है। 28 अक्टूबर, 1892 का दिन था जब चार्ल्स-एमिल रेनॉड और उनके थिएटर ऑप्टिक ने पहली बार पेरिस के ग्रीविन म्यूजियम में अपना पहला प्रोडक्शन 'पैंटोमीम्स ल्यूमिनस' पेश किया था। यह तीन कार्टूनों 'पौवर पिप्रोट', 'अन बॉक' और 'ले क्लाउन एट सेस चिएन्स' का कलेक्शन था। विश्व एनिमेशन दिवस की शुरुआत वर्ष 2002 में अंतर्राष्ट्रीय एनिमेटेड फिल्म एसोसिएशन (ASIFA) द्वारा की गई थी, जो UNESCO का एक सदस्य है। ASIFA प्रत्येक वर्ष कार्यक्रम आयोजित कर एक मूल कला पोस्टर बनाने के लिए एक कलाकार का चयन करता है।

सन् 1895 और 1920 के बीच, सिनेमाई उद्योग के उदय के दौरान, कई अलग-अलग एनिमेशन तकनीकों का पुन: आविष्कार या नव विकास किया गया, जिसमें वस्तुओं, कठपुतलियों, मिट्टी या कटआउट के साथ स्टॉप-मोशन और चित्रित एनिमेशन शामिल थे। हाथ से बनाया गया एनिमेशन, ज्यादातर सीएल पर चित्रित एनिमेशन, 20वीं सदी के समय में प्रमुख तकनीक थी और इसे पारंपरिक एनिमेशन के रूप में जाना जाने लगा। एनिमेटेड फिल्में कहानी कहने, दृश्य कला और रंगमंच की प्राचीन परंपराओं का हिस्सा हैं। फिल्म से पहले चलती छवियों के साथ लोकप्रिय तकनीकों में जादू लालटेन शो में छाया नाटक, यांत्रिक स्लाइड और मोबाइल प्रोजेक्टर शामिल हैं। काल्पनिक त्रि-आयामी चलती आकृतियों वाली तकनीकों में मुखौटे और वेशभूषा, कठपुतली शामिल हैं। सचित्र बच्चों की किताबें, कैरिकेचर, राजनीतिक कार्टून और विशेष रूप से कॉमिक स्ट्रिप्स एनिमेशन का ही एक हिस्सा है, जो दृश्य शैलियों और हास्य के प्रकारों पर बहुत अधिक प्रभाव डालते हैं। 1928 में मिकी माउस और मिन्नी माउस अभिनीत स्टीमबोट विली ने सिंक्रोनाइज्ड ध्वनि वाली फिल्म को लोकप्रिय बनाया और अमेरिका के वॉल्ट डिज्नी के स्टूडियो को एनिमेशन उद्योग में सबसे आगे खड़ा कर दिया। मिकी माउस की अपार सफलता को अमेरिकी एनिमेशन के स्वर्ण युग की शुरुआत के रूप में देखा जाता है। 1950 के दशक से टेलीविजन पर एनिमेशन बहुत लोकप्रिय हो गया था।

भारत में एनिमेशन का इतिहास अत्यंत प्राचीन और सशक्त है। जब विश्व के महत्वपूर्ण देश इस कला से अनभिज्ञ थे उस समय भी हमारे देश में, छाया-कठपुतली परंपराओं में कहानियों को बताने के लिए छवियों का उपयोग किया जाता था। एक उल्लेखनीय उदाहरण आंध्रप्रदेश राज्य का थोलू बोम्मालता (कठपुतलियों का नृत्य) है। इसमें इस्तेमाल की जाने वाली कठपुतलियां आकार में आदमकद होती थीं, जिनमें कई जोड़ होते थे। दोनों तरफ आकर्षक और चटख रंगों से उन्हें सजाया जाता था। जिसकी रंगीन छायाएं स्क्रीन पर प्रदर्शित की जाती थीं। परदे के पीछे से आती संगीत की स्वरलहरियां इसके आकर्षण को और भी बढ़ा देते थे। लोक कथाओं और भारत के महाकाव्य महाभारत और रामायण की प्रस्तुतियां दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देती थी। 'मैजिक लालटेन' नामक उपकरण का उपयोग करके हाथ से पेंट की गई कांच की स्लाइडों की एक श्रृंखला बनाकर उसका प्रदर्शन करना भी उन दिनों खूब लोकप्रिय हुआ था। महादेव गोपाल पटवर्धन और उनके बेटे ने 19वीं सदी के अंत में भारत के कुछ हिस्सों में मैजिक लालटेन पर आधारित कई शो किये। इसमें संवाद, कथन, गीत और पृष्ठभूमि संगीत जैसे तत्व जोड़े गए। पहला सार्वजनिक शो 20 फरवरी, 1892 को कल्याण, मुंबई में आयोजित किया गया था।

भारतीय सिनेमा के पितामह दादा साहब फाल्के ने देशवासियों को 1930 में ही एनिमेशन तकनीक से रूबरू करा दिया था। लघु फिल्म द ग्रोथ ऑफ ए पी प्लांट ने टाइम-लैप्स फोटोग्राफी की अवधारणा पेश की। जिसमें प्रति दिन एक फ्रेम शॉट था। 1915 में दादा साहब फाल्के ने एनिमेटेड लघु फिल्म अंकाड्यांची मौज (माचिस की तीली) का निर्माण किया। इसके बाद लक्ष्मीचा गैलिचा (एनिमेटेड सिक्के) और विचित्र शिल्प (निर्जीव एनिमेशन) आए। 1934 में, साउंडट्रैक वाली पहली भारतीय एनिमेटेड फिल्म, ऑन ए मूनलाइट नाइट, रिलीज़ हुई थी। गुनामोय बनर्जी द्वारा निर्देशित और न्यू थिएटर्स लिमिटेड द्वारा निर्मित द पी. ब्रदर्स, 23 जून, 1934 को कलकत्ता में रिलीज़ हुई, यह सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली पहली भारतीय एनिमेटेड फिल्म थी।

भारत अमेरिका, फ्रांस, जापान, कनाडा सहित कई देशों में 28 अक्टूबर को विश्व एनिमेशन दिवस मनाया जाता है। इस दिन को एनिमेशन कला के प्रशंसकों के बीच मनाया जाता है। इस दिन एनीमेटर्स, एनिमेशन कलाकारों और फिल्म निर्माताओं के बीच एनिमेशन कला के महत्व को प्रमोट करने और समझाने का प्रयास किया जाता है। वर्तमान समय में इस तरह के आयोजन और भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं, क्योंकि एनिमेशन के क्षेत्र में पिछले कुछ समय से तेजी से विकास हुआ है। कम्प्यूटरीकरण, इंटरनेट, मोबाइल और विज्ञान के अन्य साधनों ने एनिमेशन की पहुंच घर-घर तक बढ़ा दी है। वर्तमान समय में एनिमेशन का क्षेत्र बहुत ही महत्वपूर्ण और उत्कृष्ट तरीके से विकसित हो रहा है। 3D और वर्चुअल रियलिटी एनिमेशन के क्षेत्र में अद्वितीय बदलाव लेकर आया है। VR तकनीक ने दर्शकों को अपने दृश्यों में घुसने का मौका दिया है और इसे वीडियो खेलों, शिक्षा, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में लागू किया जा रहा है। वीडियो गेम्स एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जहां एनिमेशन का उपयोग ज्यादा होता है। वास्तविकता से जुड़े और ग्राफिक्स से भरपूर खेलों की मांग लगातार बढ़ रही है। हॉलीवुड और अन्य फिल्म उद्योगों में एनीमेटेड फिल्मों की मांग में वृद्धि हुई है। एनिमेशन फिल्में बच्चों के साथ-साथ वयस्कों के बीच पॉपुलर हो रही हैं और इनमें कहानियों की गहरी और ग्राफिक्स की उच्च गुणवत्ता शामिल है। एनिमेशन के रूप में छोटे वीडियो क्लिप्स, मीम्स और ग्राफिक्स सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। यह सामग्री उपयोक्ताओं को आकर्षित करने और गंभीर संदेशों को आसानी से साझा करने का माध्यम बन गई है। एनिमेशन का उपयोग शिक्षा के क्षेत्र में भी हो रहा है, जैसे की शिक्षा आधारित वीडियो, डिजिटल पठन, आदि शिक्षा को सुगम और सुरुचिपूर्ण बना रही है।

कॅरियर के अवसर

आधुनिकीकरण के साथ-साथ जैसे-जैसे एनिमेशन का दायरा और ख्याति बढ़ रही है, वैसे-वैसे इस क्षेत्र में अवसर और सम्भावनायें भी बढ़ी हैं। एनिमेशन में कॅरियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए विभिन्न संस्थान डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्सेज चलाते हैं। बारहवीं कक्षा के बाद एनिमेशन में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए ढेरों विकल्प हैं। कुछ विश्वविद्यालय एनिमेशन कला के लिए विशिष्ट पाठ्यक्रम चला रहे हैं। कुछ संस्थाएं 3D एनिमेशन के विकास और शिक्षा पर आधारित कोर्सेज भी चला रही हैं। गेम डिजाइन और वीडियो गेम डेवलपमेंट के तरीकों और विकास के बारे में अलग से कोर्स संचालित किये जा रहे हैं। कॅरियर और डिजिटल एनिमेशन जैसे पाठ्यक्रम छात्रों को एनिमेशन और मल्टीमीडिया क्षेत्र में कॅरियर के लिए तैयार करते हैं। एनिमेशन में कॅरियर बनाने के लिए सॉफ्टवेयर का उपयोग आवश्यक है इसलिए इसकी विस्तृत जानकारी होनी जरूरी है। एनिमेशन के कई कॅरियर विकल्प हो सकते हैं, जैसे कि 2D और 3D एनिमेशन, वीडियो गेम डिजाइन, एनिमेशन स्टूडियो में काम, वेब विकास, फिल्म उद्योग, टेलीविजन, और एनिमेशन शॉर्ट फिल्म निर्माण।

एनिमेशन कला का विकास हमारी संस्कृति, सभ्यता और तरक्की से जुड़ा है। कठपुतली कला, छाया लालटेन अथवा मुखौटों से शुरू हुआ यह सिलसिला कम्प्यूटर, 2डी, 3डी जैसे अत्याधुनिक तकनीक तक आ पहुंचा है। एनिमेशन आज हमारे जीवन का अटूट और महत्वपूर्ण हिस्सा है। मनोरंजन की सीमा को पार करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, साहित्य और हमारे रोज़मर्रा के कामों में एनिमेशन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

- वीणा सबलोक पाठक

(लेखिका सम-सामयिक विषयों पर लिखती हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये सामान्य ज्ञान- खेल

1. टोक्यो ओलिंपिक में किस देश ने पुरुष हॉकी वर्ग का स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) बेल्जियम (ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) भारत (द) द. कोरिया

2. वर्ष 2018 में किस देश में फीफा फुटबॉल वर्ल्डकप का आयोजन किया गया था?
(अ) ब्राजील (ब) रूस
(स) जर्मनी (द) कतर

3. वर्ष 2021 में किस देश ने डेविस कप का खिताब जीता था?
(अ) कनाडा (ब) क्रोएशिया
(स) रूस (द) जापान

4. इनमें से किस बल्लेबाज के नाम रणजी ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है?
(अ) सुनील गावस्कर
(ब) सचिन तेंदुलकर
(स) अमोल मजुमदार
(द) वसीम जाफर

5. दिग्गज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन का संबंध किस खेल से है?
(अ) हॉकी (ब) एथेलेटिक्स
(स) शतरंज (द) भारोत्तोलन

6. चीन के शटलर लिन डेन ने कितनी बार वर्ल्ड चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) दो बार (ब) तीन बार
(स) चार बार (द) पांच बार

7. किस खिलाड़ी ने सिनसिनाटी ओपन-2023 में पुरुष एकल खिताब जीता है?
(अ) नोवाक जोकोविच
(ब) कार्लोस अलकराज
(स) आंद्रे रूबलेव
(द) डेनिल मेदवेदेव

8. एंडी मरे ने कितने ग्रैंडस्लैम एकल खिताब जीते हैं?
(अ) एक (ब) दो
(स) तीन (द) चार

9. इस वर्ष वर्ल्ड एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप में किस खिलाड़ी ने डेकाथलॉन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) डेमियन वॉर्नर
(ब) पियर्स लेपेज
(स) लिंडन विक्टर
(द) इनमें से कोई नहीं

10. एशियन बैडमिंटन चैम्पियनशिप-2023 में चैम्पियन बनी है?
(अ) अकाने यामागुची
(ब) चेन यूफेई
(स) आनसे यंग
(द) ताई जू यिंग

11. ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक पारी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं?
(अ) सियाजरूल इदरस
(ब) दीपक चाहर
(स) मिशेल स्टार्क
(द) हैरिस राउफ

12. किस बल्लेबाज ने वन-डे विश्वकप के एक एडीशन में सबसे ज्यादा शतक बनाये हैं?
(अ) सचिन तेंदुलकर
(ब) सईद अनवर
(स) कुमार संगाकारा
(द) रोहित शर्मा

13. वर्ष 2022 में किस देश ने एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट जीता था?
(अ) भारत (ब) मलेशिया
(स) द. कोरिया (द) पाकिस्तान

14. मैट्स फिट्जपैट्रिक किस देश के दिग्गज गोल्फर हैं?
(अ) अमेरिका (ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) द. अफ्रीका (द) ब्रिटेन

15. विश्व एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप-2023 में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ के विजेता बने हैं?
(अ) नोआह लॉयल्स
(ब) क्रिस्टियन कोलमैन
(स) मार्सेल जैकब्स
(द) फ्रेड केरले

16. ओलिंपिक खेलों की मेजबानी करने वाला पहला एशियाई देश है?
(अ) चीन (ब) जापान
(स) सऊदी अरब (द) कतर

17. वर्ष 2022 में किस टीम ने आईपीएल का खिताब जीता है?
(अ) चेन्नई सुपर किंग्स
(ब) मुंबई इंडियंस
(स) गुजरात टाइटंस
(द) सनराइजर्स हैदराबाद

18. इनमें से कौन-सा खेल एशियन गेम्स-2022 का हिस्सा नहीं था?
(अ) कबड्डी
(ब) रोलर स्केटिंग
(स) कुराश
(द) आईस हॉकी

19. एशियन गेम्स-2022 में किस खिलाड़ी ने बैडमिंटन में पुरुष एकल वर्ग का स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) एच.एस. प्रणय
(ब) ली शिफेंग
(स) कोडाई नाराओका
(द) शी युकी

20. निक किर्गियोस किस देश के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी हैं?
(अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) कनाडा
(स) चेक गणराज्य (द) ब्रिटेन

21. अदिति गोपीचंद स्वामी किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं?
(अ) बैडमिंटन (ब) निशानेबाजी
(स) तीरंदाजी (द) कबड्डी

22. सुल्तान ऑफ जोहोर कप किस खेल की एक वैश्विक प्रतियोगिता है?
(अ) फुटबॉल (ब) हॉकी
(स) मुक्केबाजी (द) बैडमिंटन

23. फीफा वूमेन वर्ल्डकप-2023 में किस खिलाड़ी ने गोल्डन बॉल पुरस्कार हासिल किया है?
(अ) सेम केर
(ब) जेनिफर हर्मोसो
(स) ऐटाना बोनामाटी
(द) मेगन रेपिनोए

24. एशियन गेम्स-2022 में भारत पदक तालिका में किस स्थान पर रहा?
(अ) पहले (ब) दूसरे
(स) तीसरे (द) चौथे

25. वर्ष 2025 में वर्ल्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप किस देश में आयोजित की जाएगी?
(अ) फ्रांस (ब) इंग्लैंड
(स) इंडोनेशिया (द) भारत

उत्तर

1. (अ), 2. (ब), 3. (स), 4. (द), 5. (स), 6. (द), 7. (अ), 8. (स), 9. (ब), 10. (द), 11. (अ), 12. (द), 13. (स), 14. (द), 15. (अ), 16. (ब), 17. (स), 18. (द), 19. (ब), 20. (अ), 21. (स), 22. (ब), 23. (स), 24. (द), 25. (अ)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

मैनेजमेंट में विशेषज्ञता बनाएगी कॅरियर के बहुआयामी अवसर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुए आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

यकीनन डिजिटल होती दुनिया और देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में मैनेजमेंट में कॅरियर के बहुआयामी अवसर छलांगें लगाकर बढ़ रहे हैं। नए दौर में एमबीए स्पेशलाइजेशन पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। कल तक केवल एमबीए फायनेंस, एमबीए एच.आर., एमबीए फॉरेन ट्रेड, एमबीए मार्केटिंग की ही बात होती थी, लेकिन अब नई विशेषज्ञता के एमबीए भी जोरदार मांग में हैं। इनमें बिजनेस एनालिटिक्स, डिजिटल मार्केटिंग, ग्लोबल एमबीए, हेल्थ केयर मैनेजमेंट, कम्युनिकेशन मैनेजमेंट, इनोवेशन मैनेजमेंट, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट, ई-कॉमर्स, आईटी, ऑपरेशंस, लॉजिस्टिक्स जैसे अधिक बाजार उपयोगी कोर्स शामिल हैं।

देश की तेज विकास दर से मैनेजमेंट में बढ़े कॅरियर के मौके

जिस देश की विकास दर और अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ती है, उस देश में मैनेजमेंट के विभिन्न क्षेत्रों में रोज़गार के मौके बढ़ते हैं। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के द्वारा प्रकाशित विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट 2023 में कहा गया है चालू वित्त वर्ष 2023-24 में जहां वैश्विक विकास दर 3 फीसदी रहेगी, वहीं भारत की विकास दर 6.3 फीसदी रहेगी। साथ ही भारत दुनिया में सबसे तेज विकास दर वाला देश है। चूंकि अमेरिका और रूस के साथ-साथ दुनिया के अधिकांश देशों के द्वारा भारत के साथ लगातार आर्थिक मित्रता के कदम बढ़ाए जा रहे हैं, ऐसे में भारत की सबसे ज्यादा विकास दर के साथ वैश्विक कॅरियर अवसर भी बढ़ने की संभावनाएं बनी हुई हैं।

इसी तरह विश्व बैंक के द्वारा प्रकाशित इंडिया डेवलपमेंट अपडेट रिपोर्ट-2023 में भी कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष में निवेश और मांग के दम पर भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.3 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान

है। रिपोर्ट में कहा गया कि सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था में शामिल भारत की विकास दर उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में औसतन लगभग दोगुनी है। इस ऊंची विकास दर की वजह मजबूत आर्थिक मांग, मजबूत सार्वजनिक बुनियादी ढांचा निवेश और मजबूत वित्तीय क्षेत्र है। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि विश्व बैंक की तरह दुनिया की प्रसिद्ध क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने भी चालू वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की तेज विकास दर के अनुमान प्रस्तुत किए हैं। एसएंडपी ने 6.6 फीसदी और फिच,एडीबी और आई सी डी ने 6.3 फीसदी के अनुमान लगाए है। इसी तरह रिजर्व बैंक ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में भारत की विकास दर 6.5 फीसदी रहने की संभावना है।

वैश्विक व्यापार से भी बढ़ेंगे कॅरियर के मौके

जिस तेजी से भारत का वैश्विक व्यापार बढ़ रहा है उससे भी मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स के लिए कॅरियर के मौके बढ़ रहे हैं। जी-20 से भारत के वैश्विक व्यापार, भारत से निर्यात, भारत में विदेशी निवेश, भारत में विदेशी पर्यटन और भारत के डिजिटल विकास का नया क्षितिज सामने आया है। जी-20 से दुनिया में ग्लोबल सप्लाई चेन में सुदृढ़ता और विश्वसनीयता के मद्देनजर भारत की अहमियत बढ़ी है। जी-20 शिखर सम्मेलन के ऐतिहासिक सफल आयोजन से जहां दुनिया में भारत की डिजिटल अहमियत मजबूत हुई है, वहीं भारत की नई डिजिटल पूंजी भारत की आर्थिक ताकत बनते हुए दिखाई दे रही है। अब भारत जी-20 देशों के साथ-साथ दुनिया के कई अन्य देशों के लिए डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) विकसित करने की नई भूमिका में है।

जहां 55 देशों के प्राकृतिक संपदा संपन्न अफ्रीकी संघ को जी-20 में शामिल कराकर भारत ने वैश्विक पटल पर अपनी कूटनीति का दबदबा बढ़ाया, वहीं चीन के आर्थिक प्रभुत्व वाले अफ्रीकी संघ के देशों में भारत ने चीन का रास्ता रोकने की जोरदार पहल भी की है। भारत की ऐसी विभिन्न आर्थिक व वित्तीय उपलब्धियों से मैनेजमेंट के स्टूडेंट के लिए कॅरियर के मौके बढ़ेंगे।

मैनेजमेंट कॅरियर की स्किल्स

मैनेजमेंट के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए मैनेजमेंट की विशेषज्ञता के साथ अच्छी अंग्रेजी, कम्प्यूटर दक्षता, निर्णय लेने की क्षमता, परिश्रम की प्रवृत्ति, कम्युनिकेशन व टेक्निकल स्किल्स तथा जनसंचार से जुड़ी हुई स्किल्स लाभप्रद होती हैं।

मैनेजमेंट में कॅरियर के आयाम

दुनिया के साथ-साथ भारत में भी मैनेजमेंट का कॅरियर तेजी से बढ़ रहा है। एमबीए से कॅरियर के व्यापक आयाम निर्मित हो रहे हैं। नए दौर में एमबीए के स्टूडेंट्स को बैंकिंग, आईटी, एकाउंट्स, इंश्योरेंस सेक्टर, फाइनेंस इंडस्ट्री, कॉरपोरेट फाइनेंस, कॉरपोरेट बैंकिंग, क्रेडिट रिस्क मैनेजमेंट, एसेट मैनेजमेंट, हेज फंड मैनेजमेंट, प्राइवेट इक्विटी, ट्रेजरी, सेल्स एंड ट्रेडिंग के क्षेत्र में कॅरियर के अधिक मौके बढ़ते जा रहे हैं।

एमबीए के नए दौर के विशेषज्ञता वाले क्षेत्रों में रोज़गार के मौके और बढ़ेंगे

आईटी में एमबीए की विशेषज्ञता की मांग इन दिनों बहुत ज्यादा है। इंटर्नशिप या कार्य अनुभव है, तो शुरुआत में ही अच्छा पैकेज मिल सकता है। इंटरनेशनल बिजनेस में एमबीए की अहमियत बढ़ गई है। इससे अनुसंधान विश्लेषक, डेटा एनालिटिक्स, रिस्क मैनेजर, ग्लोबल बिजनेस डायरेक्टर की अच्छी नौकरी मिल सकती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एमबीए की मांग उभरकर सामने आ रही है।

बिजनेस एनालिटिक्स और बिग डेटा में एमबीए की अहमियत इसलिए बढ़ी है, क्योंकि इससे विस्तृत आधार पर व्यवसाय की नीति बनाने संबंधी विशेषज्ञता में माहिर बना जा सकता है। ई-कॉमर्स में एमबीए युवाओं को ऑनलाइन व्यापार चलाने के विविध पहलुओं में पारंगत किया जाता है। इसमें ई-बिजनेस कंसल्टेंट, एडवरटाइजिंग एंड प्रमोशन मैनेजर, डेटाबेस, एडमिनिस्ट्रेटर, सप्लाई चेन मैनेजर के पदों पर अच्छी नौकरी मिलती है।

उद्यमिता में एमबीए की मांग इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि इस समय भारत को दुनिया में स्टार्टअप्स के लिए जाना है। कार्य अनुभव के आधार पर वरिष्ठ उत्पाद प्रबंधक, बिजनेस इंटेलिजेंस मैनेजर, कस्टमर सक्सेस मैनेजर जैसे पदों पर अच्छा वेतन प्राप्त होता है।

मैनेजमेंट में कॅरियर कैसे बनाएं?

मैनेजमेंट के क्षेत्र में कॅरियर बनाने की शुरुआत बारहवीं के बाद से की जा सकती है। बारहवीं के उपरांत बीबीए, बीएमएस जैसी स्नातक स्तर की अनेक डिग्रियां मौजूद

हैं। इसके अलावा एमबीए स्नातकोत्तर स्तर के भी कई एकीकृत पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। देश और दुनिया के कई विश्वविद्यालयों से एमबीए के ऑनलाइन कोर्स भी किए जा सकते हैं। नौकरी के दौरान भी विभिन्न प्रकार के एमबीए करके स्किल्स बढ़ा सकते हैं। एमबीए के साथ अच्छे कारोबारी संस्थान से इंटर्नशिप की बड़ी अहमियत है। इससे बड़ी कंपनियों में काम करना काफी आसान हो जाता है और पैकेज तथा पद अच्छे मिलते हैं। इंटर्नशिप से पेशेवर संपर्क बढ़ते हैं। इतना ही नहीं कई कंपनियां अपने खर्च पर अपने कर्मचारियों को भी एमबीए में विशेषज्ञता कोर्स करने का मौका देती हैं।

एमबीए की प्रवेश परीक्षाओं पर ध्यान देना जरूरी

ग्रेजुएशन के बाद अच्छे कॅरियर के लिए अच्छे एमबीए इंस्टीट्यूट्स में प्रवेश लेना लाभकारी होता है। स्टूडेंट्स को कैट, सीमैट, सीयूईटी जैसी प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी ग्रेजुएशन की पढ़ाई करते समय शुरू कर देना चाहिए। एमबीए की डिग्री हासिल करना ही अच्छे भविष्य की गारंटी नहीं है। एमबीए की डिग्री का अधिक फायदा तभी मिलता है, जब एक अच्छे बिजनेस स्कूल की डिग्री हो। क्योंकि तुलनात्मक रूप से एक अच्छे बिजनेस संस्थान की एमबीए डिग्री आपको मौके ही नहीं, बिजनेस के लिए जरूरी सोच और कौशल भी बढ़ाती है।

देश के इंडियन इंस्टीट्यूट व मैनेजमेंट (सहित विशिष्ट एमबीए संस्थानों, विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और निजी क्षेत्र के कई संस्थानों में एमबीए डिग्री और पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा के कोर्स संचालित किए जाते हैं। यदि आप मैनेजमेंट में अच्छा कॅरियर बनाना चाहते हैं तो एमबीए प्रवेश परीक्षाओं में सफलता के बाद अपनी उपयुक्तता के अनुसार विशेषज्ञता के किसी कोर्स के लिए अच्छे संस्थान का चयन करके कॅरियर की चमकीली डगर पर आगे बढ़ सकते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी
(लेखक, कॅरियर मार्गदर्शन के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

विधानसभा आम निर्वाचन-2023

मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने की गतिविधियों में लाएं तेजी

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग की निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा की

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने भोपाल स्थित आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग के अंतर्गत आने वाले 8 जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक की। श्री राजन ने मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 को लेकर जिलों में की जा रही तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में उपस्थित दोनों संभागों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं पुलिस अधीक्षकों ने अपने-अपने जिलों में की जा रही तैयारियों के बारे में पीपीटी के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक, कानून व्यवस्था, सुरक्षा मध्यप्रदेश एवं राज्य पुलिस नोडल अधिकारी श्री अनुराग, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राकेश सिंह व श्रीमती रुचिका चौहान, भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग के आयुक्त डॉक्टर पवन कुमार शर्मा, दोनों संभागों के पुलिस रेंज के आईजी, डीआईजी सहित भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल एवं हरदा जिले के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक उपस्थित थे।

श्री राजन ने कहा कि दोनों संभागों के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में आपराधिक प्रवृत्ति एवं असामाजिक तत्वों के खिलाफ एनएसए एवं जिला बदर सहित अन्य प्रतिबंधात्मक धाराओं में सख्त कार्रवाई करें। मतदान प्रतिशत बढ़ाने व मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए सभी जिले मतदाता जागरूकता की गतिविधियों में तेजी लाएं। अंतर्राज्यीय एवं अंतर जिला नाकों पर 24 घंटे विशेष निगरानी रखें। अवैध धन, मदिरा, अवैध हथियार एवं अन्य मादक पदार्थ सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री के परिवहन पर अंकुश लगाएं और अभियान चलाकर ऐसी सामग्री जब्त करें। एसएसटी, एफएसटी एवं वीएसटी दलों को पूरी तरह मुस्तैद एवं सतर्क होकर काम करने के लिए आदेशित करें।

श्री राजन ने वल्नरेबल क्षेत्र के मतदान केन्द्रों में सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम करने के निर्देश दिए। संवेदनशील मतदान केन्द्रों की वेबकास्टिंग (लाइव-स्ट्रीमिंग) की पुख्ता व्यवस्थाएं करें।

श्री राजन ने जिलों में स्थापित मतदाता हेल्प डेस्क नंबर 1950 का संचालन पूरी सक्रियता एवं गंभीरता से कराने के निर्देश दिए। श्री राजन ने कहा कि हेल्पडेस्क पर मतदाताओं की ओर से आने वाली हर कॉल को अटेंड किया जाए और उसकी समस्या का समुचित समाधान किया जाए। आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत नागरिक सी-विजिल एप के माध्यम से करें इसके लिए अधिक से अधिक प्रचार प्रसार किया जाए।

श्री राजन ने कहा कि 80 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे बुजुर्ग जो घर से ही मतदान करना चाहते हैं उनसे फॉर्म-12 डी भरवाकर सहमति लें। इसी तरह 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले दिव्यांग मतदाताओं को घर से मतदान करने की सुविधा मुहैया कराई जाना है। जिन मतदान केन्द्रों में 1550 से अधिक मतदाता हैं वहां के मतदाताओं को सुविधाजनक तरीके से वोट डालने की सुविधा प्रदान करने के लिये मुख्य मतदान केंद्र परिसर में या इसके समीप ही सहायक मतदान केन्द्र बनाये जायेंगे, उसका प्रस्ताव भी जल्द से जल्द उपलब्ध कराएं। इसके साथ ही मतगणना स्थल का प्रस्ताव भी भेजें।

सी-विजिल ऐप से हो रहा शिकायतों का त्वरित निवारण

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन वाली शिकायतों के निवारण के लिए सी-विजिल ऐप तैयार किया गया है। इस ऐप के जरिए कोई भी नागरिक राजनैतिक दलों या प्रत्याशियों द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिए किसी भी तरह से धन, सामग्री, जेवरात आदि का वितरण करने, मतदाताओं को उनके पक्ष में मतदान करने के लिए धमकाने, मतदाताओं का स्वयं के वाहन से परिवहन करने, किसी भवन स्वामी की अनुमति के बिना उसके भवन या दीवारों पर प्रचार सामग्री लगाने या दीवार पर विज्ञापन लिखवाने सहित अन्य प्रकार की शिकायत कर सकता है।

इसके लिए नागरिक को ऐसी किसी भी घटना की जानकारी होने पर फोटो या वीडियों सी-विजिल ऐप पर अपलोड करना होगा। शिकायत पर अगले 100 मिनट के भीतर कार्यवाही की जाएगी।

श्री राजन ने बताया कि आदर्श चुनाव आचरण संहिता लागू होते ही सी-विजिल ऐप पर शिकायतें प्राप्त होने लगी हैं। 18 अक्टूबर तक की स्थिति में प्रदेश के सभी जिलों से इस ऐप के माध्यम से कुल 1621 शिकायतें प्राप्त हो चुकी हैं। इन सभी शिकायतों का निराकरण कर दिया गया है।

श्री राजन ने प्रदेश के नागरिकों से अनुरोध किया है कि यदि वे निर्वाचन में आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़ी किसी भी प्रकार की सीधी शिकायत करना चाहते हैं, तो वे सी-विजिल ऐप के माध्यम से कर सकते हैं। इस ऐप के जरिए 100 मिनट में शिकायत का निवारण कर दिया जायेगा। इसके लिए संबंधित नागरिक को गूगल प्ले स्टोर पर जाकर सी-विजिल ऐप को डाउनलोड करना होगा।

मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023

सुविधा ऐप से उम्मीदवार भर सकेंगे ऑनलाइन नामांकन - श्री राजन

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भोपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जिला निर्वाचन अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने मध्यप्रदेश के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों और 230 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक की। बैठक में श्री राजन ने जिला निर्वाचन अधिकारियों और रिटर्निंग अधिकारियों को 21 अक्टूबर से प्रारंभ होने वाली नामांकन प्रक्रिया के बारे विस्तार से चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

श्री राजन ने कहा कि कोई भी अभ्यर्थी ऑफलाइन रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर या सुविधा ऐप के माध्यम से ऑनलाइन नामांकन भी दाखिल कर सकता है। निक्षेप (जमानत) राशि का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से कर सकता है। श्री राजन ने बताया कि नामांकन फॉर्म के साथ अभ्यर्थी को फॉर्म 2 बी नामांकन फॉर्म, फॉर्म 26, शपथ पत्र व बैंक खाते की जानकारी सहित अन्य सभी जरूरी दस्तावेज अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने होंगे। नामांकन भरने की अंतिम तिथि आगामी 30 अक्टूबर है। श्री राजन ने बताया की किसी भी अभ्यर्थी को उसके आपराधिक रिकॉर्ड के प्रकाशन के लिये प्रारूप सी 1 एवं सी 4 देना होगा।

श्री राजन ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों से कहा कि उनके जिले के किसी भी विधानसभा क्षेत्र के किसी भी मतदान केंद्र में 1 हजार 550 से अधिक मतदाता दर्ज हैं तो वहां उसी परिसर में या उसके समीप ही सहायक मतदान केंद्र की स्थापना के प्रस्ताव शीघ्र उपलब्ध कराएं। साथ ही मतगणना केंद्र के प्रस्ताव भी शीघ्रता से दें। अभियान चलाकर शस्त्र जमा कराएं। आदर्श चुनाव आचरण संहिता का सख्ती से पालन कराएं। अवैध धन, जेवरात, अवैध शराब का परिवहन, आपराधिक तत्वों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करें।

श्री राजन ने कहा कि सीमावर्ती जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारी विशेष ध्यान दें और अवैध धन सम्पत्ति, जेवरात, मादक पदार्थ की जब्ती की कार्रवाई करें। इसका व्यापक प्रचार प्रसार भी कराएं। श्री राजन ने कहा की सभी जिला निर्वाचन अधिकारी उनके जिले में चिन्हित नाकों और चौकियों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाकर निगरानी रखें। मतदान प्रतिशत बढ़ाने जागरूकता कार्यक्रमों में गति लाएं। आगामी 21 अक्टूबर से प्रेक्षक जिलों में पहुंचेंगे।

बैठक में राष्ट्रीय स्तर के मास्टर ट्रेनर डॉक्टर राजेश पाटीदार और डॉक्टर वाईपी सिंह ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों और रिटर्निंग अधिकारियों को नामांकन पत्र दाखिल करने की संपूर्ण प्रक्रिया और इस संबंध में रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय में की जाने वाली समस्त व्यवस्थाओं सहित भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए समस्त दिशा-निर्देशों एवं विशेष प्रावधानों के बारे में पीपीटी के जरिए विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश कुमार कोल, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राकेश सिंह, श्रीमती रुचिका चौहान, श्री बसंत कुर्रे, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री प्रमोद शुक्ला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

शस्त्र लायसेंस निलंबित

कलेक्टर ने दिए शस्त्र तत्काल जमा कराने के निर्देश

भोपाल, कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने विधानसभा निर्वाचन की घोषणा होने तथा आदर्श आचरण संहिता लागू हो जाने पर जन सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था की स्थिति बनाये रखने तथा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन हेतु जिले के सभी लायसेंसी शस्त्र निलंबित करते हुए एक सप्ताह में जमा करवाने के आदेश दिए हैं।

श्री सिंह ने आयुध अधिनियम 1959 की धारा 17 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले के शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों के शस्त्र लायसेंस निलंबित किये है। उन्होंने आदर्श आचार संहिता प्रभावशील रहने तक शस्त्र जमा कराये जाने एवं आवश्यकतानुसार छूट प्रदान करने के सम्बंध में भी निर्देश जारी किए हैं।

कलेक्टर द्वारा जारी आदेश अनुसार केन्द्र शासन, राज्य शासन के विभागों में कार्यरत, सेवानिवृत्त अधिकारी, कर्मचारी, केन्द्र, राज्य शासन के उपक्रमों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के कार्यरत, सेवानिवृत्त अधिकारी, कर्मचारियों, बैंक गार्डों एवं ख्याती प्राप्त सपोर्ट श्रेणी हेतु स्वीकृत अनुज्ञप्तिधारियों को छोड़कर जिले के सभी अनुज्ञप्तिधारियों के शस्त्र लायसेंस तत्काल प्रभाव से आदर्श आचार संहिता प्रभावशील रहने तक निलंबित किये गए हैं एवं सभी अनुज्ञप्तिधारियों को शस्त्र तत्काल संबंधित थाने में जमा कराये जाने के लिए निर्देशित किया गया है।

आपराधिक तत्वों पर सख्ती

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए आपराधिक तत्वों के खिलाफ करें सख्त कार्रवाई

ग्वालियर, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने ग्वालियर-चंबल संभाग में स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण तरीके से विधानसभा निर्वाचन सम्पन्न कराने को लेकर की जा रही तैयारियों पर समीक्षा बैठक की। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षकों ने तैयारियों के बारे में जानकारी दी। श्री राजन ने कहा कि दोनों संभागों के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के खिलाफ एनएसए एवं जिला बदर सहित अन्य प्रतिबंधात्मक धाराओं में सख्त कार्रवाई की जाए। जिससे आम मतदाताओं में विश्वास कायम हो और वे निर्भीक होकर अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें। श्री राजन ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये व्यापक स्तर पर मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए।

24 घंटे रखें विशेष निगरानी

श्री राजन ने कहा कि अंतर्राज्यीय एवं अंतर जिला नाकों पर 24 घंटे विशेष निगरानी रखी जाए। धन, मदिरा, अन्य मादक पदार्थ, अवैध हथियारों और आपत्तिजनक सामग्री अभियान चलाकर जब्त करें। सभी जांच दल पूरी तरह मुस्तैद व सतर्क होकर काम करें। श्री राजन ने वल्नरेबल क्षेत्र के मतदान केन्द्रों में सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम करने के निर्देश दिए। वल्नरेबल क्षेत्रों में विशेष मतदाता जागरूता अभियान चलाकर लोगों को भरोसा दिलाएं कि पुलिस और प्रशासन आपकी सुरक्षा के लिये तत्पर हैं।

संवेदनशील व अति-संवेदनशील केन्द्रों के बाहर सीसीटीवी

श्री राजन ने कहा कि संवेदनशील एवं अति-संवेदनशील मतदान केन्द्रों की वेब कास्टिंग की पुख्ता व्यवस्था की जाये। ऐसे मतदान केन्द्रों में जरूरत के अनुसार भीतर के साथ-साथ बाहर भी सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। उन्होंने प्रत्येक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में महिलाओं एवं दिव्यांग अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा संचालित मतदान केन्द्र स्थापित करने के निर्देश दिए। महिला मतदान कर्मियों की सुविधा का ध्यान रखा जाए।

हेल्प-डेस्क नम्बर 1950 का तत्परता से करें संचालन

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने जिलों में स्थापित मतदाता हेल्प-डेस्क नम्बर 1950 का संचालन तत्परता से करने के निर्देश दिए। श्री राजन ने कहा कि हेल्पडेस्क पर मतदाताओं की ओर से आने वाला हर कॉल अटेण्ड हो और मतदाता की समस्या का समाधान भी किया जाए। 80 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे बुजुर्ग जो घर से ही मतदान करना चाहते हैं उनसे फॉर्म-12 डी भरवाकर सहमति लें। इसी तरह 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले दिव्यांग मतदाताओं को यह सुविधा मुहैया कराई जाना है। जिन मतदान केन्द्रों में 1500 से अधिक मतदाता हैं वहाँ के मतदाताओं को सुविधाजनक तरीके से वोट डालने की सुविधा प्रदान करने के लिये सहायक मतदान केन्द्र बनाए जायेंगे।

श्री राजन ने दोनों संभागों के जिला कलेक्टर्स को सहायक मतदान केन्द्र के प्रस्ताव भेजने और मतदाता पहचान पत्रों (इपिक) का वितरण कराने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक, कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा मध्यप्रदेश राज्य पुलिस नोडल अधिकारी श्री अनुराग, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राकेश सिंह, श्रीमती रुचिका चौहान, संभागीय आयुक्त श्री दीपक सिंह, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री डी. श्रीनिवास वर्मा, पुलिस महानिरीक्षक चंबल श्री सुशांत सक्सेना और पुलिस उप महानिरीक्षक सुश्री कृष्णावेणी देशावतु उपस्थित थीं।

डेंगू नियंत्रण के लिए मुख्य सचिव ने की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

भोपाल, डेंगू रोग के बचाव और रोकथाम के लिये मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस की अध्यक्षता में मंत्रालय में समीक्षा बैठक हुई, जिसमें डेंगू रोग पर नियंत्रण और रोकथाम के लिये संचालित गतिविधियों की समीक्षा की गई। अपर मुख्य सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण श्री मोहम्मद सुलेमान, आयुक्त-सह-सचिव स्वास्थ्य डॉ. सुदाम खाड़े, मिशन संचालक एन.एच.एम. श्रीमती प्रियंका दास सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में मुख्य सचिव द्वारा डेंगू बीमारी के नियंत्रण एवं जनसमुदाय की सहभागिता तथा जागरूकता के लिये व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिये गए। उन्होंने बताया कि प्रदेश में डेंगू की पर्याप्त जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि डेंगू के लक्षण आने पर जन-समुदाय को नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में डॉक्टर की सलाह अनुसार जांच एवं उपचार के लिये समझाइश दिया जाना आवश्यक है।

46 हजार से अधिक रोगियों की जांच

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश में अभी तक वर्ष 2023 में 46 हजार से अधिक संभावित रोगियों की जांच में 3 हजार 21 डेंगू प्रकरण पाये गये हैं जिन्हें आवश्यकतानुसार उपचार प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। डेंगू बीमारी डेन वायरस के कारण से होती है। संक्रमित मादा एडीज

मच्छर द्वारा मनुष्यों को काटने से फैलता है। डेंगू से बचाव के लिए जरूरी है कि मच्छर के काटने से अपना बचाव करें।

लोगों को जागरूक करने के निर्देश

बैठक में जन-समुदाय के लिये सुझाव दिया गया कि बुखार एवं डेंगू के लक्षण आने पर स्वयं उपचार न करें, डॉक्टर की सलाह अनुसार ही उपचार लें और पर्याप्त मात्रा में आराम एवं तरल पदार्थ का सेवन करें। घरों के आसपास जल का जमाव नहीं होने दें।

बैठक में बताया गया कि मच्छर (एडीज मच्छर) के प्रजनन को नियंत्रित रखें, सप्ताह में एक बार अनिवार्यतः समस्त जल के पात्र, कंटेनर इत्यादि की जांच कर उनकी साफ-सफाई रखना आवश्यक है, जिससे मच्छरजन्य परिस्थिति को समाप्त किया जा सके। सावधानी रखें सुरक्षित रहें।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

वर्ष 2023 के नोबेल पुरस्कार

साधारण प्रतिभाओं के असाधारण कार्यों को मिला दुनिया का सर्वोच्च सम्मान

विगत सप्ताह वर्ष 2023 के विज्ञान, भौतिकी, अर्थशास्त्र, रसायन, शांति और साहित्य के नोबेल पुरस्कार घोषित किये गये। यह पुरस्कार नोबेल समिति की ओर से दिये जाते हैं। नोबेल पुरस्कार स्वीडन के वैज्ञानिक अल्फ्रेड बर्नाड नोबेल की याद में नोबेल फाउंडेशन हर वर्ष देता है। इसमें उन लोगों को सम्मानित किया जाता है जिन्होंने मानव जाति के लिये सबसे कल्याणकारी काम किये हों। इस अंक में पढ़िये ऐसे ही नोबेल पुरस्कार विजेता व्यक्तित्व के बारे में जिन्होंने अपने उत्कृष्ट कार्य से समाज में एक मिसाल स्थापित की है।

जॉन फॉस को साहित्य का नोबेल पुरस्कार

साहित्य का नोबेल पुरस्कार 2023 नॉर्वेजियन लेखक जॉन ओलाव फॉस को

उनके अभिनव नाटकों और गद्य के लिए दिया गया, जो अकथनीय को आवाज देते हैं। वर्ष 1959 में जन्में जॉन फॉस को व्यापक रूप से वर्तमान के सबसे महत्वपूर्ण लेखकों में से एक माना जाता है। लगभग चालीस वर्षों तक उन्होंने उपन्यास, नाटक, कविताएं, कहानियां, निबंध और बच्चों की किताबें लिखी हैं। उनके पुरस्कार विजेता काम का पचास से अधिक भाषाओं में अनुवाद किया गया है और उनके नाटकों का मंचन पूरी दुनिया में एक हजार से अधिक बार किया गया है। जॉन का पहला उपन्यास, रौड, स्वार्ट (रेड, ब्लैक), 1983 में प्रकाशित हुआ था। लेकिन वह 1981 में एक छात्र समाचार पत्र में प्रकाशित लघु कहानी हान (हे) को अपनी वास्तविक साहित्यिक शुरुआत मानते हैं। फॉस ने अस्सी के दशक से गद्य, कविता और बच्चों की पुस्तकों का लेखन किया, लेकिन एक लेखक के रूप में वे 1989 के उपन्यास नौस्टेट (बोटहाउस) के साथ स्थापित हुए।

ईरान की कार्यकर्ता नरगिस को शांति का नोबेल

वर्ष 2023 का नोबेल शांति पुरस्कार ईरान की मानवाधिकार कार्यकर्ता नरगिस

मोहम्मदी को दिया गया। नरगिस मोहम्मदी को ईरान में महिलाओं के उत्पीड़न के विरुद्ध उनकी लड़ाई और मानवाधिकारों और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है। नोबेल समिति के अध्यक्ष बेरिट रीस-एंडरसन ने कहा, यह महत्वपूर्ण पुरस्कार ईरान की निर्विवाद नेता नरगिस मोहम्मदी के आंदोलन और कार्य को मान्यता देता है।

नरगिस मोहम्मदी ईरान जेल में हैं बंद

नरगिस मोहम्मदी वर्तमान में ईरान की जेल में बंद हैं। ईरान में हुए विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने के बाद अधिकारियों ने मोहम्मदी को गिरफ्तार कर लिया था। मोहम्मदी को 13 बार कैद किया गया और पांच बार दोषी ठहराया जा चुका है। नरगिस को कुल 31 साल जेल की सजा सुनाई गई है। नरगिस मोहम्मदी 22 वर्षीय महसा अमिनी की मौत के बाद हुए देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन के बाद जेल गई। महसा अमिनी की पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद मौत हो गई थी। यह आंदोलन ईरान में वर्ष 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद बड़ी चुनौती के रूप में उभरा। आंदोलन में सरकार की कार्रवाई में 500 से ज्यादा लोग मारे गए जबकि 22 हजार से अधिक को गिरफ्तार किया गया।

प्रो. क्लॉडिया गोल्डिन को मिला अर्थशास्त्र का नोबेल

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर क्लॉडिया गोल्डिन को वर्ष 2023 का

इकोनॉमिक्स का नोबेल पुरस्कार दिया गया है। प्रोफेसर क्लॉडिया गोल्डिन को महिलाओं के श्रम बाजार के परिणामों के बारे में हमारी समझ को बेहतर बनाने के लिए अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की गई। क्लाउडिया गोल्डिन ने सदियों से महिलाओं की आय और श्रम बाजार भागीदारी का पहला व्यापक विवरण प्रदान किया था, उनकी रिसर्च से परिवर्तन के कारणों और महिला पुरुष अंतर के मुख्य स्रोतों का पता चलता है। क्लाउडिया गोल्डिन 1989 से 2017 तक NBER के अमेरिकी अर्थव्यवस्था विकास कार्यक्रम की डायरेक्टर थीं। वह NBER के 'जेंडर इन द इकोनॉमी' समूह की को-डायरेक्टर भी हैं।

कारिको और वीसमैन को चिकित्सा क्षेत्र में नोबेल

मेडिसिन में 2023 का नोबेल पुरस्कार

साइंटिस्ट कैटालिन कारिको और ड्रू वीसमैन को दिया गया है। यह सम्मान उन्हें न्यूक्लियोसाइड बेस संशोधनों से संबंधित उनकी खोजों के लिए प्रदान किया गया है, जिसने कोविड -19 के विरुद्ध प्रभावी एमआरएनए टीकों के विकास को सक्षम किया है।

कैटालिन कारिको के बारे में

मूल रूप से हंगरी की निवासी कैटलिन कारिको एक जानी-मानी हंगेरियन-अमेरिकी बायोकेमिस्ट हैं। उन्हें आरएनए मिडएटेड मैकेनिज्म में विशेषज्ञ माना जाता है। उनका जन्म 17 जनवरी, 1955 में हुआ था। कैटालिन का शोध प्रोटीन थैरेपी के लिए इन विट्रो-ट्रांसक्राइब्ड एमआरएनए का विकास रहा है। उनकी एक पहचान पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर की भी है। पी.एच.डी. करने के बाद कारिको ने हंगरी के जैविक अनुसंधान केंद्र, जैव रसायन संस्थान में अपना शोध और पोस्ट डॉक्टरेट अध्ययन जारी रखा। साल 1985 में जब रिसर्च की फंडिंग समाप्त हो गई तो वह अपने पति और 2 साल की बेटी के साथ हंगरी छोड़कर संयुक्त राज्य अमेरिका चली गईं यहां आकर उन्होंने वैज्ञानिक शोध जारी रखे। कारिको के कार्य में आरएनए-मिडएटेड मैकेनिज्म का वैज्ञानिक अनुसंधान शामिल है। इसी वजह से वो अमेरिकी प्रतिरक्षा विज्ञानी ड्रू वीसमैन के साथ न्यूक्लियोसाइड संशोधनों की खोज में जुट गईं उन्होंने लंबे शोध से तकनीक ईजाद की, उनकी प्रोटीन प्रतिस्थापन तकनीकों को BioNTech और मॉडर्ना द्वारा विकसित करने के लिए लाइसेंस दिया गया है। इसका उपयोग उनके कोविड-19 टीकों के लिए भी किया गया था।

तीन साइंटिस्ट को रसायन का नोबेल

मौंगी जी. बावेंडी, लुईस ई. ब्रूस और अलेक्सी आई. एकिमोव को क्वांटम डॉट्स की खोज और संश्लेषण के लिए दिया गया है। नोबेल प्राइज इन केमिस्ट्री 2023 ने क्वांटम डॉट्स की खोज और विकास को सम्मानित किया है, जो नैनोपार्टिकल्स हैं जिनका आकार उनके गुणों को तय करता है। ये नैनोटेक्नोलॉजी के सबसे छोटे घटक हैं, जो अब अपनी प्रक्रियाओं को टेलीविजन और एईडी लैम्प्स से फैलाते हैं। यह सर्जरी के दौरान डॉक्टरों को ट्यूमर टिश्यू को हटाते समय बहुत उपयोगी हैं।

क्वांटम डॉट्स क्या है

क्वांटम डॉट्स क्यूएलईडी तकनीक पर आधारित कंप्यूटर मॉनिटर और टेलीविजन स्क्रीन को प्रकाशित करते हैं। वे कुछ एलईडी लैंप की रोशनी में बारीकियां भी जोड़ते हैं। जैव रसायनज्ञ और डॉक्टर जैविक ऊतक को मापने में उनका उपयोग करते हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि भविष्य में वे लचीले इलेक्ट्रॉनिक्स, छोटे सेंसर, पतले सौर कोशिकाओं और एन्क्रिप्टेड क्वांटम संचार में योगदान दे सकते हैं इसलिए हमने अभी इन छोटे कणों की क्षमता की खोज शुरू की है।

मौंगी जी. बावेंडी, लुईस ई. ब्रुस और अलेक्सी आई. एकिमोव

मौंगी जी. बावेंडी का जन्म 1961 को पेरिस, फ्रांस में हुआ था। उन्होंने 1988 में यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो, संयुक्त राज्य अमेरिका से डॉक्टरेट किया। वे मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कैम्ब्रिज, एमए, यूएसए में प्रोफेसर हैं।

लुईस ई ब्रूस का जन्म 1943 को क्लीवलैंड, ओएच, यूएसए में हुआ था। उन्होंने 1969 में कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क, यूएसए से डॉक्टरेट किया। वे कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क, यूएसए के प्रोफेसर हैं।

एलेक्सी आई एकिमोव पूर्व यूएसएसआर में 1945 में जन्में थे। उन्होंने 1974 में इओफे फिजिकल-टेक्निकल इंस्टीट्यूट, सेंट पीटर्सबर्ग, रूस से डॉक्टरेट किया। वे नैनोक्रिस्टल टेक्नोलॉजी इंक, न्यूयॉर्क, यूएसए में मुख्य वैज्ञानिक थे।

जानें कौन हैं ड्रू वीसमैन

वर्ष 1959 में जन्में ड्रू वीसमैन एक अमेरिकी चिकित्सक-वैज्ञानिक हैं जिन्हें

आरएनए जीव विज्ञान में उनके योगदान के लिए जाना जाता है। उनके विशिष्ट कार्य ने उन्हें 2023 में चिकित्सा में नोबेल पुरस्कार दिलाया। ड्रू वीसमैन ने एमआरएनए टीकों के विकास को सक्षम करने में मदद की है, जिनमें से सबसे प्रसिद्ध बायोएनटेक, फाइजर और मॉडर्ना द्वारा उत्पादित कोविड-19 शामिल है। वो आरएनए इनोवेशन के लिए पेन इंस्टीट्यूट के निदेशक और पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय (पेन) में पेरेलमैन स्कूल ऑफ मेडिसिन में मेडिसिन के प्रोफेसर हैं। उन्होंने 1981 में ब्रैंडिस यूनिवर्सिटी से बीए और एमए की उपाधि प्राप्त की, जहां उन्होंने जैव रसायन और एंजाइमोलॉजी में पढ़ाई की। उन्होंने गेराल्ड फासमैन की प्रयोगशाला में काम किया। उन्होंने 1987 में बोस्टन विश्वविद्यालय में एमडी और पीएचडी करने के लिए पहले इम्यूनोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी में स्नातक किया।

- देवेन्द्र गौर

(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

तीन वैज्ञानिकों को भौतिकी का नोबेल पुरस्कार

भौतिकी का नोबेल पुरस्कार अमेरिकी वैज्ञानिक पियरे एगोस्टिनी, जर्मन वैज्ञानिक फेरेन्क क्रॉस्ज और स्वीडिश वैज्ञानिक एनी एल हुइलियर को संयुक्त रूप से दिया गया। इनकी खोज भी बेहद सराहनीय है। पहले इलेक्ट्रॉनों की आश्चर्यजनक रूप से तीव्र गति को पकड़ना असंभव माना जाता था, तो वहीं इन तीनों की इस खोज से अब ये संभव हो पाया है।

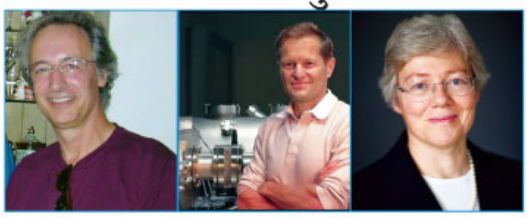

कौन हैं ये तीनों विजेता

- पियरे ऑगस्टिनी अमेरिका की ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं।
- फेरेंक क्रॉस्ज जर्मनी के मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट ऑफ क्वांटम ऑप्टिक्स के निदेशक हैं।
- ऐनी एल हुइलियर स्वीडन के लुंड विवि में आण्विक भौतिकी की प्रोफेसर हैं।

किस खोज के लिए मिला भौतिकी का नोबेल पुरस्कार

पियरे ऑगस्टिनी, फेरेंक क्रॉस्ज और ऐनी एल हुइलियर ने पदार्थों में इलेक्ट्रॉन गतिशीलता के अध्ययन के लिए प्रकाश के एटोसेकेंड पल्स तैयार करने के तरीके खोजे हैं। इसका इस्तेमाल उन तेज प्रक्रिया को मापने के लिए किया जा सकता है, जिनमें इलेक्ट्रॉन चलते हैं या ऊर्जा बदलती है।

उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पद का नाम - निदेशक (संचालन), कार्यकारी निदेशक (व्यवसाय विकास)
पदों की संख्या - 02
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 25 अक्टूबर 2023
वेबसाइट - www.upmetrorail.com

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड

पद का नाम - सहायक प्रबंधक/सीएसआर (ई-1)
पदों की संख्या - 01
योग्यता - 60% अंकों के साथ सामाजिक कार्य में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिग्री
अंतिम तिथि - 30 अक्टूबर 2023
वेबसाइट - www.ircon.org

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान

पद का नाम - वरिष्ठ पुस्तकालय सहायक, तकनीकी सहायक, वरिष्ठ सहायक
पदों की संख्या - उल्लेखित नहीं
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 27 अक्टूबर 2023
वेबसाइट - www.nid.edu/careers

सीएसआईआर - कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान केंद्र, हैदराबाद

पद का नाम - सुरक्षा अधिकारी और एस 01
पदों की संख्या - 03
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 31 अक्टूबर 2023
वेबसाइट - www.ccmb.res.in

दामोदर घाटी निगम

पद का नाम - इंजीनियर (मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, सिविल, सी एंड आई, आईटी और माइनिंग
पदों की संख्या - उल्लेखित नहीं
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 30 अक्टूबर 2023
वेबसाइट - www.dvc.gov.in

सत्यजीत रे फिल्म और टेलीविजन संस्थान, कोलकाता

पद का नाम - संकाय सदस्य/टीचिंग सहायक
पदों की संख्या - उल्लेखित नहीं
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 31 अक्टूबर 2023
वेबसाइट – www.srfti.ac.in

केंद्रीय लुग्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान

पद का नाम – वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, तकनीशियन ग्रुप III, तकनीशियन ग्रुप II
पदों की संख्या - 26
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 30 अक्टूबर 2023
वेबसाइट - www.cppri.res.in

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन

पद का नाम - साइंटिस्ट C, D, E, और F
पदों की संख्या - 51
योग्यता - वैज्ञानिक एफ के लिए 13 वर्ष का अनुभव। वैज्ञानिक ई के लिए 10 वर्ष, वैज्ञानिक डी के लिए 07 वर्ष और वैज्ञानिक सी के लिए 03 वर्ष का अनुभव।
अंतिम तिथि - 17 नवंबर 2023
वेबसाइट - https://www.drdo.gov.in

एडमिशन अलर्ट

टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान

पाठ्यक्रम का नाम - स्नातक कार्यक्रम
योग्यता - पाठ्यक्रमानुसार
अंतिम तिथि - 02 नवंबर 2023
वेबसाइट - https://www.tifr.res.in/academics/admission_centers.phd

स्कॉलरशिप

स्वामी दयानंद एजुकेशन फाउंडेशन

किसके लिये - इसके तहत इंजीनियरिंग, मेडिकल, आर्किटेक्चर जैसे प्रोफेशनल कोर्स सहित अन्य ग्रेजुएशन कोर्स में एडमिशन लेने वाले विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता दी जाएगी।
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त सरकारी या प्राइवेट संस्थान से 12वीं कक्षा में 75 प्रतिशत या 7.5 सीजीपीए से अधिक अंक और 6 लाख रुपये से कम वार्षिक पारिवारिक आय।
क्या मिलेगा - चयनित अभ्यर्थियों को प्रतिवर्ष 50 हजार रुपये तक की सहायता।
अंतिम तारीख - 31 अक्टूबर 2023
वेबसाइट - https://www.swamiday-anand.org/scholarship-india

एचडीएफसी परिवर्तन ईसीएसएस प्रोग्राम

किसके लिये - इस प्रोग्राम का उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों के मेधावी छात्रों की मदद करना।
योग्यता - पहली कक्षा से 12वीं कक्षा, डिप्लोमा, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के साथ छात्र 55 प्रतिशत अंक से पास हो।
क्या मिलेगा - चयनित उम्मीदवारों को एकमुश्त 75 हजार रुपये की स्कॉलरशिप दी जाएगी।
अंतिम तारीख - 31 दिसंबर 2023
वेबसाइट - www.b4s.in/dbl1/HDFC44

सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग

किसके लिये - उच्च शिक्षा व अध्ययन हेतु अनुसूचित जाति वर्ग के 69 लाख छात्रों को छात्रवृत्ति पाने का अवसर।
योग्यता - देश के सभी अनुसूचित जाति के मैट्रिक पास विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। पारिवारिक आय 2.50 लाख प्रति वर्ष।
क्या मिलेगा - चयनित 69 लाख छात्रों को उच्च शिक्षा अध्ययन पाने का अवसर साथ ही 3,500 से लेकर 8000 की स्कॉलरशिप।
बेवसाइट - https://socialjustice.gov.in/schemes/23

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

विश्व पोलियो दिवस 24 अक्टूबर

एक जंग पोलियो के विरुद्ध दो बूंद ज़िंदगी की

दो बूंद ज़िंदगी की का विज्ञापन हम सभी ने टेलीविजन, रेडियो, समाचार पत्र में देखा है। जिसमें पोलियो मुक्त देश-दुनिया बनाने का संदेश दिया जाता रहा है। घर-घर में पल्स पोलियो की खुराक को पिलाने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और स्वास्थ्य सेवा से जुड़े लोग आज भी घर-घर आते हैं। ताकि समाज को पोलियो से मुक्त रखा जा सके। वह पोलियो जिसकी जागरूकता के लिए 24 अक्टूबर को हम प्रतिवर्ष विश्व पोलियो दिवस मनाते हैं...

"ज़िंदगी लोकप्रियता की स्पर्धा नहीं है। यह सबक मैंने बहुत पहले सीख लिया था। मैं किसी चुनाव में खड़ा नहीं होने जा रहा हूं, मैंने वो काम किए हैं जो मुझे बहुत जरूरी लगे।"

इस वाक्य को न सिर्फ कहने बल्कि अपने जीवन में उतारने वाले जोनास साल्क ने संपूर्ण मानव जाति को पोलियो मुक्त कराने में अपना अविस्मरणीय योगदान दिया। पोलियो एक ऐसा रोग, जो कभी जन्म के साथ तो कभी जन्म के बाद सामने आता है, लेकिन एक बार आता है तो व्यक्ति का संपूर्ण जीवन बैसाखियों, व्हील चेयर के भरोसे हो जाता है। हालांकि अब भी पोलियो पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है लेकिन अप्रत्याशित रूप से अवश्य इसकी संख्या में पूरी दुनिया में कमी देखी गई है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार पोलियो वायरस के केस 1980 से ही 99.9 प्रतिशत कम हो चुके हैं। हर साल 24 अक्टूबर को विश्व पोलियो दिवस मनाया जाता है।

इस दिन पोलियो की वैक्सीनेशन का महत्व समझाने के लिए जागरूकता फैलाई जाती है और पोलियो दूर करने के लिए इस लड़ाई में उन देशों का साथ दिया जाता है, जो अब भी पोलियो से जूझ रहे हैं। पोलियो अभी भी पूरी तरह से खत्म नहीं हो पाया है। हमारा देश वर्ष 2014 में पोलियो मुक्त घोषित कर दिया गया था और ऐसा इसके प्रभावी टीकों से ही संभव हुआ है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) पोलियो उन्मूलन के लिए हमेशा प्रयासरत रहा है और हर साल इस लक्ष्य के करीब पहुंचता रहा है। डब्ल्यूएचओ ने लोगों को जागरूक करने के लिए जो कदम उठाए हैं उससे हर व्यक्ति पोलियो को खत्म करने में मदद कर सकता है।

पोलियो को कभी एक अत्यंत सामान्य संक्रामक बीमारी के रूप में जाना जाता था जिसने दुनिया भर में लाखों बच्चों के जीवन को बाधित किया था।

विश्व पोलियो दिवस का इतिहास

विश्व पोलियो दिवस को मनाने की शुरुआत रोटरी इंटरनेशनल द्वारा पोलियो या पोलियोमाइलाइटिस (Poliomyelitis) के खिलाफ टीका विकसित करने वाली टीम का नेतृत्व करने वाले जोनास साल्क के जन्म दिवस के अवसर पर की गई थी। वैश्विक स्तर पर रोग की स्थिति की निगरानी वैश्विक पोलियो उन्मूलन पहल (Global Polio Eradication Initiative- GPEI) द्वारा की जा रही है।

वर्ल्ड पोलियो डे जोन्स साल्क की यादों को ताजा करने के लिए उनके जन्म दिवस 24 अक्टूबर को मनाया जाता है। वह पहले ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने पहली ऐसी टीम को शुरू किया था जो इनैक्टिवेटेड पोलियो वैक्सीन को बनाने में सफल हो पाई थी।

इस दिन को पूरे विश्व में मनाया जाता है और समाज के विभिन्न वर्गों के लोग, समुदायिक संस्थाएं पोलियो के प्रति जागरुकता में अपनी भूमिका निभाते हैं और इसके उन्मूलन में अपना योगदान देते हैं।

पोलियो के लिए प्रभावी वैक्सीन बनाने वाले जोनास साल्क

विश्व पोलियो दिवस हर साल 24 अक्टूबर को जोनास साल्क के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जो अमेरिकी वायरोलॉजिस्ट थे। जिन्होंने दुनिया की पहली सुरक्षित और प्रभावी पोलियो वैक्सीन बनाने में मदद की थी। डॉक्टर जोनास साल्क ने साल 1955 में 12 अप्रैल को पोलियो से बचाव की दवा को सुरक्षित करार दिया था और दुनिया के सामने प्रस्तुत किया था। एक समय यह बीमारी सारी दुनिया के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई थी और डॉ. साल्क ने इसके रोकथाम की दवा ईजाद करके मानव जाति को इस घातक बीमारी से लड़ने का हथियार दिया था।

जब एक ओर करोड़ों का फायदा सामने हो तो लोग इसे जरूर पाना चाहते हैं, लेकिन कुछ लोग दुनिया में ऐसे भी हुए हैं, जिन्होंने पैसों को महत्व ना देते हुए मानवता की भलाई को सर्वोपरी रखा। अमेरिकन मेडिकल रिसर्चर जोनास साक ने पोलियो की वैक्सीन बनाई थी। लेकिन उन्होंने अपनी इस खोज को पेटेंट न करवाने का निर्णय लिया, ताकि आम लोगों को यह उपलब्ध हो सके। पेटेंट कराने से उन्हें करोड़ों रुपए का फायदा हो सकता था, मगर उन्होंने इंसानियत को प्राथमिकता दी। डॉ. सॉल्क का यह योगदान अतुलनीय है।

28 अक्टूबर, 1914 को अमेरिका की न्यूयॉर्क सिटी में जन्में डॉ. जोनास सॉल्क एक चिकित्सक और महान शोधकर्ता थे। जोनास सॉल्क ने साल 1939 में दवा क्षेत्र में एमडी की डिग्री हासिल की और फिर वे माउंट सिनाई अस्पताल में चिकित्सक के रूप में काम करने लगे। शोध में उनकी दिलचस्पी के कारण मिशिगन विश्वविद्यालय में उन्हें एक खास तरह के शोध पर काम करने का मौका दिया। इसके बाद उन्होंने पिट्सबर्ग में रिसर्च लैब प्रमुख रहते हुए पोलियो की दवा बनाने की तकनीक सीखी। आखिरकार विभिन्न चिकित्सा और शोध संस्थानों में काम करते हुए उन्होंने पोलियो का तोड़ ढूंढने में कामयाबी हासिल की। सॉल्क ने पिट्सबर्ग के औषधि विद्यालय में भी काम किया जहां उन्होंने पोलियो की दवा बनाने की तकनीकों को सीखा। डॉ. सॉल्क द्वारा खोजी गई पोलियो वैक्सीन के उपलब्ध होने के ठीक दो साल पहले तक अमेरिका में 45 हजार से भी ज्यादा लोग पोलियो के शिकार हो चुके थे, लेकिन टीके की खोज के बाद 1962 तक मात्र 910 पोलियो संक्रमित रह गए।

डॉ. साल्क की इस खोज को सबसे पहले बंदरों पर आजमाया गया और फिर इसके बाद इसे पोलियोग्रस्त कुछ मरीजों पर प्रयोग किया गया। इसका परिणाम सकारात्मक रहा और फिर इसके बाद डॉ. सॉल्क की इस महान खोज की खबर पूरी दुनिया में फैल गई। साल 1955 में पोलियो की इस दवा को सुरक्षित और असरदार करार दिया गया। आज दुनिया पोलियो से लगभग मुक्त हो चुकी है, जिसमें डॉ. साल्क का योगदान अद्वितीय है।

क्या है पोलियो?

पोलियो या पोलियोमेलाइटिस, एक अपंग यानी विकलांग करने वाली घातक बीमारी है। पोलियो वायरस के कारण यह बीमारी होती है। यह एक काफी तेजी से होने वाली बीमारी है जो ज्यादातर छोटे बच्चों को प्रभावित करती है। व्यक्ति से व्यक्ति में फैलने वाला यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी पर हमला कर सकता है, जिससे पक्षाघात होने की आशंका होती है।

पक्षाघात की स्थिति में शरीर को हिलाया नहीं जा सकता और व्यक्ति हाथ, पैर या अन्य किसी अंग से विकलांग हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रयासों और विभिन्न देशों की सरकारों की दृढ़ता के साथ टीकाकरण अभियान ने दुनिया को पोलियो से बचाया। भारत पिछले 7-8 वर्षों से पोलियो मुक्त हो चुका है। हालांकि दुनिया के कुछ हिस्सों में विकलांगता के कुछ केस सामने आते हैं।

पोलियो के लक्षण

पोलियो से संक्रमित लगभग 72 फीसदी लोग किसी भी लक्षण का अनुभव नहीं करते हैं। संक्रमित लोगों में से लगभग 25 फीसदी में बुखार, गले में खराश, मतली, सिरदर्द, थकान और शरीर में दर्द जैसे लक्षण होते हैं। शेष कुछ रोगियों में पोलियो के अधिक गंभीर लक्षण हो सकते हैं, जैसे कि निम्नलिखित:-

- **पैरेथेसिया-** हाथ और पैर में पिन और सुई चुभने जैसा अनुभव होता है।
- **मेनिनजाइटिस-** मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के आवरण में संक्रमण।
- **पक्षाघात-** पैर, हाथ को स्थानांतरित करने की क्षमता में कमी या अनुपस्थिति और सांस लेने की मांसपेशियों में खिंचाव।

पोलियो के टीके का अविष्कार

दुनियाभर में पोलियो का मुकाबला करने के लिए दो तरह की पोलियो वैक्सीन का ईजाद हुआ। पहला जोनास सॉल्क द्वारा विकसित किया गया टीका, जिसका साल 1952 में पहला परीक्षण किया गया और 12 अप्रैल 1955 को इसे प्रमाणित कर दुनियाभर में उपयोग के लिए प्रस्तुत किया गया। यह निष्क्रिय या मृत पोलियो वायरस की खुराक थी। वहीं, एक ओरल टीका अल्बर्ट साबिन ने भी तनु यानी कमजोर किए गए पोलियो वायरस का उपयोग करके विकसित किया था, जिसका साल 1957 में परीक्षण शुरू हुआ और 1962 में लाइसेंस मिला। सबसे पहले टीका विकसित करने के लिए दुनिया डॉक्टर साल्क का योगदान याद करती है।

- सर्जना चतुर्वेदी
(लेखिका : समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

भारतीय वायु सेना

72 साल बाद मिला नया ध्वज

वायुसेना की 91वीं वर्षगांठ पर भारतीय वायुसेना को नया ध्वज प्रदान किया गया। यह बदलाव 72 वर्ष बाद किया गया है। वायुसेना अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी ने परेड के दौरान झंडा बदलने के साथ वायु योद्धाओं को शपथ दिलवायी।

आईओसी ने

रूसी ओलिंपिक समिति को निलंबित किया

अंतर्राष्ट्रीय ओलिंपिक समिति (आईओसी) ने चार्टर के उल्लंघन के लिए रूसी ओलिंपिक समिति (आरओसी) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।रूस के एथलीट स्वतंत्र रूप में पेरिस ओलिंपिक में हिस्सा ले सकेंगे। रूस के द्वारा अवैध रूप से कब्जा किए गए चार यूक्रेनी क्षेत्रों के क्षेत्रीय संगठनों को मान्यता के बाद यह कदम आरओसी द्वारा आया।

स्टोनमैन विली

अमेरिका में 128 साल बाद चोर का शव दफनाया

अमेरिका में 128 साल बाद एक चोर का शव दफनाया गया। स्टेनमैन विली की बॉडी करीब 128 साल तक प्रदर्शनी का हिस्सा बनी रही। 19 नवंबर 1895 में अमेरिका के पेंसिलवेनिया की जेल में किडनी फेल होने से उसकी मौत हुई थी। जेल अधिकारियों ने काफी समय तक चोर के रिश्तेदारों की खोज की, लेकिन जब वे नहीं मिले तो उसने शव को अंतिम संस्कार गृह को सौंप दिया।

एडन हजार्ड

पेशेवर फुटबॉल से संन्यास लिया

बेल्जियम के 32 साल के फुटबॉलर एडन हजार्ड ने पेशेवर फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने चेल्सी की ओर से खेलते हुए दो बार प्रीमियर लीग खिताब जीते। वहीं रियल मैड्रिड की ओर से खेलते हुए क्लब वर्ल्डकप, यूरोपियन सुपरकप, दो ला लिगा, कोपा डेल रे जीते। हजार्ड ने कहा कि 16 साल और 700 से ज्यादा मैच खेलने के बाद संन्यास की घोषणा करता हूं।

सियाचिन में

पहला मोबाइल टावर लगाया गया

बीएसएनएल ने दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में पहला मोबाइल टावर स्थापित किया है। सियाचिन वॉरियर्स के सहयोग से 15,500 फीट की ऊंचाई पर स्थापित बीएसएनएल बीटीएस (बेस ट्रांसीवर स्टेशन) से सेना के जवान को मोबाइल कनेक्टिविटी मिल सकेगी।

स्टेफनी फ्रेपार्ट

पुरुष फुटबॉल मैच की पहली महिला रेफरी

फ्रांस की स्टेफनी फ्रेपार्ट ऐतिहासिक वेंबले स्टेडियम में किसी पुरुष इंटरनेशनल फुटबॉल मैच में आफिशियल पहली महिला रेफरी बनीं। स्टेफनी ने 14 अक्टूबर 2023 को हुए इंग्लैड और ऑस्ट्रेलिया के इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच में रेफरी की भूमिका बखूबी निभाई। इससे पहले भी स्टेफनी ने रफरीशिप के कई रिकॉर्ड अपने नाम किए थे। उन्होंने वर्ल्डकप 2022 में भी पहली महिला रेफरी बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था।

इवान गेर्शकोविच

गिरफ्तार पत्रकार की रूस में अपील खारिज

मॉस्को सिटी की एक अदालत से अमेरिकी रिपोर्टर इवान गेर्शकोविच को बड़ा झटका लगा। जासूसी के आरोप में रूस की हिरासत में लिए गए वॉल स्ट्रीट जर्नल के इस रिपोर्टर की अपील खारिज हो गई है। अब 30 नवंबर 2023 तक इवान को जेल में ही रहना होगा।मॉस्को सिटी कोर्ट में पेशी के लिए पहुंचे पत्रकार को अपील खारिज होने पर मायूस देखा गया। ज्ञात रहे कि एक माह से भी कम समय में दूसरी बार मॉस्को की अदालत से उनकी अपील खारिज हुई है।

बंगाल के रसगुल्ले

भारतीय डाक की पहल से भेज सकेंगे विदेश

पश्चिम बंगाल के प्रसिद्ध रसगुल्ले और अन्य मिठाइयों को विदेश भेजने के लिए भारतीय डाक ने विशेष पहल की है। इसके लिए स्पेशल कुरियर सर्विस की शुरुआत की गई है। भारतीय डाक विभाग के पश्चिम बंगाल सर्कल द्वारा शुरू की गई विशेष सेवा का लाभ उठाकर अब पश्चिम बंगाल के लोग अपने प्रियजनों को विदेशों में पसंदीदा बंगाल के रसगुल्ले भेज सकेंगे। ''पैक्ड रसगुल्ले'' भेजने के लिए पैकेजिंग की जिम्मेदारी भेजने वाले की होगी।

समिया सुलुहु हसन

तंजानिया की राष्ट्रपति को डॉक्टरेट की उपाधि

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने तंजानिया की महिला राष्ट्रपति सामिया सुलुहु हसन को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से विभूषित किया। उन्हें यह मानद उपाधि भारत-तंजानिया संबंधों को मजबूत करने, आर्थिक कूटनीति को बढ़ावा देने तथा क्षेत्रीय एकीकरण बहुपक्षवाद में सफलता हासिल करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए प्रदान की गई है। इस मौके पर तंजानिया की राष्ट्रपति ने खुद को भारतीय शिक्षा की देन बताया।

कोच टीटे

ब्राजील के पूर्व कोच फ्लामेंगो से जुड़े

ब्राजील फुटबाल टीम के पूर्व कोच टीटे अब अपने ही देश के क्लब फ्लामेंगो को कोचिंग देंगे। उन्होंने जुलाई 2024 तक का करार क्लब को सेवाएं देने के लिए किया है। ब्राजील ने पिछले साल दिसंबर में वर्ल्ड कप क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के बाद 62 साल के टीटे को पद से हटा दिया था। फ्लामेंगो ने 28 सितबंर को कोच जॉर्ज सेम्पोली को हटाया था। सेम्पोली क्लब को ट्रॉफी दिलाने में नाकाम रहे थे।

निक्की हेली ने

तीसरी तिमाही में जुटाए रिकॉर्ड 11 मिलियन डॉलर

अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में प्रचार अभियान के लिए रिपब्लिक नेता निक्की हेली ने तीसरी तिमाही में 11 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। इसके साथ प्रचार अभियान के लिए कुल धन 26 मिलियन डॉलर हो गया है। उनके अभियान 'निक्की हेली फॉर प्रेसीडेंट' ने यह जानकारी दी। जुटाए गए धन के ताजा आंकड़े जारी करते हुए 'निक्की हेली फॉर प्रेसीडेंट' ने कहा कि तीसरी तिमाही में जुटाई गई राशि पिछली दो तिमाहियों की तुलना में अधिक है।

एयर इंडिया

नए लोगो और नए डिजाइन के साथ पहला विमान

टाटा समूह के मालिकाना हक वाली एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया ने लोगो और लिवरी (आउटफिट) बदलने के बाद अपने विमान ए 350 का पहला लुक जारी कर दिया है। एयर इंडिया के एक्स हैंडल से विमान की तस्वीरें पोस्ट कीं और लिखा पेंट की शॉप पर हमारी नई पोशाक (न्यू लिवरी) में राजसी ए 350 का पहला लुक है। हमारे विमान ए 350 विंटर सीजन में घर आने शुरू ओ जायेंगे। एयर इंडिया ने रीब्रांडिंग के बाद नए लोगो के साथ पहले विमान की फोटो शेयर की।

आंग सान सू की

म्यांमार कोर्ट ने अपील खारिज की

सैन्यशासित म्यांमार की सुप्रीम कोर्ट ने जेल में बंद पूर्व नेता आंग सान सू की पर भ्रष्टाचार के 6 मामलों के खिलाफ अपील को सिरे से खारिज कर दिया है। देश में वर्ष 2021 के तख्तापलट में सेना द्वारा उनकी सरकार को गिराने के बाद से सू सेना की हिरासत में हैं। वह देशद्रोह, रिश्वतखोरी से लेकर दूरसंचार कानून के उल्लंघन तक के दर्जनों मामलों में दोषी ठहराई गई हैं। आज तक मिली सजा के अनुसार उन्हें 27 साल जेल में रहना पड़ सकता है।

इल्हाम अलीयेव

अजरबैजान के राष्ट्रपति ने ईयू को दी चेतावनी

अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने यूरोपीय संघ (ईयू) को चेतावनी दी है कि आर्मेनिया को सैन्य सहायता भेजने के फ्रांस के फैसले से पिछले महीने के अजरबैजान सैन्य अभियान के बाद दक्षिण काकेशस में एक नया संघर्ष शुरू हो सकता है। ज्ञात रहे कि इल्हाम अलीयेव ने पिछले हफ्ते आर्मेनियाई प्रधानमंत्री निकोल पशिन्यान के साथ यूरोपीय संघ की मध्यस्थता वाली बैठक से खुद को बाहर कर लिया था। जिसमें ब्रुसेल्स ने कहा था कि वह आर्मेनिया के साथ है।

इंद्रपाल सिंह ने

मास्टर शेफ सिंगापुर जीता

भारतीय मूल के सिंगापुर के नागरिक इंद्रपाल सिंह को 'मास्टर शेफ सिंगापुर' के चौथे संस्करण का विजेता घोषित किया गया है। उन्हें 90 में से 76.6 अंक मिले और उन्होंने अपनी नजदीकी प्रतिद्वंद्वी टीना अमीन को 3.6 अंकों से शिकस्त दी, जबकि मैंडी की तीसरे स्थान पर रहीं। सिंह को 10 हजार सिंगापुर डॉलर (करीब 6.7 लाख रुपए) नकद और अन्य तोहफे मिले हैं। इंद्रपाल सिंह सिंगापुर में खाद्य एवं पेय पदार्थ बेचने का कारोबार करते हैं।

ब्रिटिश बोर्डिंग स्कूल में

एआई चैटबॉट बना स्कूल का टीचर

ब्रिटिश बोर्डिंग स्कूल कॉट्समोर ने अबिगैल बैली को अपनी नई प्रिंसिपल हेड-टीचर बनाया है। बैली की खास बात है कि वे मानव नहीं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक आधारित चैटबॉट हैं। इसी तरह जेमी रेनर को भी स्कूल ने नियुक्त किया है, वे एआई तकनीक के प्रमुख होंगे। जेमी खुद एक एआई आधारित चैटबॉट हैं। ब्रिटेन के स्कूलों में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, हर तीसरा शिक्षक एआई की मदद से अपने कई काम कर रहा है।

क्रिस्टोफर लक्सन

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री बनेंगे

क्रिस्टोफर लक्सन ने न्यूजीलैंड के चुनाव में निर्णायक जीत हासिल की और अब वह देश के नये प्रधानमंत्री होंगे। लोगों ने छह साल की उदारवादी सरकार के बाद बदलाव के लिए वोट दिया। निवर्तमान सरकार का ज्यादातर अवधि के दौरान नेतृत्व जेसिंडा अर्डर्न ने किया था। मतगणना अब भी जारी है। इस बीच लक्सन ऑकलैंड के एक कार्यक्रम में पहुंचे। उनके साथ उनकी पत्नी अमंदा, उनके बच्चे, विलियम और ओलीविया भी थे। उन्होंने कहा कि वह जीत से अभिभूत हैं। आपने बदलाव के लिए वोट दिया। तभी समर्थकों ने उनके चुनाव प्रचार अभियान के नारे लगाये।

स्मृति शेष

भारत की उम्रदराज स्टूडेंट कार्तियानी अम्मा का निधन

केरल साक्षरता मिशन में सबसे उम्रदराज स्टूडेंट बनी 101 वर्षीय कार्तियानी अम्मा का अलाप्पुझा जिले के चेप्पाड गांव में निधन हो गया। उन्होंने 96 साल में स्टूडेंट बनकर रिकॉर्ड बनाया था। साथ ही उन्होंने चौथी क्लास के बराबर की परीक्षा 'अक्षरलक्षम' के दो विषय में पूरे नंबर और लिखने में 40 में से 38 नंबर हासिल किए थे।

अमेरिका के मशहूर गोताखोर ब्रेट हेम्फिल का निधन

केव डाइविंग के लिए मशहूर अमेरिकी गोताखोर ब्रेट हेम्फिल की गुफा के गहरे पानी में डूब जाने से मौत हो गयी। हेम्फिल कास्ट अंडरवाटर रिसर्च नामक गैर लाभकारी संगठन के अध्यक्ष थे और गोताखोरी के कई रिकॉर्ड उनके नाम थे।

हिन्दी सिनेमा की अभिनेत्री भैरवी का निधन

हिन्दी सिनेमा की ख्यात फिल्म दंगल और ताल फिल्मों की लोकप्रिय अभिनेत्री भैरवी वैद्य का 67 साल की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थीं। उन्होंने सलमान खान और ऐश्वर्या के साथ काम किया था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

एम.पी.पी.एस.सी. प्रारंभिक परीक्षा में पूछे जाने वाले महत्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर

संघ लोक सेवा आयोग

- **स्थापना -** 1 अक्टूबर 1926 ली आयोग की अनुशंसा पर
- **वर्तमान स्वरूप -** 26 जनवरी 1950
- **संवैधानिक प्रावधान -** भाग-14 के अनुच्छेद 315 से 323
- **संरचना -** 1 अध्यक्ष, 10 सदस्य
- **कार्यकाल -** 6 वर्ष की अवधि या 65 वर्ष जो पहले हो
- **पदच्युति -**
  1. स्वेच्छा से पदत्याग
  2. दिवालिया
  3. शारीरिक - मानसिक अक्षमता
  4. पदावधि के दौरान वैतनिक नियोजन
  5. दुर्व्यवहार/कदाचार के आधार पर उच्चतम न्यायालय की बाध्यकारी सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा।
- **कार्य/शक्तियाँ -**
  1. संघ की सेवाओं में नियुक्ति के लिए परीक्षाओं का आयोजन करवाना।
  2. दो या अधिक राज्य यदि संयुक्त भर्ती का आग्रह करें तो आयोग द्वारा उसकी योजना बनाने में सहायता करना।
  3. किसी राज्य के राज्यपाल के अनुरोध पर राष्ट्रपति की स्वीकृति के उपरान्त सभी या किन्हीं मामलों पर राज्यों को सलाह प्रदान करना।
- **अखिल भारतीय सेवाएं -** भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) गठन - 1950 (2) भारतीय पुलिस सेवा (IPS) गठन- 1948 (3) भारतीय वन सेवा (IFS) गठन 1966
- **प्रतिवेदन -** राष्ट्रपति को सौंपा जाता है।
- **प्रथम अध्यक्ष -** सर रॉस बार्कर आजादी के समय अध्यक्ष - एच.के. कृपलानी
- **प्रथम भारतीय अध्यक्ष -** एच.के. कृपलानी **प्रथम महिला अध्यक्ष -** रौज मिलियिन बैथ्यू **प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष -** जे.एम. कुरैशी।
- भारत में लोक सेवाओं का जन्म ब्रिटिश शासनकाल में हुआ।
- लार्ड कॉर्नवालिस को भारत में सिविल सेवा का जन्मदाता कहा जाता है।
- कम्पनी के शासनकाल में भारत के लोक सेवकों का चयन-हेलीबेरी कॉलेज की एक चयन समिति तथा बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा किया जाता था।
- 1854 में मैकाले की अध्यक्षता में गठित समिति ने लोक सेवकों की नियुक्ति प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर कराने का सुझाव दिया था।
- इसके अनुसरण में भारतीय सिविल सेवा की पहली प्रतियोगिता परीक्षा 16 जुलाई 1855 को लंदन में आयोजित की गई।
- मैकाले ने प्रतियोगिता परीक्षा के लिए आयु सीमा 18-23 वर्ष नियत की थी।
- 1860 में सिविल सेवा प्रतियोगिता में परीक्षा में प्रवेश की अधिकतम आयु सीमा को 22 वर्ष कर दिया गया।
- 1865 में इसे 21 वर्ष कर दिया गया। 1866 में न्यूनतम आयु सीमा को भी 18 वर्ष से घटाकर 17 वर्ष कर दिया गया।
- अत: भारत में सिविल सर्विस में प्रवेश की आयु घटाने के विरोध में एक प्रबल आन्दोलन सर सुरेन्द्रनाथ बनर्जी के नेतृत्व में हुआ।
- सन् 1886 में वायसराय लॉर्ड डफरिन ने इस बात पर विचार करने के लिए कि सिविल सेवा परीक्षा में न्यूनतम आयु को बढ़ाया जाये या नहीं तथा परीक्षा भारत और इग्लैंड में एक साथ ली जाये या नहीं, चार्ल्स द्वारा एचिसन आयोग की नियुक्ति की गई।
- आयोग ने सिविल सेवा परीक्षाएं एक साथ इग्लैंड और भारत में लेने का विरोध किया लेकिन परीक्षा में बैठने की अधिकतम आयु 23 वर्ष करने का सुझाव दिया। फलस्वरूप 1892 में न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष से 23 वर्ष करने का सुझाव दिया।
- पहली बार सिविल सेवा की परीक्षा एक साथ लंदन और इलाहबाद में सन् 1922 में आयोजित हुई।
- ली आयोग के सुझाव पर पहली बार लोक सेवा आयोग की स्थापना केन्द्रीय लोक सेवा आयोग के रूप में 1 अक्टूबर 1926 में की गई।
- 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान के लागू होने पर नाम संघ लोक सेवा आयोग कर दिया गया। आयोग का कार्यालय नई दिल्ली में शाहजहां रोड पर स्थित है।

प्र.1 भारत में पहली बार लोक सेवा आयोग की स्थापना किस अधिनियम के अंतर्गत हुई?
(अ) गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1935
(ब) गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1919
(स) काउंसिल एक्ट 1909
(द) इंडियन काउंसिल एक्ट 1892
उत्तर- (ब)

प्र.2 पहली बार केन्द्रीय लोक सेवा आयोग की स्थापना किस आयोग की अनुशंसा पर की गई?
(अ) लॉर्ड मैकाले आयोग
(ब) हंटर आयोग
(स) आर्थर ली आयोग
(द) चार्ल्स ग्रांट आयोग
उत्तर- (स)

प्र.3 ली आयोग की अनुशंसा पर केंद्रीय लोक सेवा आयोग का गठन किस तिथि को किया गया था?
(अ) 1 अक्टूबर 1925
(ब) 1 अक्टूबर 1926
(स) 1 जनवरी 1925
(द) 1 जनवरी 1926
उत्तर- (ब)

प्र.4 संघ लोक सेवा आयोग के प्रथम ब्रिटिश अध्यक्ष कौन थे?
(अ) डेविड पेटी
(ब) आईर गार्डन
(स) रॉस बार्कर
(द) एफ.डब्ल्यू. राबर्ट्स
उत्तर- (स)

प्र.5 संघ लोक सेवा आयोग के प्रथम भारतीय अध्यक्ष कौन थे?
(अ) एन. गोविंद राजन
(ब) आर.एन. बनर्जी
(स) बी.एन. झा
(द) एच.के. कृपलानी
उत्तर- (द)

प्र.6 यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन की प्रथम महिला अध्यक्ष का क्या नाम था?
(अ) शीला दीक्षित
(ब) रौज बैथ्यू
(स) वीणा मजूमदार
(द) मारग्रेट अल्वा
उत्तर- (ब)

प्र.7 इनमें से कौन-सी महिला संघ लोक सेवा आयोग की अध्यक्ष नहीं रही हैं?
(अ) मारग्रेट अल्वा
(ब) अल्का सिरोही
(स) रजनी राजदान
(द) रौज बैथ्यू
उत्तर- (अ)

प्र.8 संघ लोक सेवा आयोग है एक -
(अ) नियामक निकाय
(ब) वैधानिक संगठन
(स) संसदीय अध्यादेश द्वारा स्थापित
(द) संवैधानिक निकाय
उत्तर- (द)

प्र.9 भारत के संविधान के निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद के अंतर्गत संघ लोक सेवा आयोग एवं राज्य लोक सेवा आयोग का प्रावधान किया गया है?
(अ) अनुच्छेद 315
(ब) अनुच्छेद 335
(स) अनुच्छेद 215
(द) अनुच्छेद 226
उत्तर- (अ)

प्र.10 संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत संघ लोक सेवा आयोग के सदस्य को हटाया जा सकता है?
(अ) 315 (ब) 316
(स) 317 (द) 318
उत्तर- (स)

प्र.11 संघ लोक सेवा आयोग अपना वार्षिक प्रतिवेदन सौंपता है?
(अ) प्रधानमंत्री को
(ब) राष्ट्रपति को
(स) लोकसभा अध्यक्ष को
(द) गृह मंत्री को
उत्तर- (ब)

प्र.12 संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों की नियुक्ति इनमें से कौन करता है?
(अ) संसद
(ब) कार्मिक मंत्रालय
(स) मंत्रिपरिषद
(द) राष्ट्रपति
उत्तर- (द)

प्र.13 संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति इनमें से कौन करता है?
(अ) संसद
(ब) कार्मिक मंत्रालय
(स) राष्ट्रपति
(द) मंत्रिपरिषद
उत्तर- (स)

प्र.14 संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष की पदावधि इनमें से कितनी है?
(अ) 5 वर्ष या 60 वर्ष की आयु तक
(ब) 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक
(स) 3 वर्ष या 62 वर्ष की आयु तक
(द) 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक
उत्तर- (ब)

प्र.15 संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष के लिए इनमें से कौन सा तथ्य सही नहीं है?
(अ) राष्ट्रपति पद से हटा सकता है
(ब) अपनी पदावधि की समाप्ति पर पुनर्नियुक्ति हेतु पात्र नहीं है
(स) 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक पद ग्रहण करता है
(द) अनुच्छेद 317 के तहत पद ग्रहण करता है
उत्तर- (द)

प्र.16 संघ लोक सेवा आयोग के सदस्य के कदाचार से संबंधित मामले पर सलाह लेने के लिए राष्ट्रपति किसके पास भेजते हैं?
(अ) सर्वोच्च न्यायालय
(ब) संघ लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष
(स) कानून और न्याय मंत्रालय
(द) संसद
उत्तर- (अ)

प्र.17 राष्ट्रपति किस अनुच्छेद के प्रावधानों के तहत संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों के मामले में सर्वोच्च न्यायालय की मदद लेते हैं?
(अ) अनुच्छेद 123
(ब) अनुच्छेद 145
(स) अनुच्छेद 314
(द) अनुच्छेद 315
उत्तर- (ब)

प्र.18 संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष को किस अनुच्छेद के तहत हटाया जा सकता है?
(अ) अनुच्छेद 315
(ब) अनुच्छेद 316
(स) अनुच्छेद 317
(द) अनुच्छेद 320
उत्तर- (स)

प्र.19 संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति एवं कार्यकाल का वर्णन किस अनुच्छेद के तहत किया गया है?
(अ) 315 (ब) 316
(स) 317 (द) 318
उत्तर- (ब)

प्र.20 संघ लोक सेवा आयोग अपना वार्षिक प्रतिवेदन राष्ट्रपति को सौंपता है यह किस अनुच्छेद में वर्णित है?
(अ) अनुच्छेद 319
(ब) अनुच्छेद 320
(स) अनुच्छेद 322
(द) अनुच्छेद 323
उत्तर- (द)

प्र.21 संघ लोक सेवा आयोग इनमें से किन संवर्गों की परीक्षाएं आयोजित करता है?
(अ) अखिल भारतीय सेवाएं
(ब) केंद्रीय सेवाएं
(स) केन्द्र प्रशासित क्षेत्रों के लिए लोक सेवाएं
(द) ये सभी
उत्तर- (द)

प्र.22 दो अथवा अधिक राज्यों के लिए संयुक्त लोक सेवा अध्यक्ष की नियुक्ति कौन करता है?
(अ) भारत के राष्ट्रपति
(ब) संबंधित राज्यपालों की सिफारिश पर भारत के राष्ट्रपति
(स) सबसे बड़े राज्य के राज्यपाल
(द) सभी संबंधित राज्यों के राज्यपालों की समिति
उत्तर- (अ)

प्र.23 किसी राज्य लोक सेवा आयोग के कार्यों को निम्नलिखित में से किस एक के अनुमोदन से संघ लोक सेवा आयोग को सौंपा जा सकता है?
(अ) भारत के मुख्य न्यायाधीश
(ब) प्रधानमंत्री
(स) लोक सभा का अध्यक्ष
(द) भारत के राष्ट्रपति
उत्तर- (द)

प्र.24 संघ लोक सेवा आयोग के बारे में निम्न में से क्या सही नहीं है?
(अ) संवैधानिक निकाय
(ब) अध्यादेश द्वारा गठित
(स) सिविल न्यायालय की शक्तियाँ
(द) सरकार की सलाहकारी संस्था
उत्तर- (ब)

प्र.25 संघ लोक सेवा आयोग को निम्नलिखित में से कौन-कौन से कार्य सौंपे गए हैं?
(अ) संघ की सेवाओं के लिये परीक्षा का आयोजन करना।
(ब) दो या अधिक राज्यों के अनुरोध पर भर्ती के संबंध में सहायता करना।
(स) सिविल सेवाओं में भर्ती की पद्धति से संबंधित विषयों पर।
(द) लोक सेवकों से संबंधित अनुशासनिक विषयों पर परामर्श।
उत्तर- ये सभी

प्र.26 पहली बार सिविल सेवा की परीक्षा एक साथ लंदन और इलाहाबाद (प्रयागराज) में कब आयोजित की गई थी?
(अ) 1920 (ब) 1919
(स) 1921 (द) 1922
उत्तर- (द)

प्र.27 1922 में आयोजित संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा इनमें से किन दो स्थानों पर आयोजित की गई?
(अ) लंदन और दिल्ली
(ब) लंदन और बंबई
(स) लंदन और कलकत्ता
(द) लंदन और इलाहाबाद
उत्तर- (द)

प्र.28 किस भारतीय शासन अधिनियम के तहत केंद्रीय लोक सेवा आयोग का नाम संघ लोक सेवा आयोग कर दिया गया?
(अ) भारत सरकार अधिनियम1935
(ब) काउंसिल एक्ट 1909
(स) गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1919
(द) इंडियन काउंसिल एक्ट 1882
उत्तर- (अ)

प्र.29 भारतीय वन सेवा का सृजन किस वर्ष हुआ -
(अ) 1935 (ब) 1926
(स) 1950 (द) 1966
उत्तर- (द)

प्र.30 भारत में सिविल सेवा का जनक किसे माना जाता है?
(अ) विलियम बैंटिंग
(ब) वारेन हेस्टिंग्स
(स) लार्ड कार्नवालिस
(द) जॉन शोर
उत्तर- (स)

प्र.31 इनमें से कौन-कौन सी सेवाएं अखिल भारतीय सेवाओं की श्रेणी में नहीं आती हैं?
(अ) भारतीय प्रशासनिक सेवा
(ब) भारतीय वन सेवा
(स) भारतीय विदेश सेवा
(द) भारतीय पुलिस सेवा
उत्तर- (स)

प्र.32 अखिल भारतीय सेवाओं की संख्या कितनी है?
(अ) 2 (ब) 3
(स) 4 (द) 5
उत्तर- (ब)

प्र.33 सामान्यत: संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष सहित सदस्य संख्या कितनी होती है?
(अ) 8-10 (ब) 5-6
(स) 9-11 (द) 5-7
उत्तर- (स)

प्र.34 भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) का जनक किसे माना जाता है?
(अ) लॉर्ड कार्नवालिस
(ब) भीमराव अम्बेडकर
(स) सरदार पटेल
(द) जवाहरलाल नेहरू
उत्तर- (स)

प्र.35 प्रतिवर्ष 'सिविल सेवा दिवस' किस तिथि को मनाया जाता है?
(अ) 1 अक्टूबर (ब) 21 अप्रैल
(स) 26 जनवरी (द) 22 मार्च
उत्तर- (ब)

- इमरतलाल खरते
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान

1. महमूद गजनवी ने सोमनाथ मंदिर पर हमला किया था, उस समय गुजरात का शासक था?
अ. भीमदेव ब. मूलराज
स. सिद्धराज द. कुमार पाल
उत्तर- अ. भीमदेव

2. आदिल शाही वंश के मुहम्मद आदिल शाह का मकबरा कौनसा है?
अ. गोल गुम्बज ब. जामा मस्जिद
स. ताजमहल द. कुतुब मीनार
उत्तर- अ. गोल गुम्बज

3. गोवा पर शासन करने वाला अंतिम यूरोपीय देश कौनसा था?
अ. नीदरलैंड ब. इंग्लैड
स. पुर्तगाल द. फ्रांस
उत्तर- स. पुर्तगाल

4. कुतुब मीनार के परिसर में कौनसी संरचना नहीं है?
अ. कुतुब उल इस्लाम मस्जिद
ब. अलाई दरवाजा
स. ऐबक का मकबरा
द. लोहे का खंभा
उत्तर- स. ऐबक का मकबरा

5. कौन सा ऊर्जा का गैर परंपरागत स्रोत है?
अ. प्राकृतिक गैस
ब. पैट्रोलियम
स. कोयला
द. पवन ऊर्जा
उत्तर- द. पवन ऊर्जा

6. कौनसा गैर संस्थागत साख के लिये एक उदाहरण है?
अ. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
ब. राष्ट्रीकृत बैंक
स. साहूकार
द. सहकारी बैंक
उत्तर- स. साहूकार

7. भिटारी स्तंभ शिलालेख के अनुसार किस गुप्त राजा ने हूण के लिये संघर्ष किया था?
अ. समुद्र गुप्त ब. चद्रगुप्त-II
स. चंद्रगुप्त-I द. स्कंदगुप्त
उत्तर- द. स्कंदगुप्त

8. भारत में पहला बायोस्फियर (संरक्षित जैवमंडल) कौनसा है?
अ. सुंदरवन बायोस्फियर रिज़र्व
ब. नीलगिरी बायोस्फियर रिज़र्व
स. नंदादेवी बायोस्फियर रिज़र्व
द. मन्नार की खाड़ी बायोस्फियर रिज़र्व
उत्तर- ब. नीलगिरी बायोस्फियर रिज़र्व

9. अशोक मौर्य राजा बनने से पहले किस प्रांत में राज्यपाल के रूप में कार्य करते थे?
अ. तक्षशिला ब. वाइसल
स. पाटलीपुत्र द. अंवति
उत्तर- द. अंवति

10. किसे विश्व के ''काफी पोर्ट'' के रूप में जाना जाता है?
अ. सैंटिआगो ब. सैंटोस
स. रियो-डी जेनेरो द. स्टुनर्स आयर्स
उत्तर- ब. सैंटोस

11. हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद् (ईपीसीएच) का मुख्यालय कहां स्थित है?
अ. दिल्ली ब. जयपुर
स. वाराणसी द. कोलकत्ता
उत्तर- अ. दिल्ली

12. प्रवाल शैल श्रेणियां किसकी समुद्री प्रतिपक्ष हैं?
अ. उष्ण कटिबंधीय घास मैदान (सवाना)
ब. क्षुपभूमि (स्क्रबलैंड)
स. सम शीतोष्ण वन
द. उष्ण कंटिबंधीय वर्षा वन
उत्तर- द. उष्ण कंटिबंधीय वर्षा वन

13. निम्नलिखित में से आइन-ए-अकबरी का लेखक कौन है?
अ. ईश्वरदास ब. अबुल फजल
स. मुल्ला दाउद द. अकबर
उत्तर- ब. अबुल फजल

14. भारत के महाराज्यपाल (गर्वनर-जनरल) बनने वाले पहले भारतीय कौन थे?
अ. सी. राजगोपालाचारी
ब. फखरुद्दीन अली अहमद
स. लाल बहादुर शास्त्री
द. वी.वी. गिरी
उत्तर- अ. सी. राजगोपालाचारी

15. निम्नलिखित में से कौनसी नदी ऋग्वेद में सबसे अधिक वर्णित है?
अ. गंगा ब. सिंधु
स. सरस्वती द. चिनाब
उत्तर- ब. सिंधु

16. अजंता के चित्र निम्न के दृश्य को दर्शाते हैं?
अ. जातक कथाएं
ब. महाभारत
स. रामायण
द. उपनिषद्
उत्तर- अ. जातक कथाएं

17. नाबार्ड कब स्थापित किया गया था?
अ. 1972 ब. 1982
स. 1988 द. 1990
उत्तर- ब. 1982

18. तुर्कान-ए-चहलगानी किसके शासन के तहत शुरू की गई थी?
अ. इल्तुतमिश ब. रजिया सुल्तान
स. बलवन द. कुतबुद्दीन ऐबक
उत्तर- अ. इल्तुतमिश

19. मिलिंदपहो ग्रंथ राजा मिनेण्डर और किस बौद्ध भिक्षु के बीच वार्तालाप का वर्णन है?
अ. नागसेन ब. नागभट्ट
स. नागार्जुन द. कुमारिल भट्ट
उत्तर- अ. नागसेन

20. भारतीय सांख्यिकी संस्थान की स्थापना किसने की
अ. जवाहर लाला नेहरू
ब. वी.के.आर.वी. राव
स. आर.सी. देसाई
द. पी.सी. महालनोबिस
उत्तर- द. पी.सी. महालनोबिस

21. किसी राज्य में विधान परिषद् का निर्माण कौन कर सकता है?
अ. मुख्यमंत्री ब. राज्यपाल
स. मंत्रिपरिषद् द. संसद
उत्तर- द. संसद

22. राज्य सभा के सदस्यों को..... के कार्यकाल के लिये चुना जाता है?
अ. 6 वर्ष ब. 2 वर्ष
स. 4 वर्ष द. 5 वर्ष
उत्तर- अ. 6 वर्ष

23. ..... के पास सिक्के गढ़ने का एकमात्र अधिकार है?
अ. भारतीय स्टेट बैंक
ब. भारतीय रिज़र्व बैंक
स. वाणिज्य मंत्रालय
द. भारत सरकार
उत्तर- द. भारत सरकार

24. किस संशोधन में संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' शब्द को शामिल किया गया था?
अ. 42वां ब. 46वां
स. 48वां द. 44वां
उत्तर- अ. 42वां संविधान संशोधन

25. वैदिक युग में 'अख्यानी' निम्नलिखित में से किसकी देवी थी?
अ. वन ब. नदियों
स. अग्नि द. शांति
उत्तर- अ. वन

26. निम्नलिखित में से भारत की प्रथम पंचवर्षीय योजना का मुख्य उद्देश्य क्या था?
अ. सेवा क्षेत्र विकास
ब. औद्योगिक विकास
स. कृषि विकास
द. विनिर्माण में विकास
उत्तर- स. कृषि विकास

27. निम्नलिखित में से किसका ऐल्बीडो (प्रकाशानुपात) सबसे अधिक होता है?
अ. ताजी हिम ब. रेत
स. वन द. सूखी मृदा
उत्तर- अ. ताजी हिम

28. एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम (IRDP) ..... में आरंभ किया गया था?
अ. 1971 ब. 1937
स. 1966 द. 1978
उत्तर- द. 1978

29. निम्नलिखित में से कौनसा शहर वर्ष 1772 से 1912 तक भारत की राजधानी था?
अ. दौलताबाद ब. दिल्ली
स. बॉम्बे द. कलकत्ता
उत्तर- द. कलकत्ता

30. विश्व व्यापार संगठन की स्थापना वर्ष ..... में हुई थी?
अ. 1995 ब. 1991
स. 1994 द. 1989
उत्तर- अ. 1995

31. किस मुगल सम्राट के शासनकाल में अहमदशाह अब्दाली ने भारत पर पहली बार आक्रमण किया था?
अ. अहमदशाह
ब. मुहम्मद शाह
स. शाह आलम-II
द. अकबर-II
उत्तर- ब. मुहम्मद शाह

32. 1191 और 1192 में तराइन के युद्ध में मोहम्मद गौरी का मुकाबला किसने किया?
अ. लक्ष्मण सेन
ब. जयचन्द
स. पृथ्वीराज चौहान
द. दन्ति दुर्ग
उत्तर- स. पृथ्वीराज चौहान

33. विजय नगर साम्रज्य के किस शासक ने एक प्रसिद्ध पुस्तक ''अमुक्त माल्यद'' लिखी थी?
अ. हरिहर ब. देवराय-II
स. देव राय-I द. कृष्णदेव राय
उत्तर- द. कृष्णदेव राय

34. बहमनी साम्राज्य के किस शासक के शासनकाल के दौरान राजधानी गुलबर्गा से बीदर स्थानांतरित कर दी गई थी?
अ. अहमद शाह
ब. अलाउद्दीन शाह
स. वीर शाह
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- अ. अहमद शाह

35. लोकतंत्र और विकास के लिये पंचायती राज संस्थाओं के पुनरोद्धार पर ..... समिति का गठन किया गया था?
अ. अशोक मेहता
ब. जी.वी.के. राव
स. एल.एम.सिंघवी
द. बलंवत राय
उत्तर- स. एल.एम.सिंघवी

36. किस शासक ने हर्षवर्धन को हराया था?
अ. चौहान वंश (चाहमान) वंश के वासुदेव
ब. गुर्जर प्रतिहार वंश के नागभट्ट
स. चालुक्य वंश के पुलकेशिन द्वितीय
द. गौड़ वंशशीय शंशाक
उत्तर- स. चालुक्य वंश के पुलकेशिन द्वितीय

37. निम्नलिखित में से कौनसा विश्व का सबसे बड़ा मैग्रोव वन है?
अ. ग्रेटर एंटीलिज मैग्रोव, क्यूबा
ब. सुमात्रा मैग्रोव, वन, इंडोनेशिया
स. बाहिया मैग्रोव, ब्राजील
द. सुंरदवन मैग्रोव वन, भारत
उत्तर- द. सुंरदवन मैग्रोव वन, भारत

38. तिब्बती पठार को निम्नलिखित श्रेणियों में किस स्थान पर रखा जा सकता है?
अ. अंतरपर्वतीय पठार
ब. विच्छेदित पठार
स. ज्वालामुखी पठार
द. महाद्वीपीय पठार
उत्तर- अ. अंतरपर्वतीय पठार

39. निम्नलिखित में से किस देश में सोलर घाटी स्थित है?
अ. जापान ब. चीन
स. ऑस्ट्रेलिया द. जर्मनी
उत्तर- ब. चीन

40. निम्नलिखित में से किस राज्य में, देहात-देबांग जैवमंडल रिजर्व स्थित है?
अ. अरुणाचल प्रदेश
ब. मणिपुर
स. असम
द. सिक्किम
उत्तर- अ. अरुणाचल प्रदेश

41. ग्वांतानामो खाड़ी किस देश में स्थित है?
अ. क्यूबा ब. हैती
स. बहामास द. अमेरिका
उत्तर- अ. क्यूबा

42. गांधी सागर बांध मध्यप्रदेश की किस नदी पर बनाया गया है?
अ. नर्मदा ब. ताप्ती
स. सोन द. चंबल
उत्तर- द. चंबल

43. कौन रत्नावली, नागानन्द, प्रियदर्शिका का लेखक था?
अ. अशोक ब. चंद्रगुप्त-II
स. हर्ष द. समुद्रगुप्त
उत्तर- स. हर्ष

44. निम्नलिखित में से कौन ''पॉलिटिक्स'' के लेखक हैं?
अ. रूसो ब. प्लेटो
स. अरस्तु द. सुकरात
उत्तर- स. अरस्तु

45. जनहित याचिका (पीआईएल) की अवधारणा किनके द्वारा शुरू की गई थी?
अ. न्यायमूर्ति सर्वमित्र सीकरी
ब. न्यायमूर्ति पी.एन. भगवती
स. न्यायमूर्ति एच.जे. कानिया
द. न्यायमूर्ति सुधीर रंजनदास
उत्तर- ब. न्यायमूर्ति पी.एन. भगवती

46. वेदों को यह भी कहा जाता है?
अ. स्मृति ब. निरुक्त
स. श्रुति द. कल्प
उत्तर- स. श्रुति

47. किस सरकार के पास 'अवशिष्ट' विषयों पर कानून बनाने की शक्ति है?
अ. स्थानीय ब. संघ
स. एकीय द. राज्य
उत्तर- ब. संघ

- श्रद्धा सुमन
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करती हैं)

स्वीप गतिविधियों में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की भागीदारी

इंदौर, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा स्वीप गतिविधियों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मतदाताओं को दबाव, प्रभाव से मुक्त मतदान हेतु प्रेरित करने के लिये स्वीप अन्तर्गत प्रचार माध्यमों से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। वर्तमान विधानसभा निर्वाचन के लिये स्वीप अन्तर्गत शैक्षणिक संस्थाओं, महिलाओं एवं पंचायतों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में मतदाता जागरूकता का अभियान संचालित किया जा रहा है। जनपद पंचायत इन्दौर के ग्राम कम्पेल में ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा महिला मतदाताओं की जागरूकता के लिये महिला मतदाता सम्मेलन का आयोजन स्थानीय नारायण गार्डन में आयोजित किया गया। जिसमें स्व-सहायता समूह की 300 से अधिक महिला सदस्य उपस्थित हुई। सम्मेलन में महिलाओं द्वारा आदर्श मतदान की आवश्यकता पर चर्चा की गई।

ग्राम संगठन की अध्यक्ष श्रीमती हेमलता परमार द्वारा उपस्थित महिलाओं को बताया गया कि लोकतंत्र में निष्पक्ष एवं नैतिक मतदान का विशेष महत्व है। हम सभी महिलाओं को जात-पात, समाज, धनराशि के दबाव प्रभाव में नही आना है। अपनी पसंद के योग्य उम्मीदवार को मत देकर अपने मतदान अधिकार को सार्थक करना है।

आजीविका मिशन की ब्लाक समन्वयक श्रीमती माधवी तेजवानी द्वारा महिलाओं को मतदान करने की शपथ भी दिलाई गई। समूह द्वारा प्रयास किया जाएगा कि ग्राम की सभी महिलाएं अपने मतदान अधिकार का प्रयोग कर ग्राम को जिले में मतदान प्रतिशत में अग्रणी बनायेंगी। सम्मेलन के बाद महिलाओं द्वारा ग्राम में मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन भी किया गया।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

हिन्दी

1. अब आप खाना खा सकते हैं। इस वाक्य में मुख्य क्रिया क्या है?
(A) खाना (B) खा
(C) सकते हो (D) खा सकते हो
उत्तर- (B) खा

2. वह चल पड़ा वाक्य में क्रिया भेद बताइये?
(A) अकर्मक (B) सकर्मक
(C) संयुक्त क्रिया (D) रंजक क्रिया
उत्तर- (D) रंजक क्रिया

3. यह सुनकर रामू चिल्ला उठा। वाक्य में क्रिया भेद है?
(A) मुख्य क्रिया
(B) संयुक्त क्रिया
(C) सहायक क्रिया
(D) पूरक क्रिया
उत्तर- (B) संयुक्त क्रिया

4. सकर्मक क्रिया किसे कहते हैं?
(A) जिसमें कर्म हो
(B) जिसमें कर्म न हो
(C) दोनों स्थिति हो
(D) कोई भी नहीं
उत्तर- (B) जिसमें कर्म हो

5. मुख्य क्रिया कौनसी होती है?
(A) जो अंश क्रिया की सहायता करे
(B) जो क्रिया पद बंध को मुख्य अर्थ प्रदान करे
(C) जो क्रिया सकर्मक भी हो
(D) जो क्रिया अकर्मक भी हो
उत्तर- (B) जो क्रिया पद बंध को मुख्य अर्थ प्रदान करे।

6. वह हंस रहा है। इस वाक्य में क्रिया का भेद बताइए?
(A) मुख्य क्रिया
(B) सहायक क्रिया
(C) रंजक क्रिया
(D) अन्य क्रिया
उत्तर- (A) मुख्य क्रिया

7. उसे राम आता हुआ *दिखाई* दिया। इटैलिक क्रिया का भेद है?
(A) अपूर्ण क्रिया
(B) संयुक्त क्रिया
(C) सहायक क्रिया
(D) मुख्य क्रिया
उत्तर- (B) संयुक्त क्रिया

8. उसे एक तारा *दिखाई* दिया। इटैलिक क्रिया का भेद बताइये?
(A) अकर्मक क्रिया
(B) सकर्मक क्रिया
(C) संयुक्त क्रिया
(D) अपूर्ण क्रिया
उत्तर- (C) संयुक्त क्रिया

9. किसी काम के करने या होने का बोध कराने वाले पद को कहते हैं?
(A) विशेषण (B) कर्म
(C) संज्ञा (D) क्रिया
उत्तर- (D) क्रिया

10. विशेषण और क्रिया विशेषण में क्या अंतर है?
(A) एक विशेषण होता है, दूसरा विशेष्य होता है
(B) दोनों में कोई विशेष अंतर नहीं होता है
(C) विशेषण संज्ञा की विशेषता बताता है और क्रिया विशेषण क्रिया की विशेषता
(D) दोनों किसी न किसी की विशेषता बताते है
उत्तर- (C) विशेषण संज्ञा की विशेषता बताता है और क्रिया विशेषण क्रिया की विशेषता बताता है।

11. मोहन ऊपर बैठा है। इटैलिक क्रिया विशेषण का भेद बताइए।
(A) परिमाण वाचक क्रिया विशेषण
(B) स्थान वाचक क्रिया विशेषण
(C) रीति वाचक क्रिया विशेषण
(D) बाल वाचक क्रिया विशेषण
उत्तर- (B) स्थान वाचक क्रिया विशेषण

12. क्रिया-विशेषण कौन-सा शब्द है?
(A) बोधक (B) मूल
(C) अविकारी (D) विकारी
उत्तर- (C) अविकारी

13. सचिन *नित्य* शरारत करता है। इटैलिक क्रिया-विशेषण का भेद बताइए?
(A) रीति वाचक
(B) काल वाचक
(C) परिमाण वाचक
(D) स्थान वाचक
उत्तर- (B) काल वाचक क्रिया विशेषण

14. ऊषा *बहुत* तेज दौड़ती है। इटैलिक पद क्या है?
(A) रीति वाचक क्रिया विशेषण
(B) प्रक्रिया विशेषण
(C) रीति वाचक प्रक्रिया विशेषण
(D) विशेषण
उत्तर- (D) विशेषण

15. कम *खाया* करो। इटैलिक क्रिया विशेषण का भेद बताइए।
(A) संख्या वाचक
(B) परिमाण वाचक
(C) रीति वाचक
(D) काल वाचक
उत्तर- (B) परिमाण वाचक क्रिया विशेषण

16. जहां ट्रेन खड़ी है वहां चले जाओ। रचना के आधार पर वाक्य भेद है?
(A) सरल वाक्य (B) संयुक्त वाक्य
(C) मिश्र वाक्य (D) प्रश्न वाक्य
उत्तर- (C) मिश्र वाक्य

17. नेताजी भाषण दे रहे हैं। यह वाक्य है?
(A) सरल (B) संयुक्त
(C) मिश्र (D) अन्य वाक्य
उत्तर- (A) सरल वाक्य

18. संयुक्त वाक्य बनाओ -
i) बादल गरज रहे थे।
ii) तेज वर्षा होने लगी।
(A) बादल गरजते ही तेज वर्षा होने लगी
(B) बादल गरज रहे थे और तेज वर्षा होने लगी
(C) बादल गरजे और तेज वर्षा हुई
(D) बादलों के गरजने पर तेज वर्षा होने लगी
उत्तर- (B) बादल गरज रहे थे और तेज वर्षा होने लगी

19. शिक्षक कक्षा में आए। उन्होंने पढ़ाना शुरू कर दिया (संयुक्त वाक्य बनाइए)
(A) शिक्षक कक्षा में आए और उन्होंने पढ़ाना शुरू कर दिया।
(B) शिक्षक ने कक्षा में आते ही पढ़ाना शुरू कर दिया।
(C) जब शिक्षक कक्षा में आए तो उन्होंने पढ़ाना शुरू कर दिया।
(D) शिक्षक कक्ष में आते ही पढ़ाना शुरू कर देते हैं।
उत्तर- (A) शिक्षक कक्षा में आए और उन्होंने पढ़ाना शुरू कर दिया।

20. जैसे ही सभा समाप्त हुई, वैसे ही सब लोग घर चले गए। (संयुक्त वाक्य बनाइये)
(A) जब सभा समाप्त हुई तब लोग घर चले गए।
(B) सभा समाप्त होती है तो लोग घर चले जाते है।
(C) सभा समाप्त होते ही सब लोग घर चले गए।
(D) सभा समाप्त हुई और सब लोग घर चले गए।
उत्तर- (D) सभा समाप्त हुई और सब लोग घर चले गए।

21. मेरे आंगन की हरी घास पर बच्चे खेल रहे हैं। (मिश्र वाक्य में रचनांतरण होगा) -
(A) मेरे आंगन में जो हरी घास है, उस पर बच्चे खेल रहे हैं।
(B) हरी घास आंगन की पर बच्चे खेल रहे हैं।
(C) जो हरी घास है, उस पर बच्चे खेल रहे हैं।
(D) मेरे आंगन में हरी घास है और उस पर बच्चे खेल रहे हैं।
उत्तर- (A) मेरे आंगन में जो हरी घास है, उस पर बच्चे खेल रहे हैं।

22. जो छात्र स्वस्थ रहता है वह सदा प्रसन्न रहता है। (सरल वाक्य में रचनांतरण है) -
(A) स्वस्थ छात्र सदा प्रसन्न रहता है
(B) स्वस्थ वाला छात्र प्रसन्न रहता है
(C) प्रसन्न रहने वाला छात्र स्वस्थ रहता है
(D) छात्र स्वस्थ रहता है और प्रसन्न रहता है।
उत्तर- (A) स्वस्थ छात्र सदा प्रसन्न रहता है।

23. नेताजी ने पुल का उद्घाटन किया (इसका कर्म वाच्य होगा) -
(A) नेताजी द्वारा पुल का उद्घाटन किया गया
(B) नेताजी से पुल का उद्घाटन हुआ
(C) पुल का उद्घाटन नेताजी ने किया
(D) पुल के द्वारा नेता का उद्घाटन हुआ
उत्तर- (A) नेताजी द्वारा पुल का उद्घाटन किया गया

24. पक्षी आकाश में उड़ते हैं। इस वाक्य का वाच्य है?
(A) कर्तृ वाच्य (B) कर्म वाच्य
(C) भाव वाच्य (D) अन्य
उत्तर- (A) कर्तृ वाच्य

25. मजदूर पेड़ नहीं काट रहे हैं। इसका कर्म वाच्य होगा।
(A) मजदूरों से पेड़ नहीं कट रहे
(B) मजदूर पेड़ नहीं काट रहे
(C) मजदूर पेड़ नहीं काट सकते
(D) मजदूरों द्वारा पेड़ नहीं काटे जा रहे हैं
उत्तर- (D) मजदूरों द्वारा पेड़ नहीं काटे जा रहे हैं

निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में अलंकार पहचान कर लिखिए -

26. सोभा-सिंधु अंत रही री -
(A) रूपक अलंकार
(B) यमक अलंकार
(C) उपमा अलंकार
(D) अन्योक्ति अलंकार
उत्तर- (A) रूपक अलंकार

27. कुटिल कालबस कालकवलु -
(A) यमक अलंकार
(B) अन्योक्ति अलंकार
(C) अनुप्रास अलंकार
(D) मानवीकरण अलंकार
उत्तर- (C) अनुप्रास अलंकार

28. लड़की को दान में देते वक्त, जैसे वही उसकी अंतिम पूंजी हो -
(A) उपमा अलंकार
(B) रूपक अलंकार
(C) विरोधाभास अलंकार
(D) उत्प्रेक्षा अलंकार
उत्तर- (D) उत्प्रेक्षा अलंकार

28. लड़की होना, पर लड़की जैसी दिखाई मत देना -
(A) विरोधाभास (B) रूपक
(C) अनुप्रास (D) उपमा
उत्तर- (A) विरोधाभास अलंकार

29. तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान, मृतक में भी डाल देती जान -
(A) मानवीकरण अलंकार
(B) अतिशयोक्ति अलंकार
(C) उपमा अलंकार
(D) उत्प्रेक्षा अलंकार
उत्तर- (B) अतिशयोक्ति अलंकार

30. छुअत टूट रघुपति न दोसू -
(A) अनुप्रास
(B) उपमा
(C) अतिशयोक्ति
(D) रूपक अलंकार
उत्तर- (C) अतिशयोक्ति अलंकार

31. 'अनुभव' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है।
(A) अ (B) अन्
(C) अनु (D) व
उत्तर- (C) अनु

32. 'संकल्प' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है।
(A) सत्+कल्प (B) सम्+कल्प
(C) संक्+अल्प (D) स+कल्प
उत्तर- (B) सम्+कल्प

33. निम्नलिखित में से किस शब्द में 'इया' प्रत्यय नहीं लगा है।
(A) बिटिया (B) लुटिया
(C) चूड़ियों (D) डिबिया
उत्तर- (C) चूड़ियों

34. 'चालाक' में मूल शब्द है।
(A) चला (B) चाल
(C) चाला (D) चालू
उत्तर- (B) चाल

35. 'अनीय' प्रत्यय किस शब्द में नहीं है।
(A) भवदीय (B) कथनीय
(C) पठनीय (D) दर्शनीय
उत्तर- (A) भवदीय

36. निम्नलिखित शब्दों में से संज्ञा का सही विकल्प चुनिए -
(A) महान (B) सुंदर
(C) बचपन (D) ऊंचा
उत्तर- (C) बचपन

37. भाव वाचक संज्ञा का सही विकल्प चुनकर लिखिए -
(A) चांदी (B) दूध
(C) गंगा (D) शीतलता
उत्तर- (D) शीतलता

38. सर्वनाम का सही विकल्प है -
(A) कुछ लोग (B) वह व्यक्ति
(C) कोई बात (D) मेरे पास
उत्तर- (D) मेरे पास

39. सर्वनाम 'वह' के प्रकार का सही विकल्प है?
(A) निश्चय वाचक सर्वनाम
(B) अनिश्चय वाचक सर्वनाम
(C) पुरुष वाचक सर्वनाम
(D) निज वाचक सर्वनाम
उत्तर- (C) पुरुष वाचक सर्वनाम

40. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ के सही विकल्प हैं -
अपनी खिचड़ी अलग पकाना
(A) सबसे अलग रहना
(B) खिचड़ी बनाकर खाना
(C) दूसरो से नफरत करना
(D) अपना अहंकार प्रकट करना
उत्तर- (A) सबसे अलग रहना

41. कटे पर नमक छिड़कना -
(A) नमक बुरकना
(B) दुःखी व्यक्ति को और दुखी करना
(C) पहले कांटना फिर नमक छिड़कना
(D) मीठे की जगह नमक डालना
उत्तर- (B) दुःखी व्यक्ति को और दुखी करना

42. टका सा जवाब देना -
(A) टके की तरह जवाब देना
(B) तुरंत मना कर देना
(C) मुंह तोड़कर जवाब देना
(D) लाजवाब कर देना
उत्तर- (B) तुरंत मना कर देना

43. पानी-पानी हो जाना -
(A) आंखों में आंसू आना
(B) बुरी तरह भीग जाना
(C) बारिश आ जाना
(D) अत्यंत लज्जित होना
उत्तर- (D) अत्यंत लज्जित होना

44. 'खून का घूंट पी जाना' मुहावरे का सही अर्थ है -
(A) खूनी पीना
(B) अपने क्रोध को भीतर ही भीतर सह जाना
(C) आपे से बाहर होना
(D) क्रोधित होना
उत्तर- (B) अपने क्रोध को भीतर ही भीतर सह जाना

45. 'सिर उठाना' मुहावरे का सही अर्थ है -
(A) विरोध करना
(B) प्रशंसा करना
(C) सम्मान करना
(D) परेशान होना
उत्तर- (A) विरोध करना

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प छांटकर लिखिए -

विषुवत् रेखा का वासी जो, जीता है नित हांफ-हांफ कर रखता है अनुराग लौकिक, वह भी अपनी मातृभूमि पर ध्रुववासी, जो हिम में तम में, जो लेता है कांप-कांपकर वह भी अपनी मातृभूमि पर, कर देता है प्राण निछावर।

46. विषुवत्-रेखा के वासी हांफ-हांफ कर क्यों जीते हैं?
(A) वहां का जीवन कष्टमय है
(B) वहां अधिक गर्मी पड़ती है
(C) वहां वर्षा नहीं होती
(D) दूसरे लोगों से संबंध नहीं रहता
उत्तर- (B) वहां अधिक गर्मी पड़ती है

47. कष्टमय रहकर भी लोग अपनी मातृभूमि के लिए रखते हैं।
(A) आलौकिक प्रेम की भावना
(B) भक्ति भावना
(C) गर्व की भावना
(D) बंधुत्व भावना
उत्तर- (A) आलौकिक प्रेम की भावना

48. प्रस्तुत काव्यांश में कवि क्या प्रेरणा देता है।
(A) राष्ट्रप्रेम की
(B) कष्टमय जीवन जीने की
(C) हर वातावरण में जीने की
(D) मातृभूमि में न्यौछावर होने की
उत्तर- (D) मातृभूमि में न्यौछावर होने की

49. अंधकार और बर्फीले स्थानों पर रहने वालों के लिए कहा गया है -
(A) हिमवासी
(B) विषुवत् रेखा का वासी
(C) ध्रुववासी
(D) आलौकिक
उत्तर- (C) ध्रुववासी

50. अनुप्रास अलंकार का उदाहरण है -
(A) विषुवत् रेखा का वासी
(B) अनुराग आलौकिक
(C) हांफ-हांफ
(D) हिम में, तम में
उत्तर- (B) अनुराग आलौकिक

- डॉ. राम मनोहर उपाध्याय
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं।)

निरस्त्रीकरण सप्ताह 24-30 अक्टूबर

हथियारों से मानवता के बढ़ते खतरों को रोकने लिए विश्व शांति का लक्ष्य बना निरस्त्रीकरण सप्ताह

सृष्टि निर्माण के साथ ही मनुष्य ने विकास करना प्रारंभ किया। समूह, समाज, देश और विश्व के बढ़ते क्रम में विकास की प्राथमिकताएं सभी स्तरों पर भिन्न-भिन्न रहीं। प्रगति की यह श्रृंखला सभी क्षेत्रों में विकसित हुई। विकास और प्रगति के साथ प्रतिस्पर्धा बढ़ी, होड बढ़ी, स्वयं को श्रेष्ठ और ताकतवर साबित करने का सिलसिला शुरू हुआ। आपसी रंजिश ने खतरों को जन्म दिया जिसके प्रभाव से भौगोलिक सीमाएं भी अछूती नहीं रहीं। इससे किसी भी देश की आंतरिक व्यवस्था तो प्रभावित हुई ही लेकिन अंतर्राष्ट्रीय अशांति भी निर्मित हुई। शस्त्रों के निर्माण और एकत्र करने की इस दौड़ में आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी तंत्र का उपयोग भी किया गया। इससे और भयावह स्थिति निर्मित हुई।

विज्ञान के आविष्कारक तत्व ने अपना काम किया लेकिन इसका उपयोग सकारात्मक भाव के साथ न होने से समाज के लिए चिंतनीय प्रश्न खड़े हो गये। यह समस्या इतनी बड़ी हो गयी कि इसका प्रभाव वैश्विक स्तर पर दिखाई देने लगा। वर्तमान बदलते परिदृश्य में विश्व पर खतरे मंडराने लगे हैं। हथियारों से मानवता के बढ़ते खतरों को रोकने लिए संयुक्त राष्ट्र ने विश्व शांति को प्रमुख लक्ष्य बनाया और इस दिशा में कार्य आरंभ हुआ।

24 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र की वर्षगांठ के अवसर पर 24 से 30 अक्टूबर तक सप्ताहभर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इस विशेष आयोजन के फाइनल डाक्यूमेंट में निरस्त्रीकरण के लिए आह्वान 1978 में किया गया तथा महासभा के विशेष सत्र में अपनाया गया। तभी से निरस्त्रीकरण सप्ताह आयोजित करने की शुरूआत हुई। वर्ष 1995 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सप्ताहभर के इस आयोजन को विस्तारित करते हुए सरकारों तथा गैर सरकारी संगठनों को आमंत्रित किया। ताकि निरस्त्रीकरण से जुड़े मुद्दों की लोगों के बीच बेहतर समझ स्थापित हो सके और उन्हें जागरूक करने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास हों। वर्ष 1952 में संयुक्त राष्ट्र निरस्त्रीकरण आयोग की स्थापना के बाद से ही विभिन्न राष्ट्रों के सशस्त्र बलों और हथियारों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए प्रयास किये गये। जिसमें शस्त्रों के खतरों को कम करने के लिए संधियों और प्रस्तावों के दस्तावेज बनाने का कार्य किया गया।

शुरूआत में मनुष्य ने सुरक्षा के भाव से शस्त्र रखना आरंभ किया। विकास के साथ शस्त्रों का आधुनिकीकरण हुआ और इनके स्वरूप बदलने लगे। वैज्ञानिक आविष्कारों ने शस्त्रों को इतना प्रभावी बना दिया कि यह शस्त्र अब बड़ा नुकसान करने की क्षमता रखते हैं। हिरोशिमा, नागासाकी इसका भयावह उदाहरण हैं। यह विश्व के लिए, समूची मानवता के लिए, डरावनी स्थिति थी। विश्व परिदृश्य पर जो स्थिति निर्मित हुई इसमें स्वयं को सुरक्षित करने और ताकतवर साबित करने के उद्देश्य से विश्व में शस्त्रों की शक्ति की मानों होड़ सी लग गयी।

क्यों आवश्यक है निरस्त्रीकरण

विनाशकारी हथियार समूची मानवता के लिए संकट है। इसमें परमाणु हथियारों और सामूहिक विनाश के अन्य हथियारों से समूची सृष्टि तबाह हो सकती है। पारंपरिक हथियारों को अत्यधिक संचित किया जाना, हथियारों का अवैध व्यापार और निर्माण अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। इससे जहां सतत विकास बाधित होता है, वहीं घनी आबादी वाले क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में पारंपरिक हथियारों का उपयोग नागरिकों के लिए संकट की स्थिति निर्मित करता है। हथियारों में नई- तकनीक और प्रौद्योगिकी का उपयोग होने से यह हथियार वैश्विक स्तर पर नुकसानदायक हो सकते हैं। इन हथियारों से सामुदायिक स्तर से लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जोखिम की स्थिति बन गयी है। इन परिस्थितियों को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस दिशा में कदम बढ़ाए हैं, क्योंकि निरस्त्रीकरण ही इन परिस्थितियों से उबरने का उपाय हो सकता है।

क्या प्रयास किये जा रहे हैं?

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से निरस्त्रीकरण और हथियारों के नियंत्रण के लिए होने वाले प्रयासों ने सशस्त्र संघर्ष को कम करने तथा रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संयुक्त राष्ट्र स्थापना दिवस की तिथि से लेकर सप्ताहभर तक दुनिया में शस्त्रों को कम करने का संदेश पहुंचाया जाता है। देशों को यह समझाने का प्रयास किया जाता है कि बढ़े हुए तनावों और खतरों का हल आपसी राजनीतिक बातचीत और वार्ता से निकाला जा सकता है। यदि बातों से समाधान निकल सकता है तो हथियारों के उपयोग की आवश्यकता ही नहीं है।

21वीं सदीं में वैश्विक लक्ष्य सतत विकास है। सतत विकास तभी संभव है जब विश्व में शांति हो, दुनिया सुरक्षित रहे, नागरिक सुरक्षित रहे, मानव अधिकार सुरक्षित रहें और सबसे बड़ी बात राज्यों के बीच विश्वास स्थापित हो। यदि राज्यों में विश्वास रहेगा, तो सशस्त्र संघर्ष की गुंजाइश ही नहीं रहेगी। संयुक्त राष्ट्र का लक्ष्य है अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानव सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय शांति, मानवता के सिद्धांतों को स्थापित करना, संघर्ष को रोककर सतत विकास को बढ़ावा देना। यह सभी लक्ष्य निरस्त्रीकरण से काफी हद तक संभव हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक विश्वसनीय और सामूहिक सुरक्षा प्रणाली का निर्माण किया जा रहा है। सभी देश इसका अंग बनें। इस लक्ष्य को मूर्त रूप देने के लिए संयुक्त राष्ट्र निरस्त्रीकरण, हथियार-नियंत्रण और अप्रसार प्रयासों के माध्यम से एक सुरक्षित, शांतिपूर्ण भविष्य निर्माण के लिए प्रयासरत है। अंतर्राष्ट्रीय निरस्त्रीकरण सप्ताह का आयोजन सामुहिक विनाश के हथियारों, पारंपरिक हथियारों और उभरते साइबर युद्ध की चुनौतियों से सामना करने का कारगर उपाय है। जो मानवता को बचाने, जीवन को बचाने और दुनिया के साझा भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

- हितेश शर्मा
(लेखक सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

प्रश्न - संयुक्त राष्ट्र निरस्त्रीकरण आयोग की स्थापना कब हुई ?
उत्तर - 11 जनवरी 1952.
प्रश्न - संयुक्त राष्ट्र निरस्त्रीकरण आयोग का मुख्यालय कहां है?
उत्तर - न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका।
प्रश्न - वर्ष 2022 में निरस्त्रीकरण सप्ताह कब मनाया गया?
उत्तर - 24 से 30 अक्टूबर।

विश्व स्ट्रोक दिवस - 29 अक्टूबर

स्वस्थ कल के लिये आवश्यक है स्ट्रोक के प्रति जागरूकता

स्ट्रोक एक ऐसी बीमारी है जो आकस्मिक होती है। जिस पर तुरंत कोई नियंत्रण नहीं हो पाता। यह क्षण भर में होने वाली वह दुर्घटना है जो हमारा जीवन बदल देती है। इसमें आंशिक अथवा दीर्घकालीन विकलांगता हो सकती है। स्ट्रोक आने के लक्षण चेहरे, हाथ, पैर में सुन्नता, अचानक भ्रम, बोलने, समझने में कठिनाई, चक्कर आना और असंतुलन है। स्ट्रोक के आते ही तुरंत उपचार और आपातकालीन व्यवस्था करना आवश्यक है।

वर्तमान दौड़ भाग, अस्त-व्यस्त दिनचर्या और तनाव के चलते स्ट्रोक होने की संभावना कई गुना बढ़ गयी है। जब स्ट्रोक का अटैक होता है उसके बाद इसका शरीर पर पड़ने वाला प्रभाव लम्बे समय तक रहता है। कई बार तो इसका असर जीवन भर बना रहता है।

स्ट्रोक का प्रतिशत दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। जो सेहत से जुड़ी एक बड़ी समस्या है। चूंकि इस बीमारी का तनाव से उत्पन्न बीमारियों और जीवन शैली से सीधा संबंध है। ऐसे में इसके नियंत्रण के लिए जानकारी का होना आवश्यक है, इसलिए लोगों को जागृत करने, इसके खतरों को बताने के लिए विश्व स्ट्रोक दिवस की शुरुआत की गई। हर वर्ष 29 अक्टूबर को विश्व स्ट्रोक दिवस मनाया जाता है। विश्व स्ट्रोक संगठन (डब्ल्यूएसओ) द्वारा मनाये जाने वाले विश्व स्ट्रोक दिवस पर स्ट्रोक के लक्षण होने पर आपातकालीन व्यवस्था की जानकारी दी जाती है। यह दिन एक अभियान के रूप में आयोजित किया जाता है।

विश्व स्ट्रोक संगठन द्वारा दुनियाभर के अस्पतालों में कॉर्डियोलॉजी और स्ट्रोक सेवाओं के बीच सहयोग के लिए कई टास्क फोर्स टीमों को जोड़ा जाता है। स्ट्रोक दिवस के आयोजन की हर वर्ष की एक विशेष थीम होती है इस वर्ष 2023 की थीम है। 'दुगेदर वी आर # प्रेटर देन स्ट्रोक'।

इस वर्ष की थीम पर कुछ स्लोगन भी तैयार किये गए हैं, जिसमें 'अभी कार्यवाही करें, स्ट्रोक रोकें और जीवन बचाएं। रोग मुक्त कल के लिए आज सशक्त बनें। स्वस्थ कल के लिए, स्ट्रोक के खिलाफ एक साथ जागरूकता आज, बचाव जीवनभर के लिए' आदि शामिल हैं।

स्ट्रोक तथा इसके लक्षण

स्ट्रोक को ब्रेन अटैक भी कहा जाता है। जब यह अट्रैक आता है तो रक्त वाहिकाओं में रुकावट के कारण मस्तिष्क को रक्त की आपूर्ति बंद हो जाती है। इससे रक्त वाहिका के अचानक अवरुद्ध होने से यह फट भी सकती है। अधिकतर रक्त वाहिकाओं में रुकावट एक निश्चित अवधि में कई कारणों से होती है। स्ट्रोक के समय चेहरे, हाथ और पैर में सुन्नता या कमजोरी आ जाती है। अचानक भ्रम, बोलने में परेशानी, समझने में कठिनाई, चक्कर आना, संतुलन खोना और चलने में परेशानी यह सभी स्ट्रोक के लक्षण हैं। स्ट्रोक के प्रभाव से मस्तिष्क के हिस्से में स्थायी या अस्थायी क्षति हो सकती है। जिससे मृत्यु या शरीर के अंग दीर्घकालिक विकलांग हो सकते हैं।

ब्रेन स्ट्रोक से बचाव कैसे करें

तनाव तथा उचित खान-पान के न होने से ब्रेन स्ट्रोक की संभावना बढ़ जाता है। इसके लिए धूमपान तथा शराब से बचें, स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, नियमित व्यायाम, योग अथवा पैदल घूमने जैसी शारीरिक गतिविधि अवश्य करें। आहार में सोडियम नानवेज, मसाले और मिठाइयों को सीमित करें तथा नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं।

विश्व स्ट्रोक दिवस 2023 का महत्व

इस कार्यक्रम का आयोजन विश्व स्ट्रोक संगठन द्वारा किया जा रहा है। इसमें लोगों को स्ट्रोक के लक्षणों के बारे में जागरूकता के लिए प्रचार-प्रसार के विभिन्न ऑडियोविजुअल माध्यमों द्वारा जानकारी दी जाती हैं। लक्षणों वाले रोगियों को तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए, क्योंकि समय बढ़ने के साथ मस्तिष्क प्रभावित हो जाएगा जिसके परिणामस्वरूप मृत्यु और अन्य स्थायी विकलांगताएं हो सकती हैं। निकटतम अस्पताल में स्ट्रोक सुविधा के बारे में जानकारी देने और जागरूक करने के लिए ही यह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। विश्व स्ट्रोक संगठन दुनियाभर के अस्पतालों में कार्डियोलॉजी और स्ट्रोक सेवाओं के बीच सहयोग में सुधार पर जोर दे रहा है। डब्ल्यूएसओ ने दुनियाभर में स्ट्रोक प्रतिशत को कम करने के लिए एक टास्क फोर्स टीम बनाई है। इसी के साथ एक नया ऑनलाइन स्पॉट्टर गेम लागू किया गया ताकि लोग इस गेम को खेलने के साथ स्ट्रोक के लक्षणों का पता लगा सकें।

मिनटों में मर जाती हैं मस्तिष्क की कोशिकाएं

न्यूरोलॉजी विभाग के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार स्ट्रोक तब होता है जब रक्त वाहिकाओं में रक्त के थक्कों या प्लाक के रूप में फैट जमा हो जाता है। इसकी वजह से मस्तिष्क में रक्त का प्रवाह कम या पूरी तरह से रुक जाता है। रक्त के द्वारा मस्तिष्क तक ऑक्सीजन और पोषक तत्वों के प्रवाह रुकने से मस्तिष्क की कोशिकाएं मिनटों में मृत हो जाती हैं। कुछ रोगियों में स्ट्रोक के कारण मस्तिष्क में ब्लीडिंग तक हो जाती है। स्ट्रोक के दो स्तर होते हैं- मिनि स्ट्रोक और स्ट्रोक।

मिनी स्ट्रोक

मिनी स्ट्रोक तब होता है, जब क्षति केवल कुछ मिनटों तक रहती है और मस्तिष्क पर स्थायी प्रभाव नहीं छोड़ती है। इसके लक्षण अन्य स्ट्रोक के समान होते हैं और इसे अक्सर आने वाले बड़े स्ट्रोक की चेतावनी के रूप में लिया जाता है। स्ट्रोक स्थायी मस्तिष्क क्षति और दीर्घकालिक विकलांगता का कारण बन सकता है। इसलिए स्ट्रोक के सभी लक्षणों को जानना जरूरी है।

शरीर के कुछ हिस्सों में कमजोरी और सुन्न पड़ जाना

स्ट्रोक से प्रभावित मरीजों को उनके चेहरे, हाथ या पैरों पर आंशिक पक्षाघात का सामना करना पड़ सकता है। ज्यादातर मामलों में यह शरीर के एक तरफ देखा जाता है। इसे पहचानने के लिए, रोगी को अपने हाथ पैर ऊपर उठाने तथा मुस्कराने के लिए कहा जाता है।

यह होते हैं स्ट्रोक के संकेत

व्यक्ति को अचानक से भ्रम या समझने में कठिनाई होती है, जो कि आने वाले स्ट्रोक का संकेत है। ऐसे में, शांत रहने और संकेतों को जांचने के लिए एक छोटी-सी जांच की जाती है। मरीज को अचानक वाक्य बोलने और संवाद करने में सक्षम नहीं होने पर तुरंत उपचार आवश्यक है।

बन जाता है रक्त का थक्का

स्ट्रोक से अचानक आंशिक या पूर्ण दृष्टि हानि भी हो सकती है, जिसके बारे में पता होना चाहिए। यह एक या दोनों आंखों में हो सकता है। स्ट्रोक के कुछ मामलों में रोगी की आंखों की रोशनी जा सकती है। जबकि आंशिक दृष्टि हानि कम गंभीर होती है। स्ट्रोक की वजह से रेटिनल आर्टरी ऑक्लूशन की वजह से आंख में एक रक्त का थक्का बन जाता है, जिसके परिणामस्वरूप स्थायी अंधापन हो सकता है।

स्ट्रोक के प्रकार

स्ट्रोक मुख्यतः दो प्रकार का होता है। **पहला-** इस्केमिक स्ट्रोक- यह सबसे आम प्रकार है और 80 प्रतिशत ब्रेन स्ट्रोक इसी प्रकार में होता है। **दूसरा-** रक्तस्रावी स्ट्रोक, 20 प्रतिशत ब्रेन स्ट्रोक इसमें होते हैं। इस्केमिक स्ट्रोक या तो थ्रोम्बोटिक या एम्बोलिक हो सकता है। थ्रोम्बोटिक स्ट्रोक इस्केमिक स्ट्रोक का प्रकार है। इसमें मस्तिष्क में एक रोगग्रस्त या क्षतिग्रस्त धमनी के अंदर रक्त का थक्का बनता है, जिससे रक्त प्रवाह अवरुद्ध हो जाता है।

एम्बॉलिक स्ट्रोक

एम्बॉलिक स्ट्रोक तब होता है जब मस्तिष्क या हृदय की ओर जाने वाली धमनियों में से किसी एक में थक्का या पट्टिका का छोटा टुकड़ा रक्त प्रवाह के साथ पहुँच जाता है, और संकरी मस्तिष्क धमनियों में जमा हो जाता है। रक्त प्रवाह के बंद होने के कारण मस्तिष्क से रक्त की आपूर्ति बंद हो जाती है।

- रुचि दीक्षित
(लेखिका सम-सामयिक विषयों पर लेखन करती हैं)

आर्कटिक ओपन

चीन की हान यूई ने जीता खिताब

वांटा, चीन की महिला बैडमिंटन खिलाड़ी हान यूई ने फिनलैंड में आयोजित आर्कटिक ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। टूर्नामेंट के फाइनल में यूई ने अपनी हमवतन खिलाड़ी वांग झीयी को रोमांचक मुकाबले में 16-21, 22-20, 21-12 से हराया। मैच के पहले गेम में झीयी ने शानदार प्रदर्शन किया और अपनी बढ़त बनाते हुए पहला गेम आसानी से जीत लिया। दूसरे गेम में यूई ने जबरदस्त वापसी की और झीयी को कड़ी टक्कर देते हुए 22-20 से गेम जीतकर मैच को बराबरी पर ला दिया। मैच के तीसरे और आखिरी गेम में यूई के तेजतर्रार खेल के सामने झीयी टिक नहीं पाईं। यूई ने तीसरा गेम 21-12 से जीतकर खिताब पर कब्जा किया। टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग का खिताब मलेशिया के अनुभवी खिलाड़ी ली जी जिया ने जीता।

आईसीसी वन-डे विश्वकप

भारत ने पाकिस्तान को आठवीं बार हराया

अहमदाबाद, आईसीसी वन-डे विश्वकप में एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत देखने को मिली और हर बार की तरह इस बार भी भारतीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी। अहमदाबाद में भारत और पाकिस्तान के बीच विश्वकप के मुकाबले को भारतीय टीम ने एकतरफा अंदाज में 7 विकेट से जीत लिया।

मैच में भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पाकिस्तान को सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक (20) और इमाम उल हक (36) ने सधी शुरुआत दिलाते हुए पहले विकेट के लिए 41 रन जोड़े। इस जोड़ी को मोहम्मद सिराज ने तोड़ा। इसके बाद बाबर आजम (50) और मोहम्मद रिजवान (49) ने पारी को संभाला। एक समय 2 विकेट खोकर 155 रन बनाकर बड़े स्कोर की ओर बढ़ रही पाकिस्तान टीम को सिराज ने झटका दिया। बाबर के आउट होते ही पाकिस्तान की टीम बिखर गई और 42.5 ओवर में 191 रन पर पाकिस्तानी टीम ऑल आउट हो गई। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पंड्या, कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा ने 2-2 विकेट लिए।

- भारत और पाकिस्तान के बीच आईसीसी वन-डे विश्वकप में 8 मैच खेले जा चुके हैं और हर बार भारत जीता है।
- दोनों देशों के बीच विश्वकप में पहला मुकाबला वर्ष 1992 में खेला गया था।
- रोहित शर्मा वन-डे क्रिकेट में 300 से अधिक छक्के लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं।
- रोहित (303) से आगे क्रिस गेल (331) और शाहिद अफरीदी (351) हैं।

रोहित की आक्रामक पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को शुभमन गिल (16) और विराट कोहली (16) के रूप में शुरुआती झटके लगे, लेकिन रोहित शर्मा ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की पेस बेटरी को डिस्चार्ज कर दिया। रोहित ने 63 गेंदों में 86 रनों की शानदार पारी खेली। इस पारी में रोहित ने 6 चौके और 6 छक्के लगाए। रोहित के साथ श्रेयस अय्यर (53) ने भी अच्छी बल्लेबाजी करते हुए भारत को यादगार जीत दिलाई। भारत ने 30.3 ओवर में ही 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

साधवानी ने जीती जूनियर रैपिड शतरंज चैम्पियनशिप

रोम, भारत के युवा ग्रैंड मास्टर रौनक साधवानी ने इटली में आयोजित अंडर-20 विश्व जूनियर रैपिड शतरंज चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया है। 17 वर्षीय रौनक ने चैम्पियनशिप में 11वें राउंड में 8.5 अंक अर्जित कर ट्रॉफी अपने नाम की। टूर्नामेंट में रौनक की शुरुआत खराब रही। रौनक को दूसरे और पांचवें राउंड में अपने से कम रैंकिंग वाले खिलाड़ी के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद रौनक ने जबरदस्त वापसी की और अंतिम राउंड में जर्मनी के टोबियास कोएले को हराकर खिताब अपने नाम किया।

ताजिकिस्तान ने जीता मर्डेका कप फुटबॉल टूर्नामेंट

क्वालालंपुर, ताजिकिस्तान ने मलेशिया को हराकर मर्डेका कप फुटबॉल टूर्नामेंट अपने नाम किया है। ताजिकिस्तान ने फाइनल में मलेशिया को 2-0 से हराया। टूर्नामेंट में भारतीय फुटबॉल टीम तीसरे स्थान पर रही। फाइनल मैच में ताजिकिस्तान की फुटबॉल टीम ने बेहतरीन खेल दिखाया। ताजिकिस्तान के लिए पहला गोल रुस्तम सोइरोव ने पहले हाफ खत्म होने के एक मिनट पहले किया। मैच के 88वें शाहरोम शामिएव ने शानदार गोल कर ताजिकिस्तान को 2-0 से जीत दिलाई।

शुभमन गिल बने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सितम्बर माह के पुरस्कार घोषित कर दिए हैं। भारतीय टीम के धुरंधर सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को सितम्बर माह के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार से नवाजा गया है। आईसीसी ने श्रीलंका की महिला क्रिकेटर चमारी अट्टापट्टू को महिला वर्ग में आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड से नवाजा है।

आईसीसी ने सितंबर माह में प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए शुभमन गिल के अलावा मोहम्मद सिराज और डेविड मलान को भी नॉमिनेट किया था। शुभमन ने इन दोनों खिलाड़ियों को पछाड़ते हुए यह पुरस्कार हासिल किया। शुभमन ने पिछले कई महीनों से क्रिकेट में लाजवाब प्रदर्शन किया है। उन्होंने सितंबर माह में खेले गए 8 वन-डे मैचों में 80 की औसत से 480 रन बनाये हैं, इनमें दो शतक भी शामिल हैं। एशिया कप में भी शुभमन के बल्ले ने जमकर रन उगले और भारत को खिताब दिलाया।

- शुभमन गिल ने दूसरी बार जीता है आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार।
- यह उपलब्धि हासिल करने वाले शुभमन पहले भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं।
- शुभमन जनवरी 2023 में भी जीत चुके हैं यह पुरस्कार।

कोरिया ओपन में जेसिका पेगुला बनीं चैम्पियन

सियोल, अमेरिका की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने दक्षिण कोरिया में आयोजित कोरिया ओपन टेनिस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया है। यह पेगुला का इस सत्र में दूसरा खिताब है। पेगुला ने टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग के फाइनल में चीन की युआन यूई को हराकर खिताब जीता।

श्रीलंकाई क्रिकेटर गुणातिलका से हटा प्रतिबंध

कोलंबो, श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने धनुष्का गुणातिलका को बड़ी राहत देते हुए उन पर लगा प्रतिबंध हटा लिया है। गुणातिलका पर ऑस्ट्रेलिया में आयोजित आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्व कप के दौरान एक महिला ने यौन शोषण का आरोप लगाया था, जिसके बाद ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। ऑस्ट्रेलियाई अदालत ने गुणातिलका को सभी आरोपों से बरी कर दिया है।

एथलीट ऑफ द ईयर के लिए नॉमिनेट हुए नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली, भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा को वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर अवॉर्ड-2023 के लिए नॉमिनेट किया गया है। नीरज ने इस वर्ष विश्व एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप और एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन किया है, इसीलिए नीरज को इस अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया है। इस अवॉर्ड के लिए नीरज के अलावा 10 अन्य खिलाड़ियों को भी नॉमिनेट किया गया है।

एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप में रचा इतिहास

टोक्यो ओलिंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद से ही नीरज भाला फेंक खेल में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। वर्ष 2022 में विश्व एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतने वाले नीरज ने इस वर्ष विश्व एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप में इतिहास रचते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। नीरज विश्व एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट हैं।

- वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर अवॉर्ड के लिए नीरज सहित 11 खिलाड़ी किए गए नॉमिनेट।
- विजेता की घोषणा 11 दिसम्बर को होगी।
- नीरज ने इस वर्ष डायमंड लीग फाइनल में रजत पदक भी जीता है।

नीरज ने चीन में आयोजित 19वें एशियाई खेलों में भारत का परचम लहराते हुए भाला फेंक खेल में स्वर्ण पदक जीता। नीरज ने भाला फेंक स्पर्धा में 88.88 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। इस स्पर्धा का रजत पदक भारत के ही किशोर जेना ने जीता। नीरज वर्ष एशियन गेम्स-2018 में भी स्वर्ण पदक जीत चुके हैं।

लॉस एंजेलिस ओलिंपिक-2028

ओलिंपिक खेलों में क्रिकेट की हुई वापसी

मुंबई, अब ओलिंपिक में भी चौके-छक्के लगेंगे और क्रिकेट का रोमांच देखने को मिलेगा। 128 वर्ष बाद ओलिंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी होने जा रही है। लॉस एंजेलिस में वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले ओलिंपिक खेलों में क्रिकेट को आधिकारिक रूप से शामिल कर लिया गया है। मुंबई में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ओलिंपिक समिति (आईओसी) के 141वें सत्र की बैठक में क्रिकेट सहित पांच खेलों को ओलिंपिक में शामिल करने की मंजूरी दी गई।

आईओसी ने एक बयान में कहा कि बेसबॉल/सॉफ्टबॉल, क्रिकेट (ट्वेंटी-20 फॉर्मेट), लैक्रोस (सिक्सेस), फ्लैग फुटबॉल और स्क्वॉश लॉस एंजेलिस-2028 खेल कार्यक्रम का हिस्सा होंगे। लॉस एंजेलिस-2028 आयोजन समिति द्वारा अनुशंसित पांच खेलों को ओलिंपिक में शामिल करने के प्रस्ताव को आईओसी कार्यकारी बोर्ड ने स्वीकृति प्रदान की है।

आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाक ने कहा कि इन पांच खेलों का चयन अमेरिका की खेल संस्कृति को ध्यान में रखकर और अंतर्राष्ट्रीय खेलों को अमेरिका में लाने के लिए किया गया है। आईसीसी ने कहा कि ओलिंपिक कार्यक्रम में क्रिकेट को शामिल करना एक शुरुआत है। इस कदम को क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाने की कवायद के रूप में देखा जाएगा।

- लॉस एंजेलिस ओलिंपिक-2028 में ट्वेंटी-20 फॉर्मेट में खेला जायेगा क्रिकेट।
- ओलिंपिक में महिला और पुरुष वर्ग में 6-6 टीमें खेल सकती हैं।
- राष्ट्रमंडल खेल और एशियन गेम्स में भी क्रिकेट को शामिल किया जा चुका है।

ओलिंपिक-1900 में भी शामिल था क्रिकेट

ओलिंपिक खेलों में अब तक सिर्फ एक बार क्रिकेट को शामिल किया गया है। वर्ष 1900 में पेरिस ओलिंपिक में क्रिकेट को जगह मिली थी, तक इस स्पर्धा में सिर्फ दो देश ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस की टीमों ने इसमें हिस्सा लिया था। इन दोनों टीमों के बीच सिर्फ एक मैच (फाइनल) खेला गया था।

हुरकाज ने जीता शंघाई मास्टर्स खिताब

शंघाई, पोलैंड के युवा टेनिस स्टार हुर्बर्ट हुरकाज ने शंघाई मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में शीर्ष खिलाड़ियों को पछाड़ते हुए खिताब अपने नाम किया है। शंघाई मास्टर्स में पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में हुरकाज ने रूस के आंद्रे रूबलेव को रोमांचक मुकाबले में 6-3, 3-6, 7-6 से हराया।

सेमीफाइनल में अमेरिका के सबेस्टियन कोर्डा को हराने वाले हुरकाज ने फाइनल में अपने से उच्च वरीयता प्राप्त रूबलेव के खिलाफ दमदार प्रदर्शन किया। हुरकाज ने फाइनल में सटीक सर्विस से रूबलेव को हैरान कर दिया। हुरकाज ने पहला गेम आसानी से 6-3 के अंतर से जीत लिया। दूसरे सेट में रूबलेव ने वापसी की और 6-3 से जीत दर्ज कर मैच में बराबरी की। मैच का तीसरा और अंतिम सेट बेहद रोमांचक रहा। तीसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों ने बराबर अंक अर्जित किए, इसके बाद हुरकाज ने मैच प्वाइंट हासिल कर यह सेट 7-6 से अपने नाम किया।

- हुर्बर्ट हुरकाज के टेनिस कॅरियर का यह दूसरा एटीपी मास्टर्स-1000 खिताब है।
- इससे पहले हुरकाज वर्ष 2021 में मियामी मास्टर्स टूर्नामेंट जीत चुके हैं।
- शंघाई मास्टर्स में रोहन बोपन्ना और मैथ्यू एब्डेन की जोड़ी पुरुष युगल वर्ग में उपविजेता बनी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

भारत में सांस्कृतिक विरासत को अत्याधुनिक तकनीक के साथ जोड़ने की है क्षमता

वियतनाम दौरे पर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने दुनिया में भारत की अनोखी पहचान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि परंपरा और प्रौद्योगिकी के सम्मिश्रण का बहुत महत्व है। विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को अत्याधुनिक तकनीक के साथ जोड़ने की भारत की क्षमता ही देश को वैश्विक मंच पर स्थापित करती है। हनोई में हुए एक कार्यक्रम में विदेशमंत्री श्री जयशंकर के लिए भारत और वियतनाम के बीच गहरे संबंधों को रेखांकित करने का यह मौका था। इस कार्यक्रम को द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने के अवसरों का पता लगाने के रूप में भी देखा जा रहा है। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने दोनों देशों के नागरिकों के बीच संबंधों के महत्व को भी स्वीकार किया। डॉ. जयशंकर ने कहा कि भारत की वैश्विक पहुंच को मजबूत करने में भारतीय प्रवासियों की भूमिका सराहनीय है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर चीन पहुंचे

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन चीन के दौरे पर हैं। यूक्रेन और रूस के युद्ध के बाद पहली बार राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन चीन पहुंचे हैं। यहां उन्होंने अपने समकक्ष शी जिनपिंग से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार चीन के राष्ट्रपति शी जिंगपिंग के निमंत्रण को स्वीकार करने के बाद रूस के राष्ट्रपति पुतिन चीन के दौरे के लिए तैयार हुए थे। इससे पहले पुतिन ने पिछले साल मार्च में चीन का दौरा किया था। ज्ञात रहे कि पुतिन ने हेग की अदालत द्वारा वॉरंट जारी करने के बाद इंटरनेशनल सीमा को पार नहीं किया है। ऐसे में युद्धग्रस्त यूक्रेन की यात्रा के अलावा यह पुतिन की पहली विदेश यात्रा है। सूत्रों की मानें तो पुतिन केवल उन्हीं देशों की यात्रा करेंगे जहां उनकी सुरक्षा की पूरी गारंटी हो और चीन उन देशों में से एक है। अगस्त में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी राष्ट्रपति पुतिन शामिल नहीं हुए थे।

हमास-इजराइल जंग रोकने के लिए भारत होगा मददगार

फिलिस्तीनी संगठन हमास ने 7 अक्टूबर को गाजा पट्टी से इजराइल की तरफ 5 हजार से ज्यादा रॉकेट हमले किए थे। इसके बाद से दोनों के बीच जंग चल रही है। अब तक 10 दिनों की जंग में इजराइल और हमास दोनों को अच्छा-खासा जानमाल का नुकसान हुआ है। इस बीच बेस्टसेलर बुक 'सेपियंस' के लेखक और इजराइल के इतिहासकार युवल नूह हरारी ने कहा कि भारत को इस हालात में आगे आना चाहिए। हरारी ने कहा, हालात पर काबू पाने के लिए भारत को ईरान जैसे देशों के साथ अपने प्रभाव का इस्तेमाल करना चाहिए। इजराइली लेखक युवल नूह हरारी ने एक टेलीविजन को दिये साक्षात्कार में कहा, इजराइल और फिलिस्तीन में जो हो रहा है, वह पूरी दुनिया में फैल सकता है।

(स्रोत: समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

69वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह

फिल्में जागरूकता और संवेदनशीलता फैलाने का सबसे प्रभावी माध्यम हैं : राष्ट्रपति

69वें नेशनल अवॉर्ड्स विनर्स

बेस्ट फीचर फिल्म: रॉकेट्री

बेस्ट निर्देशक: निखिल महाजन, गोदावरी

बेस्ट पॉपुलर फिल्म प्रोवाइडिंग होलसम एंटरटेनमेंट: आरआरआर

राष्ट्रीय एकता पर बेस्ट फीचर फिल्म के लिए नरगिस दत्त पुरस्कार: द कश्मीर फाइल्स

बेस्ट एक्टर: अल्लू अर्जुन (पुष्पा)

बेस्ट एक्ट्रेस: आलिया भट्ट(गंगूबाई काठियावाड़ी) और कृति सेनन (मिमी)

बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर: पंकज त्रिपाठी (मिमी)

बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस: पल्लवी जोशी (द कश्मीर फाइल्स)

बेस्ट चाइल्ड आर्टिस्ट: भाविन रबारी (छैलो शो)

बेस्ट स्क्रीनप्ले (ओरिजनल): शाही कबीर (नयट्टू)

बेस्ट स्क्रीनप्ले (एडेप्टेड): संजय लीला भंसाली और उत्कर्षिनी वशिष्ठ (गंगूबाई काठियावाड़ी)

बेस्ट डायलॉग राइटर: उत्कर्षिनी वशिष्ठ और प्रकाश कपाड़िया (गंगूबाई काठियावाड़ी)

बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर (सॉन्ग्स): देवी श्री प्रसाद (पुष्पा)

बेस्ट म्यूजिक डायरेक्शन (बैकग्राउंड म्यूजिक): एमएम कीरावनी (आरआरआर)

बेस्ट मेल प्लेबैक सिंगर: काला भैरव (आरआरआर)

बेस्ट फीमेल प्लेबैक सिंगर: श्रेया घोषाल, इराविन निज़ल

बेस्ट लिरिक्स: चंद्रबोस, कोंडा पोलम

बेस्ट हिंदी फिल्म: सरदार उधम

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु दिल्ली में आयोजित 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में विजेताओं के साथ

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली में विभिन्न श्रेणियों में 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने सुश्री वहीदा रहमान को वर्ष 2021 के लिए दादा साहब फाल्के लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से भी सम्मानित किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने सुश्री वहीदा रहमान को दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्राप्त करने के लिए बधाई दी और कहा कि वह अपनी प्रतिभा और व्यक्तित्व से फिल्म उद्योग के शिखर पर पहुंची हैं। उन्होंने अपना निजी जीवन भी गरिमा, आत्मविश्वास और मौलिकता के साथ जिया है। उन्होंने कई ऐसी फिल्में चुनीं जिनमें उनके किरदार ने महिलाओं से जुड़ी बाधाओं को तोड़ा। उन्होंने मिसाल कायम की है कि महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं को खुद पहल करनी चाहिए।

सशक्त महिला पात्र निभाए

राष्ट्रपति ने कहा कि सर्वश्रेष्ठ अभिनय के लिए पुरस्कार प्राप्त करने वाली पल्लवी जोशी, आलिया भट्ट और कृति सेनन ने अपनी फिल्मों में सशक्त महिला पात्र निभाए हैं। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि निर्देशक सृष्टि लखेरा ने अपनी पुरस्कार विजेता फिल्म 'एक था गांव' में एक 80 वर्षीय महिला की संघर्ष करने की क्षमता का चित्रण किया है।

सामाजिक समस्याओं को दर्शाया

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि इस वर्ष पुरस्कार प्राप्त करने वाली फिल्मों में जलवायु परिवर्तन, मानव तस्करी, नारी उत्पीड़न, भ्रष्टाचार और सामाजिक शोषण जैसी समस्याओं को दर्शाया गया है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदायों के प्रकृति और कला से प्रेम, महात्मा गांधी के आदर्शों की स्थापना, विपत्तियों के बीच संघर्ष करना, शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति और कला एवं संस्कृति क्षेत्र में विशेष उपलब्धियों जैसे विषयों पर अच्छी फिल्में बनाई गई हैं।

फिल्म क्षेत्र केवल उद्योग नहीं

उन्होंने कहा कि फिल्म क्षेत्र सिर्फ एक उद्योग नहीं है। यह केवल व्यवसाय और मनोरंजन तक ही सीमित नहीं है। जागरूकता और संवेदनशीलता फैलाने के लिए फिल्में सबसे प्रभावी माध्यम हैं। फिल्में समाज और देश की उपलब्धियों के साथ समस्याओं को भी दर्शाती हैं। फिल्म बिरादरी हमें अपनी फिल्मों के माध्यम से भारतीय समाज की विविध हकीकतों का जीवंत परिचय देती हैं। सिनेमा हमारे समाज का दस्तावेज़ भी है और उसमें सुधार लाने का माध्यम भी है।

फिल्में सांस्कृतिक विरासत की वाहक

राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय फिल्मों को देश की सामाजिक विविधता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का वाहक बनना चाहिए। ऐसी फिल्में न केवल देश और समाज के लिए लाभप्रद होंगी, बल्कि व्यावसायिक रूप से भी सफल होंगी। उन्होंने फिल्म जगत से इस प्रयोग को और अधिक संकल्प के साथ करने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने समाज और सिनेमा में प्रभावशाली योगदान देने के लिए 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार की विजेता फिल्मों से जुड़े सभी लोगों की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि फिल्म बिरादरी वैश्विक स्तर की उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करना जारी रखेगी और भारतीय फिल्में विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

क्षेत्रीय निदेशक पद की दौड़ में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री की बेटी

डब्ल्यूएचओ को पत्र लिखकर चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की अपील

विश्व स्वास्थ्य संगठन के दक्षिण पूर्व एशिया के क्षेत्रीय निदेशक पद की दौड़ में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की बेटी सलमा वाजेद भी शामिल हैं। हालांकि इसे लेकर अब वंशवाद का मुद्दा उठ गया है। दरअसल दुनियाभर से 60 से ज्यादा सार्वजनिक स्वास्थ्य के विशेषज्ञों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन को पत्र लिखकर क्षेत्रीय निदेशक के चयन में पारदर्शिता बरतने की अपील की है।

पत्र में लिखा गया है कि उम्मीदवारों की शिक्षा और योग्यता आदि की पूरी कठोरता से जांच की जाए। बता दें कि अभी दक्षिण पूर्व एशिया से विश्व स्वास्थ्य संगठन की क्षेत्रीय निदेशक भारत की डॉ. पूनम खेत्रपाल सिंह हैं और उनका कार्यकाल पूरा होने वाला है। इस पद की दौड़ में बांग्लादेश से सलमा वाजेद और नेपाल से डॉ. शंभु प्रसाद आचार्य शामिल हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में पीएचडी धारक डॉ. आचार्य को WHO के साथ 30 सालों तक काम करने का अनुभव भी है। वहीं प्रधानमंत्री शेख हसीना की बेटी सलमा वाजेद ने साइकोलॉजी में मास्टर डिग्री हासिल की है और ऑटिज्म में स्पेशलाइजेशन भी किया है।

आलोचकों का कहना है कि सलमा वाजेद के पास तकनीकी और सार्वजनिक स्वास्थ्य की विशेषज्ञता नहीं है। हालांकि सलमा वाजेद का कहना है कि वह डब्ल्यूएचओ के मानसिक स्वास्थ्य और ऑटिज्म के डायरेक्टर जनरल की सलाहकार रही हैं और करीब एक दशक तक डब्ल्यूएचओ की विशेषज्ञ समिति की सदस्य भी रही हैं।

चुनाव प्रक्रिया पर उठे सवाल : डब्ल्यूएचओ के क्षेत्रीय निदेशक का चुनाव दक्षिण पूर्व एशिया के 11 देशों के स्वास्थ्य मंत्री करते हैं। इनमें बांग्लादेश, भूटान, भारत, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, मालदीव, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका, थाईलैंड और ईस्ट टिमोर शामिल हैं। डब्ल्यूएचओ की क्षेत्रीय बैठक के बाद अक्टूबर में क्षेत्रीय निदेशक पद के लिए वोट डाले जाएंगे। यह वोटिंग गुप्त तरीके से होती है। अगर सलमा वाजेद जीतती हैं, तो वह बांग्लादेश की तरफ से दूसरी क्षेत्रीय निदेशक होंगी, उनसे पहले बांग्लादेश के सैयद मुदस्सर अली इस पद पर रह चुके हैं।

अफगानिस्तान में बगलान के बाद दहला तखर

अफगानिस्तान का तखर प्रांत एक बार फिर विस्फोट से दहल गया। तालिबान के कब्जे के बाद से देश में विस्फोटों में वृद्धि और बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के साथ, तखर के तालेकन शहर में हुए विस्फोट का विवरण अस्पष्ट है हालांकि, जांच की जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना तखर पुलिस कमांड सेंटर और गवर्नर कार्यालय के करीब हुई। इस घटना के संबंध में अभी भी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि आखिर यह धमाका क्यों हुआ और इसमें कितने लोग घायल हुए हैं। इसके अतिरिक्त, घरेलू मीडिया आउटलेट्स ने क्षेत्र में एम्बुलेंस की आवाज सुनने की सूचना दी है और विस्फोट के बारे में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। इसके अलावा, तखर में तालिबान अधिकारी भी इस घटना के संबंध में कोई बयान या टिप्पणी करने से परहेज कर रहे हैं।

भारत के बाहर डॉ. आंबेडकर की सबसे ऊंची प्रतिमा का अनावरण

भारत के संविधान निर्माता डॉ. बी आर आंबेडकर की अमेरिका की सबसे ऊंची प्रतिमा का वॉशिंगटन डी सी में अनावरण किया गया। डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा को 'स्टैच्यू ऑफ इक्वेलिटी' का नाम दिया गया है। डॉ. आंबेडकर की यह प्रतिमा वॉशिंगटन डी सी के उपनगर मेरीलैंड में स्थापित की गई है।

इस ऐतिहासिक मौके पर करीब 500 भारतीय या भारतीय मूल के लोग मौजूद रहे। अमेरिका में स्थापित की गई डॉ. आंबेडकर की इस प्रतिमा का अनावरण मशहूर मूर्तिकार राम सुतार ने किया। राम सुतार ने ही गुजरात में नर्मदा नदी के किनारे स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा का भी निर्माण किया है। आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर के अध्यक्ष राम कुमार ने कहा कि इसे स्टैच्यू ऑफ इक्वेलिटी का नाम दिया गया है क्योंकि ना सिर्फ भारत में बल्कि हर जगह असमानता अलग-अलग रूप में मौजूद है।

ज्ञात रहे कि 14 अप्रैल 1891 को जन्में डॉ. भीमराव आंबेडकर अनुयायियों के बीच बाबा साहेब के नाम से प्रसिद्ध हैं और वह भारत की संविधान सभा की ड्राफ्टिंग समिति के अध्यक्ष रहे। अमेरिका में राष्ट्रपति भवन व्हाइट हाउस से 'स्टैच्यू ऑफ इक्वेलिटी' दक्षिण में करीब 22 मील दूर है। 13 एकड़ के इस सेंटर में प्रतिमा के अलावा लाइब्रेरी, कन्वेंशन सेंटर और बुद्ध गार्डन भी है। दलित इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि कुमार नारा ने कहा कि अमेरिका में बाबा साहेब की प्रतिमा का अनावरण ऐतिहासिक पल है।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- मनीष सिंह, मुद्रक- मनीष सिंह द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।